{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 03 जनवरी 2026
पौस शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 102
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़े, एक की मौत

बल्लारी। कर्नाटक के बेल्लारी में वाल्मीकि बैनर फाडने को लेकर गुरुवार को भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़ गए। दोनों गुटों में हुई हिंसक झड़प के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। झड़प बीजेपी विधायक जनार्दन रेड्डी और कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने को लेकर हुई, जो 3 जनवरी को शहर में वाल्मीकि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले पोस्टर-बैनर लगा रहे थे। भरत रेड्डी के समर्थक अवमभावी इलाके में जनार्दन रेड्डी के घर के सामने बैनर लगाने की कोशिश कर रहे थे, जिसका रेड्डी के समर्थकों ने विरोध किया। इससे दोनों गुटों में जमकर बहस हुई। दोनों पक्षों में पत्थरबाजी हुई, पुलिसकर्मियों पर भी पत्थर फेंके गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और हवाई फायर भी किए। शुक्रवार को पुलिस ने बीजेपी विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री श्रीरामुलु, शेखर, अलीखान और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ ब्रूसपेट थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है।

जमीन घोटाले में पूर्व कलेक्टर अरेस्ट

सुरेंद्रनगर। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने 1500 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के मामले में गुजरात में सुरेंद्रनगर के पूर्व कलेक्टर राजेंद्र पटेल को अरेस्ट किया है। शुक्रवार को ईडी की तीन टीमें गांधीनगर स्थित राजेंद्र पटेल के आवास पर पहुंचीं, जहां पहले उनसे पूछताछ की गई। इससे पहले ईडी की टीम ने 20 और 21 दिसंबर को सुरेंद्रनगर जिले में छापेमारी की थी। इसमें सुरेंद्रनगर के कलेक्टर राजेंद्र पटेल के अलावा उनके पीए जयराजसिंह झाला, डिप्टी तहसीलदार चंद्रसिंह मोरी और क्लर्क मयूरसिंह गोहिल के घर पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान मोरी के घर से 60 लाख से अधिक का कैश भी जब्त किया गया था। यह कैश उनके बेडरूम में छिपाकर रखा गया था। रुपए मिलने के बाद मोरी को अरेस्ट कर लिया गया था। इसके बाद 23 दिसंबर को पीएमएलए की धारा 17 के तहत दर्ज अपने बयान में मोरी ने माना था कि जब्त किया गया कैश रिश्वत का पैसा है, जो आवेदकों से सीधे या बिचौलियों के जरिए लिया गया था।

डिलीवरी बॉयज को भी मिलेगा बीमा

नई दिल्ली। देशभर के लाखों डिलीवरी बॉयज, कैब ड्राइवर्स को अब हेल्थ इंश्योरेंस, लाइफ इंश्योरेंस और एक्सीडेंट कवर जैसी सुविधाएं मिलेंगी। केंद्र सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 के तहत नए ड्राफ्ट नियमों को नोटिफाई कर दिया है। एक साल में कम से कम 90 दिन काम करने पर वर्कर्स को फायदा मिलेगा। फिलहाल सरकार ने ड्राफ्ट रूल्स पर फीडबैक मांगा है, जिसके बाद इसे फाइनल कर लागू कर दिया जाएगा। हाल ही में हुई हड़ताल के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है।

कुछ ना कहना

इंदौर दूषित पानी से मौतों का मामला... हाईकोर्ट में सरकार बोली- 4 ही मरे

नगर निगम कमिश्नर दिलीप यादव पर गिरी गाज, 2 बड़े अफसर भी सस्पेंड

भागीरथपुरा के लोगों ने पूछा... मंत्री, महापौर, पार्षद पर कब आएगी आंच

भोपाल/इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई मौतों के बाद आखिरकार मोहन सरकार ने नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को पद से हटाने के निर्देश दिए गए हैं. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोशल मीडिया पोस्ट ने इस कार्रवाई को सार्वजनिक किया है. सीएम मोहन यादव ने कहा है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, सरकार कड़े एक्शन ले रही है. इससे पहले सरकार ने दो बड़े अफसरों को सस्पेंड कर दिया था. सीएम मोहन यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं. इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने कहा कि इस दृष्टि से सभी 16 नगर निगमों के महापौर, अध्यक्ष तथा आयुक्त एवं जिला कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व अन्य संबंधित मुख्यालय स्तर के अधिकारियों की आज सायं वर्चुअल बैठक बुलाई है, जिसमें पूरे प्रदेश की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे. भागीरथपुरा की जल त्रासदी ने इंदौर की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे. दूषित पानी पीने से लोग बीमार हुए. कुछ की मौत भी हुई. विपक्ष से लेकर आम जनता तक प्रशासनिक जवाबदेही की मांग कर रही थी. पहले अपर आयुक्त और पीएचई के अधिकारी पर कार्रवाई हुई. इसके बाद देर शाम नगर निगम कमिश्नर को हटाने का फैसला लिया गया है।

अब तक 2 जांच रिपोर्ट, दोनों निगेटिव

इंदौर के सीएमएचओ डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने बताया कि पानी को लेकर अब तक दो जांच रिपोर्ट आई है। इसमें बताया गया कि यह पानी पीने योग्य नहीं है। सैंपल में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक पानी में हैजा फैलाने वाला विब्रियो कोलेरी भी मिला है, लेकिन सरकारी तंत्र इसे अब भी प्रारंभिक रिपोर्ट कहकर टाल रहा है। नगर निगम ने भी खुद की लैब में करीब 80 सैंपल्स भेजे थे। जांच रिपोर्ट में इन सैंपल्स को 'अनसेटिस्फेक्ट्री' बताया गया है। भागीरथपुरा से लिए गए पानी के सैंपल पीने और अन्य घरेलू उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं था। हालांकि दोनों रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। अफसरों ने बताया कि भागीरथपुरा में एक पुलिस चौकी के पास मुख्य पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन में रिसाव पाया गया है। उस स्थान के ऊपर एक शौचालय बना हुआ है। उनका कहना है कि इसी रिसाव के कारण इलाके की जलापूर्ति दूषित हुई।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज

सरकार ने एक साथ तीन बड़े प्रशासनिक फैसले लिए

नगर निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव को पद से हटाया गया

नगर निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया को सस्पेंड किया गया

पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित किया गया

इन अधिकारियों पर दूषित जल आपूर्ति और निगरानी में गंभीर लापरवाही के आरोप हैं. माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट और फील्ड इनपुट के बाद यह कार्रवाई की गई है।

तुरंत इस्तीफा दो, भागीरथपुरा के नाराज लोगों का गुस्सा फूटा

भागीरथपुरा के गुस्साए लोगों ने कहा है कि मौत के लिए जिम्मेदार कौन हैं, इसके लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते. यहां 15 लोगों की मौत पर मंत्री और महापौर के खिलाफ रहवासियों का गुस्सा फूटा. रहवासियों ने नैतिकता के आधार पर महापौर और मंत्री से इस्तीफा मांगा और कहा कि जान की कीमत 2 लाख नहीं हो सकती है। इससे पहले, शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी, इसमें पानी से सिर्फ 4 मौत होने की बात कही है। सरकार की रिपोर्ट तब आई, जब मृतकों के परिजन और अस्पतालों के जरिए 15 मौतों की जानकारी सामने आ चुकी है। सभी को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। कुछ को बुखार भी था। इनमें 5 महीने के मासूम बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं- ये जवाबदेही की मांग है।

एनएचआरसी ने मांगी मुख्य सचिव से रिपोर्ट

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 6 जनवरी तय की है। वहीं, इंटर विनर (हस्तक्षेप कर्ता) गोविंद सिंह बैस की ओर से मीडिया में रिपोर्ट पब्लिश करने पर रोक लगाने की मांग की गई। इस पर कोर्ट ने कोई टिप्पणी नहीं की। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसके लिए दो सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है।

पानी नहीं, जहर बंटा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, सरकार ने घमंड परोस दिया। राहुल ने लिखा- साफ पानी अहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है।

जिंदगी की कीमत दो लाख नहीं होती- उमा भारती

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने प्रदेश सरकार पर तीखी आलोचना की। उमा भारती ने कहा कि साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें पूरे प्रदेश, सरकार और व्यवस्था के लिए शर्मनाक और कलंकित करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का अवार्ड प्राप्त करने वाले नगर में इतनी बदसूरती और गंदगी होना और जहर मिला पानी पीकर कितनी जिंदगियां खत्म हो गईं और अब भी मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है, यह स्वीकार्य नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि जिंदगी की कीमत दो लाख रुपए नहीं होती क्योंकि मृतकों के परिजन जीवन भर दुख में डूबे रहते हैं। इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा। पीड़ितजनों से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं, उन्हें अधिकतम दंड दिया जाना चाहिए। भाजपा नेत्री ने मोहन यादव को भी घेरते हुए कहा कि यह उनकी परीक्षा की घड़ी है। उन्होंने कहा, जब आपकी नहीं चली तो आप पद पर बैठे हुए बिसलेरी का पानी क्यों पीते रहे? पद छोड़कर जनता के बीच क्यों नहीं पहुंचे? उन्होंने कहा कि ऐसे पापों का कोई स्पष्टीकरण नहीं होता या तो प्रायश्चित या दंड!

लोगों की शिकायत के बाद भी मंत्री और पार्षद बने रहे अंजान, नगरीय प्रशासन मंत्री की शिकायतों का पुलिंदा पहुंचा दिल्ली

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से लोगों के सक्रमित होने की घटना के कारण मौतों का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बिगड़े बोल, प्रभावित लोगों से बातचीत का तरीका और ठहाके लगाकर हंसने के कारण मप्र, मप्र सरकार और भाजपा की फजीहत हो रही है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के मीम्स वायरल हो रहे हैं। इस बीच नगरीय प्रशासन मंत्री की शिकायतों का पुलिंदा दिल्ली पहुंच चुका है। सूत्रों का कहना है कि कैलाश विजयवर्गीय को लेकर आलाकमान नाराज है। आलाकमान विजयवर्गीय के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। यह पहली बार नहीं है जब कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विवादित बयान की वजह से चर्चा में हैं। इसके पहले भी वे कई मौकों पर ऐसे बयान दे चुके हैं जो न सिर्फ अमर्यादित थे बल्कि सुनने वाले को असहज भी कर देते हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय और विवादों का चोली-दामन का साथ है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी की वजह से लगातार हो रही मौतों को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल को लेकर विजयवर्गीय ऐसे बिफरे कि उन्होंने अशोभनीय शब्दों का प्रयोग कर डाला। विजयवर्गीय इसके पहले भी महिलाओं, संस्कृति, युवाओं और सामाजिक आचरण को लेकर दिए गए अपने बयानों की वजह से विवादों में रहे हैं।

उत्तराखंड की मंत्री के पति बोले- हमारे साथ चलना, तुम्हारी शादी करवाएंगे

बिहार में 20-25 हजार में मिलती हैं लड़कियां

पटना। उत्तराखंड सरकार में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे कह रहे हैं कि बिहार में लडक़ी 20-25 हजार में मिल जाती है। मामला अल्मोड़ा की सोमेश्वर विधानसभा का है, जिसमें भाजपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री के पति कुछ लडक़ों पर शादी ना होने पर तंज कसते हुए नजर आ रहे हैं। गिरधारी सामने बैठे कार्यकर्ता से कहते हैं कि चलना हमारे साथ, हम तुम्हारी शादी करवा देंगे।

इस पूरे मामले को लेकर राजद ने मंत्री के पति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि ये सीधे तौर पर पूरे देश और बिहार की महिलाओं का अपमान है। यह बयान महिलाओं को वस्तु के रूप में देखने वाली

विकृत मानसिकता को भी उजागर करता है। रेखा आर्य को अपने पति के साथ मीडिया के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए।

2027 की तैयारी में रेखा आर्या और उनके पति

2022 में सोमेश्वर से विधायक और मंत्री रेखा आर्य 2027 की तैयारी में जुट गई हैं। उनके पति गिरधारी लाल चुनाव की तैयारी में पूरा साथ दे रहे हैं। करीब 7-8 दिन पहले चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए ही गिरधारी लाल अल्मोड़ा जिले में पडने वाली सोमेश्वर सीट के दौलाघाट क्षेत्र में पहुंचे थे। यहां पर कार्यकर्ताओं को एकजुट करने वाले एक कार्यक्रम में उन्होंने मंच से ये बयान दिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गिरधारी लाल साहू सामने बैठे युवा कार्यकर्ता से उसकी उम्र पूछते हुए कहते हैं कि नवीन तुम कितनी उम्र के हो बेटा? तुम तो नौजवान ही हो। शादी भी नहीं हुई तुम्हारी। तो फिर तुम शादी बुढ़ापे में करोगे? अभी तक तीन चार बच्चे हो जाते। लडक़ी हम तुम्हारे लिए बिहार से ले आते हैं। बिहार में 20-25 हजार में मिल जाती है। चलिए मेरे साथ तुम्हारी शादी करवाते हैं।

महिलाओं के लिए नाइट शिफ्ट को मिला सुरक्षा कवच, श्रम संहिता के नियम जारी, 1 अप्रैल से लागू!

नई दिल्ली। महिलाओं को रात्रिकालीन पाली (नाइट शिफ्ट) में काम करने की अनुमति देते हुए केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए श्रम संहिता के तहत नए नियम जारी कर दिए हैं। इन नियमों के अनुसार अब महिलाएं शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी, लेकिन इसके लिए नियोक्ता को महिला कर्मचारी की लिखित सहमति लेना अनिवार्य होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं को नाइट शिफ्ट में कार्य कराने की स्थिति में सुरक्षित और रोशन कार्यस्थल के साथ-साथ उनके आवास से कार्यालय तक आने-जाने के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करानी होगी। पिक-अप और ड्रॉप की व्यवस्था नियोक्ता की जिम्मेदारी होगी।

नए नियमों के तहत सप्ताह में अधिकतम कार्य अवधि 48 घंटे तय की गई है। इसके अलावा, दैनिक कार्य घंटों, विश्राम अवधि और कार्य समय के विस्तार (स्प्रेड ओवर) को लेकर अलग से अधिसूचना जारी की जाएगी। किसी भी श्रमिक से सप्ताह में 48 घंटे से अधिक कार्य नहीं कराया जा सकेगा।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, असंगठित क्षेत्र के 16 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए आधार से जुड़ा पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। साथ ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के गठन का भी प्रावधान किया गया है, जिसमें संसद, राज्यों, श्रमिक संगठनों और नियोक्ताओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि श्रम संहिताओं के तहत 'वेतन' की परिभाषा को व्यापक किया गया है। यदि भत्ते और अन्य भुगतान कुल पारिश्रमिक के 50 प्रतिशत से अधिक होते हैं, तो अतिरिक्त राशि को वेतन में जोड़ा जाएगा। हालांकि, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन, ईएसओपी और प्रतिपूर्ति आधारित भुगतान को वेतन का हिस्सा नहीं माना जाएगा।नियमों में निश्चित अवधि (फिक्स्ड टर्म) के रोजगार को भी मान्यता दी गई है। ऐसे कर्मचारियों को एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ग्रेच्युटी का लाभ मिलेगा, जबकि पहले यह सुविधा स्थायी कर्मचारियों को पांच वर्ष बाद मिलती थी। ग्रेच्युटी के ये प्रावधान 21 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगे।

बैंकों में भी खुल सकेंगे पेंशन फंड

- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में संशोधन

नई दिल्ली। भारत सरकार और रिजर्व बैंक में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए पेंशन फंड प्रायोजित करने के लिए बैंकों को अधिकृत किया है। अभी तक बैंकों की भागीदारी बहुत सीमित थी।अब पेंशन फंड प्रायोजित करने के लिए अनुमति का दायरा बढ़ा दिया गया है।

रिजर्व बैंक आफ इंडिया के मानदंडों के अनुसार नेटवर्थ, बाजार पूंजीकरण और बाजार में मजबूत उपस्थिति जैसे मापदंडो पर आधारित होगी।नए और मौजूदा पेंशन फंड दोनों के ऊपर यह संशोधन लागू होगा।

पीएफआरडीए के तहत अभी 10 पंजीकृत पेंशन फंड हैं। इसमें निगरानी और प्रशासन में मजबूती लाने के लिए एनपीएस ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी में बदलाव किए गए हैं। एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष दिनेश खारा,यूटीआई एएमसी के पूर्व एग्जीक्यूटिव बीसी स्वाति,अनिल कुलकर्णी और डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के को- फाउंडर अरविंद गुप्ता को शामिल किया गया है।

पीएफआईडीए ने पेंशन फंड के लिए निवेश प्रबंधन शुल्क में बदलाव किया है। जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावित होंगे। गैर सरकारी ग्राहकों के लिए स्लेब आधारित व्यवस्था लागू होगी।एयूएम शुल्क में परिवर्तन की दरों को घोषित किया गया है।

दिल्ली-बिहार जीतने के बाद अब 2026 में बंगाल बीजेपी के लिए नाक का सवाल

-खुद अमित शाह ने संभाली कमान, घुसपैठियों का मुद्दा कितना असर दिखाएगा

नई दिल्ली। इस साल बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जो इसलिए भी अहम रहा क्योंकि यह जीत 27 साल बाद मिली थी। इस साल बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बन गई और इस बार पहले से भी ज्यादा सीटों के साथ। बीजेपी सबसे ज्यादा सीटें जीतकर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी भी बनी। चुनावी जीत के लिहाज से साल 2025 बीजेपी के लिए काफी अच्छा रहा। अब नया साल शुरु हो चुका है। सवाल है कि बीजेपी और एनडीए के सामने क्या ये साल अलग तरह की चुनौतियां लेकर आएगा।

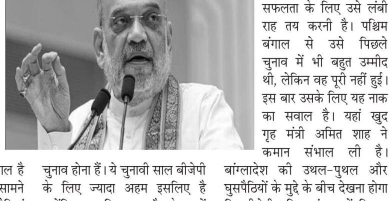

इस साल तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी में चुनाव होना हैं। ये चुनावी साल बीजेपी के लिए ज्यादा अहम इसलिए है क्योंकि वह तमिलनाडु और केरल में अपनी जड़ें जमाने की काफी वक्त से कोशिश कर रही है। हालांकि बीजेपी ने केरल में अपनी मौजूदगी दर्ज करना शुरू कर दिया है, लेकिन अब भी मिशन साउथ की सफलता के लिए उसे लंबी राह तय करनी है। पश्चिम बंगाल से उसे पिछले चुनाव में भी बहुत उम्मीद थी, लेकिन वह पूरी नहीं हुई। इस बार उसके लिए यह नाक का सवाल है। यहां खुद गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाल ली है। बांग्लादेश की उथल-पुथल और घुसपैठियों के मुद्दे के बीच देखना होगा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में कितना असर दिखाती है। असम में बीजेपी की सरकार है और यहां उसके सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। पश्चिम बंगाल की तरह ही यहां भी बांग्लादेश के हालात और घुसपैठिए ये दोनों ही बड़ा मुद्दा हैं। इस साल बीजेपी को एक और फ्रंट पर काम करना होगा। वह है सहयोगियों को एकजुट रखना। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार है और बीजेपी के पास इस बार अपना बहुमत नहीं है। जाहिर है, ऐसे में उसकी आगे की राह उतनी आसान नहीं रहेगी। इन मुश्किलों के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। मिसाल के तौर पर एनडीए में शामिल बिहार के ही कुछ छोटे दल राज्यसभा सीट की मांग को लेकर नाराजगी दिखा रहे हैं। ये प्रेशर टैक्टिस ज्यादा है लेकिन फिर भी गठबंधन के साथियों को छिटकने न देना और एनडीए की एकजुटता बरकरार रखना बीजेपी के लिए एक ऐसी चुनौती है जो बनी रहेगी।

बीजेपी ने इस साल के आखिर में नितिन नवीन को अपना राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर जनरेशनल शिफ्ट के संकेत तो दे ही दिए। अब नए साल में एक बड़ी चुनौती नई टीम बनाने की होगी।

इंदौर हादसे के बाद बालाघाट में पेयजल पाइपलाइन पर उठे सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने जताई चिंता, नालियों के अंदर से गुजर रही पाइपलाइन बनी चिंता का विषय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों इंदौर में दूषित पानी के सेवन से करीब 15 लोगों की मौत का मामला सामने आने के बाद बालाघाट में भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रारंभिक जांच में मौतों का कारण दूषित पानी पीना होने की आशंका जताई गई है। शहर की स्थिति पर नजर डालें तो नगरीय क्षेत्र के कई वार्डों में पेयजल पाइपलाइन नालियों के अंदर से होकर गुजर रही है। यह स्थिति स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि उनके वार्ड सहित नगर के अनेक क्षेत्रों में नई जलावर्धन योजना के तहत पेयजल पाइपलाइन नालियों के अंदर से बिछाई गई है। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था से किसी भी समय पेयजल दूषित हो सकता है, जिससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

इंदौर में दूषित पानी पीने से लगभग 15 लोगों की मौत की घटना सामने आने के बाद अब बालाघाट नगर की पेयजल व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है। पड़ताल में सामने आया है कि बालाघाट शहर के अधिकांश वार्डों में नई जल आवर्धन योजना के तहत बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन नालियों के भीतर, नालियों के किनारे अथवा उनसे सटकर गुजर रही है, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा मानी जा रही है। शहर में कई स्थानों पर स्थिति यह है कि नालियों से टकराने वाले वाहनों के कारण पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाती है। ऐसे मामलों में नालियों से बहने वाला मटमैला और दूषित पानी पाइपलाइन में मिलकर सीधे लोगों के घरों तक पहुंच जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस कारण पहले भी कई बार घरों में गंदा पानी सप्लाई हो चुका है। जानकारी के अनुसार, शहर में लगभग 50 से 60 प्रतिशत पेयजल पाइपलाइन नालियों के अंदर से ही गुजर रही है। नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने अपने वार्ड की स्थिति दिखाते हुए बताया कि मुख्य पाइपलाइन से लेकर घरों तक दिए गए छोटे कनेक्शन तक नालियों के अंदर से ही निकल रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि नालियों के अंदर से गुजर रही पाइपलाइन कहीं भी क्षतिग्रस्त होती है, तो सीधे दूषित पानी लोगों के घरों में पहुंचने की आशंका रहती है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके वार्ड में पहले ऐसी घटनाएं घट चुकी हैं, जब घरों में गंदा पानी सप्लाई हुआ। योगराज लिल्हारे ने इंदौर की घटना का हवाला देते हुए कहा कि नगर पालिका और संबंधित विभागों को इससे सबक लेना चाहिए। उन्होंने मांग की कि जो पाइपलाइन नालियों के अंदर या उनसे सटकर बिछाई गई है, उसे तत्काल हटाकर सुरक्षित और अलग व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की गंभीर घटना से बचा जा सके।

भटेरा में नाली के अंदर से बिछी मुख्य पेयजल लाइन

भटेरा वार्ड क्रमांक 2 में पेयजल व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक सामने आई है। मौके पर देखने पर पाया गया कि नगर पालिका द्वारा बिछाई गई जल आवर्धन योजना की मुख्य पाइपलाइन कई स्थानों पर सीधे नालियों के अंदर से गुजर रही है, जहां गंदे पानी का लगातार प्रवाह बना रहता है। वार्ड के अनेक इलाकों में पेयजल की यह मुख्य लाइन नाली के अंदर दबी हुई दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी भी कारण से यह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है, तो नालियों का दूषित पानी सीधे पाइपलाइन में मिलकर घरों तक पहुंच सकता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है। पाइपलाइन और नाली के बीच कोई सुरक्षित दूरी नही है और न अलग व्यवस्था बनायी गई है। इस तरह की लापरवाही इंदौर में हाल ही में हुई घटना की याद दिलाती है, जहां दूषित पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई हैं ।

लालबर्रा महाविद्यालय द्वारा 'कॉलेज चलो अभियान' अंतर्गत ग्राम पंचायतों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा 'कॉलेज चलो अभियान' का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. श्री सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चैरे के संयोजन में संचालित है। अभियान के अंतर्गत न केवल क्षेत्र के हायर सेकेंडरी विद्यालयों में संपर्क किया जा रहा है, बल्कि ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर समुदाय एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है।

इसी क्रम में 02 जनवरी 2026 को शासकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. ऋषिकेश पटेल, नितेश कुमार, डॉ. आशा कारे एवं श्रीमती आरती विश्वकर्मा द्वारा ग्राम पंचायत गर्रा, कनकी, बिरसोला एवं टेंगनीकला में सामुदायिक बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में 'कॉलेज चलो अभियान' के उद्देश्य एवं महत्त्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत लागू नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, विषय चयन की लचीलापन व्यवस्था से अवगत कराया गया।

इसके साथ ही कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, नैतिक शिक्षा, उच्च शिक्षा के अवसरों, रोजगार संभावनाओं एवं कौशल आधारित शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। केंद्र एवं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन एवं नि:शुल्क सहायता योजनाओं, साथ ही म.प्र. शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं महाविद्यालयीन सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला गया। सामुदायिक बैठकों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक विद्यार्थी का बारहवीं के बाद शत-प्रतिशत महाविद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी विद्यार्थी जानकारी के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इस अवसर पर संबंधित ग्राम पंचायतों के सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूहों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव 17 को, मतदान के साथ परिणाम की भी होगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव का बिगुल भी बज चुका है।जहां अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सचिव सहित संघ की नई कार्यकारिणी के लिए चुवाव होंगे इस चुनाव में किस्मत आजमाने की सोच रहे उम्मीदवार, मतदाता अधिवक्ताओं से पृथक तौर पर मुलाकात कर उन्हें अपने पक्ष में कर रहे हैं।तो वही उम्मीदवारों ने प्रचार प्रसार भी शुरू कर दिया है। इस चुनावी सरगर्मी के बीच जिला अधिवक्ता संघ का 2 वर्षीय कार्यकाल पूरा हो रहा है।जिसके चलते नई कार्यकारिणी के गठन के लिए संघ के चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है।जिसके अनुसार जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव 17 जनवरी को होगा और उसी दिन शाम को मतगणना कर चुनाव के परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। शुरू हुई इस चुनावी प्रक्रिया के पहले दिन 2 जनवरी को सुबह 11 से शाम 5 तक विभिन्न पदों के लिए फॉर्म का वितरण किया गया।जिसमें पहले ही दिन 17 पदों के लिए 37 उम्मीदवारों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर फॉर्म लिया है, तो वही फॉर्म लेने की यह प्रक्रिया 3 जनवरी शनिवार दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगी,सम्भावनाएं जताई जा रही है कि 17 पदों के लिए इस बार करीब 50 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरकर अपनी किस्मत आजमा सकते है। जिसकी संपूर्ण तैयारी निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम द्वारा पूर्ण कर ली गई है।

4 तक नामांकन, 5 को नामांकन वापसी का मौका, तो 6 को जारी की होंगी उम्मीदवारो की सूची

जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट की नई कार्यकारिणी के गठन और उनके दो वर्षीय कार्यकाल चुनाव के लिए बनाई गई निर्वाचन समिति के अनुसार ,नामांकन फार्म का वितरण 2 जनवरी से शुरू कर दिया गया है जो 3 जनवरी दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।वही नामांकन फॉर्म भरकर जमा करने की तिथि 3 और 4 जनवरी दोपहर 2 बजे तक रखी गई है। जहां दोपहर 2ः30 बजे से शाम 5 बजे के बीच प्राप्त नामांकन फार्म की जांच की जाएगी, तो वही 5 जनवरी को नामांकन पत्र वापसी का मौका सुबह 11 बजे से शाम 5बजे तक दिया जाएगा। इसके उपरांत शेष बचे उम्मीदवारों की सूची 6 जनवरी की दोपहर 12 बजे प्रकाशित कर दी जाएगी। जहां 6 से जनवरी से 16 जनवरी तक उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार का भरपूर मौका दिया जाएगा। तो वही 17 जनवरी की सुबह 9 बजे से दोपहर 3 तक नई कार्यकारिणी के 17 पदों के लिए मतदान कराया जाएगा।इसके तुरंत बाद प्राप्त मतों की गणना कर देर शाम चुनाव परिणाम जारी कर जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए बनाई गई निर्वाचन कार्यकारिणी के अनुसार 2 जनवरी शुक्रवार को जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए विभिन्न पदों पर खड़े होने वाले उम्मीदवारों ने नामांकन लिया है जहां 17 पदों के लिए पहले दिन करीब 37 लोगों को नामांकन फार्म का वितरण किया गया है। जिसमें अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के एक-एक पद के लिए, चार-चार उम्मीदवारों ने निर्वाचन अधिकारी से नामांकन फार्म प्राप्त किया है। तो वही ग्रंथपाल के एक पद के लिए 2 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र लिया है। इसी तरह सह-सचिव के 2 पदों के लिए 7 अधिवक्ताओ को नामांकन फार्म का वितरण किया गया है। तो वही कार्यकारिणी सदस्य के 10 पदों के लिए करीब 13 उम्मीदवारो ने फॉर्म नामांकन फार्म लिया है। बताया गया कि नामांकन फार्म का वितरण 3 जनवरी दोपहर 2 बजे तक किया जाना है,संभावना जताई जा रही है कि इन 17 पदों के लिए करीब 50 अधिवक्ताओं द्वारा नामांकन लिया जा सकता है।

चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी

बताया गया कि जिला अधिवक्ता संघ के 2 वर्षीय कार्यकाल के लिए होने वाले इस चुनाव की संपूर्ण जिम्मेदारी के लिए निर्वाचन टीम बनाया गया है।जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश नगपुरे को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। जिनके दिशा निर्देशन पर ही यह चुनावी प्रक्रिया शुरू की गई है और चुनाव संपन्न कराकर उन्हीं के निर्देशन में 17 जनवरी को नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। इस चुनाव को संपन्न करने के लिए निर्वाचन अधिकारी हरीश नगपुरे के साथ-साथ सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में अधिवक्ता प्रदीप सोनी,अधिवक्ता प्रशांत गिरी गोस्वामी , अधिवक्ता विकास श्रीवास्तव,अधिवक्ता वेणु शंकर परिमल और अजय बम्हे को भी निर्वाचन टीम में शामिल कर, शांतिपूर्ण तरीके से यह चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

17 जनवरी को घोषित होगी नई कार्यकारिणी -हरीश नगपुरे

जिलाअधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर की गई चर्चा के दौरान, निर्वाचन अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश नगपुरे ने चुनावी प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि 2 वर्षीय कार्यकाल के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके अनुसार 17 जनवरी को जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव होना है। जिसमें 600 से अधिक पंजीकृत अधिवक्ता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर, जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे।17 जनवरी की सुबह 9 बजे से मतदान प्रारंभ हो जाएगा।जो दोपहर 3 बजे तक चलेगा।जिसके 1 घण्टे बाद ही शाम 4 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी, वहीं देर शाम इस चुनाव के परिणाम जारी किए जाएंगे। इसके तुरंत बाद ही जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस चुनाव के लिए पहले ही दिन विभिन्न 17 पदों के लिए करीब 37 अधिवक्ताओं ने नामांकन फार्म लिया है।उन्होंने बताया कि पिछले चुनावो की भांति यह चुनाव भी शांति पूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा, जिसकी संपूर्ण तैयारियां पूरी कर ली गई है।

परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर आदित्य नारायण तिवारी ने कार्यभार संभाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदित्य नारायण तिवारी की परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर के पद पर आगामी आदेश तक के लिए बालाघाट में पद स्थापना की गई है। श्री तिवारी ने 02 जनवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में अपनी उपस्थिति देकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

03 जनवरी को पाथरगांव (लांजी) में प्रजापति महासम्मेलन में शामिल होंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 03 जनवरी को प्रात: 10 बजे अपने निवास पर आमजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगी इसके पश्चात वे दोपहर 01 बजे बालाघाट से लांजी के लिए प्रस्थान करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 02 बजे बाजार चौक पाथरगांव-लांजी में आयोजित प्रजापति (कुम्भार) समाज के महासम्मेलन में शामिल होंगी और अपराह्न 04 लांजी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

ग्राम पंचायत जागपुर में आयोजित सुंदरकांड सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नववर्ष की शुरुवात धार्मिक आस्था व भक्तिमय माहौल से करने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय से करीब 6 किमी दूर ग्राम पंचायत जागपुर में सुंदरकांड कार्यक्रम का आयोजन किया गया।हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में राम भक्त समिति छोटी कुमारी, बड़ी कुमारी के द्वारा सुंदरकांड की संगीतमय प्रस्तुति दी गई।जिसका देर रात समापन किया गया। इस दौरान समाजसेवी संतोष खरोले, रामगिरी गोस्वामी, कन्हैया लाल नागपुरे , प्रीतम बिसेन, भोज लाल बिसेन, शिवलाल खारोल, हरीश कुमार नगपुरे, गुड्डा उपवंशी, फुलेंद्र बागडे, श्याम सादक, श्याम लाल मसराम, चिन्तामण सहारे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। तो वही आयोजित कार्यक्रम का आनंद समस्त ग्रामवासियों ने लिया ।जहा सुंदरकांड के पश्चात महाप्रसाद का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

दस्तावेज गुम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं छाया पिता श्री तेजलाल निवासी ग्राम धारावासी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र. वर्तमान निवास ग्राम जाम, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट की निवासी हूँ। मेरा बी.एस.सी. नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर AI-47261; DII-46611 एवं जारी दिनांक 07/12/2021 है, कहीं गुम हो गया है। काफी खोजबीन के बाद भी उक्त दस्तावेज अप्राप्त है। यदि यह दस्तावेज किसी भी सज्जन को प्राप्त हो, तो कृपया नीचे दिये गये पते या मोबाइल नंबर पर सूचित करने का कष्ट करें।

प्रकाशक
छाया पिता तेजलाल
पता- ग्राम जाम, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)
संपर्क मोबाईल -7610255979, 6232731342

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/280 /अति.कले./वि.अधि./2025 बालाघाट दिनाक 28/11/2025

आम-सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अन्तर्गत विशेष विवाह हेतु आवेदकमण आवेदक लवलेश भारासागर उम्र 21 वर्ष पिता श्री दिलीप भारासागर जाति घसिया निवासी ग्राम व पोस्ट उकवा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट (म0प्र0) एवं आवेदिका गायत्री रौतेल उम्र 20 वर्ष, पिता श्री पुरूषोत्तम रौतेल निवासी ग्राम व पोस्ट उकवा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट (म0प्र0) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमे विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक 31/12/2025 को नियत की गई है।

अत: उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनाक 31/12/2025 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: 10:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि क पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

शिक्षकों की शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित करने के सख्त आदेश

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा : 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम बेहतर बनाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 02 जनवरी को जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी एवं बीईओ की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी कार्यों एवं योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुतला डामोर, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन, सहायक संचालक शिक्षा सीएस मरावी एवं नोडल कॉलेज के प्राध्यापक उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम शिक्षकों की ई-अटेंडेंस की विकासखंडवार समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि जिले में शिक्षकों की शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस लगाया जाना सुनिश्चित करें। ई-अटेंडेंस किस तरह से लगाना है इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ई-अटेंडेंस शिक्षक की पद स्थापना वाली शाला से ही लगाना है। यह नही होना चाहिए कि ई-अटेंडेंस लगाने के बाद शिक्षक शाला से गायब हो जाए और शाम को शाला बंद होने के समय आकर फिर से ई-अटेंडेंस से लागआउट हो जाए। यदि कहीं पर भी ऐसा होना पाया जाएगा तो संबंधित शिक्षक के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे हर दिन कम से कम 50 ई-अटेंडेंस की रेंडमली जांच करें। इसके साथ ही सभी बीईओ, बीआरसी एवं जन शिक्षकों को शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर कड़ी निगरानी रखने एवं मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जिले में लगभग 92 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस लगायी जा रही है।

छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि सभी पात्र विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति शत प्रतिशत शीघ्रता से स्वीकृत कर उन्हें राशि का भुगतान कराया जाए। स्वीकृति के अभाव में छात्रवृत्ति भुगतान में किसी भी तरह का विलंब नही होना चाहिए। जिन

विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेशन का कार्य शेष है उसे शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि प्रोफाइल अपडेशन के लिए आधार अपडेट, समग्र आईडी बनाना एवं जाति प्रमाण पत्र बनाना स्कूल की जिम्मेदारी रहेगी। छात्रवृत्ति के लिए अपार आईडी के प्रकरण बालाघाट, लांजी एवं खैरलांजी में अधिक संख्या में लंबित पाये जाने पर इन विकासखंड के बीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। एमपीटॉस पोर्टल पर छात्रवृत्ति के आवेदनों की शीघ्रता से एंट्री कर छात्रवृत्ति स्वीकृत करने के निर्देश दिये गए। एमपीटॉस पोर्टल के बंद रहने पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को विभागीय अधिकारियों से सम्पर्क कर पोर्टल चालू कराने के लिए कहा गया।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियो को सख्त निर्देश दिये कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक लाने के लिए कारगर प्रयास करें। जिन शालाओं में कोर्स पूर्ण नही हुआ है या बच्चें किसी विषय में कमजोर है तो उनके लिए अवकाश के दिनों में भी रेमेडियल क्लास लगायी जाए। रेमेडियल क्लास संबंधित विषय के शिक्षक द्वारा ली जाए और इसमें बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। सभी बीईओ को अपने विकासखंड की शालाओं में संचालित रेमेडियल क्लास का निरीक्षण नियमित रूप से करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, गणवेश वितरण एवं साईकिल वितरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि पाठ्यपुस्तकों का वितरण शत प्रतिशत हो गया है और साईकिल प्राप्त होते ही उनका वितरण किया जाएगा। बैठक में शाला त्यागी बच्चों के शाला में पुनः प्रवेश की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि कोई भी पात्र बच्चों शाला से बाहर नही रहना चाहिए। प्राथमिक शालाओं में बच्चों के पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाने के लिए उसकी सतत मानीटरिंग करने के निर्देश दिये गए। बैठक में जिला शिक्षा केंद्र के एपीसी एवं बिरसा के बीआरसी का कार्य संतोषजनक नही पाये जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ख़ौफ पैदा करने वाले गुंडों और आदतन अपराधियों का जुलूस निकाला

कोतवाली पुलिस की सख्ती का डंडा चला, तीन मामलों के आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली दो अलग-अलग घटनाओं में कोतवाली पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर शहर में जुलूस निकाला। दोनों मामलों में पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि शांति भंग करने वालों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। पहली घटना न्यू ईयर की रात की है, जब शराब के नशे में धुत आरोपियों ने एक ट्रैक्टर कंपनी में तैनात चौकीदार के साथ मारपीट की। यह पूरी वारदात मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। दूसरे मामले में एक आरोपी ने वार्ड में विवाद के दौरान तलवार लहराकर लोगों में भय का माहौल बना दिया। घटना से आक्रोशित वार्डवासियों ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। दोनों ही मामलों में आरोपियों पर संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें शहर में जुलूस के माध्यम से सार्वजनिक रूप से पेश किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नए साल की शाम नगर के वार्ड क्रमांक 3 में उस समय अफरा तफरी मच गई, जब नशे में धुत शोएब नामक युवक सरेआम हाथों में तलवार लहराते हुए वार्ड के 55 वर्षीय बुजुर्ग सलीम खान उर्फ भूरा भाई , पिता मरहूम वहाब खान से विवाद करने लगा। मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठी और आरोपी ने तलवार से हमला कर दिया, जिससे बुजुर्ग की उंगली में गंभीर चोट आई। घटना से आक्रोशित वार्डवासियों ने एकजुट होकर कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने वार्ड क्रमांक 3, ताज नगर निवासी आरोपी शोएब पिता नौशाद खान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान वार्डवासियों ने आरोपी को आदतन अपराधी बताते हुए पूर्व में भी उस पर कई प्रकरण दर्ज होने का आरोप लगाया और जिला बदर किए जाने की मांग को लेकर 1 जनवरी की रात करीब 8 बजे कोतवाली पुलिस को ज्ञापन सौंपा। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने 2 जनवरी को आरोपी शोएब का कोतवाली थाने से घटनास्थल वार्ड क्रमांक 3 तक पैदल जुलूस निकाला और बाद में उसे न्यायालय में पेश किया।

चौकीदार से मारपीट और तोड़फोड

31 दिसंबर की रात नगर के वार्ड क्रमांक 28 स्थित एक ट्रैक्टर एजंसी में चौकीदारी कर रहे संजय कावरे के साथ मारपीट और तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी । आरोप है कि विकास मेश्राम वार्ड क्रमांक 32, लक्की उर्फ पलाश दहाके भटेरा और दिलशाद उर्फ तैयब खान वार्ड क्रमांक 3 कंपनी परिसर में पहुंचे और बिना किसी कारण अश्लील गालियां देते हुए चौकीदार के साथ डंडों से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कंपनी में रखी कुर्सियां, मेज सहित अन्य सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पूरी घटना कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में आरोपी कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि घटना से पहले आरोपियों ने पास ही स्थित एक ढाबे में शराब का सेवन किया था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में देर रात तक शराबियों के जमावड़े और पुलिस की ढिलाई पर सवाल उठाए, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ने की बात कही गई। वायरल वीडियो के आधार पर कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। 2 जनवरी को पुलिस ने आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर, हनुमान चौक और अंबेडकर चौक होते हुए जुलूस के माध्यम से न्यायालय में पेश किया।

इन धाराओं पर हुई कार्यवाही

1 जनवरी को सलीम खान निवासी ताजनगर ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम करीब के समय शोहेब खान द्वारा इस्लामिया मस्जिद चौक के पास चाकू दिखाकर शराब पीने के लिए रूपये की मांग की गई। शराब के लिए रूपये देने से मना करने पर आरोपी ने अश्लील गालियां देते हुये मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 296 (बी), 115(2), 118(1), 119(1), 351(3) ब्हस् के तहत पंजीबद्ध कर आरोपी शोहेब उर्फ शोएब खान (उम्र 25 वर्ष) को गिरफ्तार कर चाकू जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व से चोरी, मारपीट, धमकी, आर्म्स एक्ट, गौवंश वध सहित कुल 15 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। दुसरे मामले में सरेखा ओवरब्रिज के नीचे आरोपी विकास मेश्राम निवासी ग्राम पाथरवाडा एवं लक्की उर्फ पलाश डहाके उम्र 27 वर्ष निवासी भटेरा चौकी बालाघाट रोड पर गाली-गलौज की जा रही थे, जिन्हें ड्यूटीरत् पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा समझाइश देने पर दोनों अत्यधिक उत्तेजित होकर लडने झगडने को तैयार थे जिन्हे तत्काल धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया। तीसरे मामले में जिला अस्पताल परिसर में आरोपी दिलशाद उर्फ कय्यूम खान (उम्र 26 वर्ष) निवासी ताजनगर बालाघाट द्वारा इलाज ठीक से न होने की बात कहकर अस्पताल परिसर में गाली-गलौज कर उत्पात मचाकर अस्पताल परिसर में मरीजों एवं आगंतुक को परेशान कर रहा था। जिसे थाना कोतवाली स्टाफ द्वारा समझाने के बावजूद झगडने को तैयार था। आरोपी के विरूद्ध धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया।

नव वर्ष पर नगर में निकाली गई हनुमान पालकी यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नए साल की शुरुआत बालाघाट में भक्तिभाव वातावरण के साथ की गई। जहां सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।जिंसमे स्थानीय लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इसी क्रम में एक जनवरी गुरुवार की रात, नगर में बजरंग सेना के तीन दिवसीय भगवान हनुमान उत्सव के तहत हनुमान जी की पालकी यात्रा निकाली गई। जो सिंधु भवन से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, मेनरोड से काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक होते हुए पुनः सिंधु भवन पहुंची। जहां पालकी यात्रा का समापन किया गया। बताया गया की आज 2 जनवरी को तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन पीड़ित मानवता के सेवार्थ रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बजरंग सेना और इच्छुक रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया। साथ ही भक्तों को महाप्रसाद (भंडारे) का वितरण, किया गया।

पिछले 2 वर्षो से शुरू की है गई प्रथा-यश

बजरंग सेना अध्यक्ष यश मंगलानी ने औपचारिक चर्चा बताया कि जहां लोग नववर्ष के स्वागत पर मांस और मदिरा का सेवन करते है, वहीं हमने युवाओं के साथ मिलकर नववर्ष के आगमन पर भक्तिमय आयोजन करने का प्रयास किया गया है और विगत दो वर्षो से यह निरंतर जारी है, इस वर्ष, सेना के आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। जिसमें जिसमें तीन दिवसीय आयोजन के तहत भगवान हनुमानजी की पालकी यात्रा निकाली गई है। इस दौरान युवा, हनुमान भक्ति में डूबकर झूमते रहे। तीन दिवसीय आयोजन में युवा संजय मंगलानी, साहिल आहुजा, अंशुल पेसवानी, हिमांशु दावड़ा, प्रथम क्षत्रिय, आकाश वरदानी, यश बिसेन, उपांशु बत्रा, चिराग केशवानी, गौतम अटलानी, तनिश पेसवानी, काव्या बत्रा, निकुंश सांवरे, त्रिभुवन नगपुरे सहित अन्य ने पीड़ित मानवता के सेवार्थ होने वाले रक्तदान और महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम में पहुँचने वाले भक्तों का आभार प्रकट कर,कार्यक्रम का समापन किया।

कायदी में आल इंडिया व्हालीवाल प्रतियोगिता 18 से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संजय व्हालीवॉल क्लब कायदी के द्वारा 4 दिवसीय ऑल इंडिया व्हालीवॉल टूर्नामेंट का आयोजन 18 से 21 जनवरी 2026 तक किया गया है। इस टूर्नामेंट मे जीआरसी कामठी, छत्तीसगढ पुलिस, डब्ल्यू सीआर जबलपुर, बिलासपुर रेल्वे, प्रयासगराज, गुजरात सांई, प्रयागराज, कर्नाटक एकेडमी, दिल्ली, सिकन्दराबाद रेल्वे, तमिलनाडू पुलिस की टीमों को आमंत्रित किया गया है। जो इस ग्राम कायदी के व्हालीवाल मैदान में अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन करेगे। इस संबंध में आयोजन समिति के अध्यक्ष व सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े ने बताया कि ग्राम पंचायत कायदी में पिछले 9 वर्षो से व्हालीवाल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 15 जनवरी से यह आयोजन होना था परंतु अपरिहार्य कारणो से टूर्नामेंट की तारिख में परिवर्तन कर 18 से 21 जनवरी रखा गया है। जिसमें 18 जनवरी को ओपन व्हॉलीवाल प्रतियोगिता होगी। इसमें अंतर जिला की टीमें खेलेगी। वहीं दूसरे दिन 19 से 21 जनवरी तक ऑल इंडिया व्हॉलीवाल टूर्नामेंट का आयोजन होगा। जिसमें प्रथम पुरूस्कार 33333 रूपये व शिल्ड तथा द्वितीय पुरूस्कार 22222 रूपये व शिल्ड प्रदान की जावेगी। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने जिले के खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

प्रकाश पर्व को लेकर निकाला गया नगर कीर्तन शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिख धर्म के दसवें गुरु साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व 5 जनवरी को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। प्रकाश पर्व के पूर्व शुक्रवार 2 जनवरी को गुरुद्वारा से नगर कीर्तन शोभायात्रा निकाली गई, जो हनुमान चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक, कालीपुतली चौक, अंबेडकर चौक होते हुए गोंदिया रोड से वापस गुरुद्वारा पहुंचकर संपन्न हुई। नगर कीर्तन के दौरान गुरुद्वारा परिसर में गुरु का लंगर भी आयोजित किया गया। नगर कीर्तन में सिख समुदाय के बच्चों व युवाओं द्वारा तलवार व लाठी घुमाकर आकर्षक कलाबाजियां प्रस्तुत की गईं। शोभायात्रा में पंज प्यारे पैदल चल रहे थे, जिनके आगे श्रद्धालुओं द्वारा मार्ग में पुष्पवर्षा की जा रही थी। महिलाओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के भजन व गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।

नगर कीर्तन में गोंदिया से आए जत्थे द्वारा हम चाकर गोविंद के शबद का भावपूर्ण कीर्तन प्रस्तुत किया गया, वहीं अमृतसर से आए वीरों द्वारा गतका एवं तवप्रसाद शस्त्र विद्या अखाड़ा का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। 3 जनवरी सुबह 8 बजे से अखंड पाठ साहिब की आरंभता सेवा सरदार रविंदर सिंह भाटिया परिवार द्वारा। दोपहर 2 से 5 बजे तक बच्चों द्वारा गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, त्याग और वीरता पर आधारित कार्यक्रम। 4 जनवरी- शाम 7 से 8 बजे तक साध संगत द्वारा शबद कीर्तन, रात 8 से 9 बजे तक बालाघाट के हुजूरी जत्था भाई मनप्रीत सिंह जी द्वारा शबद कीर्तन। रात्रि 9.30 से 10 बजे तक गुरु का लंगर। 5 जनवरी- सुबह 8.30 बजे अखंड पाठ साहिब की संपूर्णता। इसके पश्चात 10 से 11 बजे तक साध संगत द्वारा शबद कीर्तन, 11 से 12.30 बजे तक इंदौर से पधारे भाई अमृतपाल सिंह जी द्वारा विशेष शबद कीर्तन। दोपहर 1 से 1.30 बजे तक बलवीर कौर खंडूजा परिवार द्वारा गुरु का लंगर अर्पित किया जाएगा।

दुगलई जंगल में दबा था नक्सलियों का विस्फोटक

घोघरा नाला के पास नक्सली विस्फोटक जखीरा डेटोनेटर, जिलेटीन रॉड, पावडर आदि का डंप खोदा गया

एक्सप्रेस विशेष

पदमेश न्यूज़ / बालाघाट ।

आज सीआरपीएफ बटालियन 123 को नक्सल इलाके में एक और नक्सली डंप मिला है. यह आज सुबह 2 जनवरी की घटना है. सारे इलाके में डंप सर्च अभियान अभी भी जारी है।

गौरतलब है कि बालाघाट मध्यप्रदेश सरकार के मुताबिक बालाघाट जिला आधिकारिक रूप से नक्सल मुक्त हो गया है। लेकिन बालाघाट में तैनात सुरक्षा बल किसी भी तरह के नक्सली खतरे को अभी भी हल्के में नहीं ले रहा है।

मुखबिर की एक ख़बर पर आज यह कार्रवाई की गयी. ख़बर के अनुसार इसी सतर्कता का नतीजा है कि जिले के रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुगलई जंगल के घोघरा नाला के पास नक्सलियों द्वारा छिपाया गया विस्फोटकों का एक डंप बरामद किया गया है।

यह उल्लेखनीय है कि यह बरामदगी इस बात का स्पष्ट भी संकेत है कि माओवादी ने जंगलों में अपनी सक्रियता के दौरान भविष्य में बड़ी व हिसंक घटना को अंजाम देने का प्रीप्लान तैयार करके रखा था। जिसे अब बालाघाट में तैनात सुरक्षाबल के जवानो द्वारा निरंतर नेस्तनाबूत कर किया जा रहा है ।

अत्यंत संवेदनशील है दुगलई क्षेत्र

बताते हैँ कि खुफिया एजेंसी से प्राप्त सटीक पाइंट के आधार पर यह कार्रवाई की गई।कल ही यहां तैनात सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि अज्ञात माओवादियों ने दुगलाई वनक्षेत्र में एक संभावित बम और विस्फोटक सामग्री छिपा रखे हैं। यह इलाका आमानला कैंप से लगभग 1.6 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित है।पहले भी नक्सली गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता रहा है। जहां खुफिया अलर्ट मिलते ही 123 बटालियन के जवानों को शामिल करते हुए एक विशेष निगरानी और तलाशी अभियान की योजना बनाई गई। 02 जनवरी 2026 को सुबह 8.30 बजे जवानों ने रणनीतिक तरीके से जंगल में प्रवेश किया और पूरे इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया।

जवानो को विस्फोटक सामग्री मिली

इस सर्च के दौरान जंगल में जवानों को जमीन में छिपाकर रखी गई संदिग्ध सामग्री मिली। जिसे सावधानीपूर्वक तफ्तीश कर बाहर निकाला गया। जिसकी तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। जो बड़ी नक्सली साजिश का हिस्सा थी। यहां जवानों को मौके से 4 नग इलेक्ट्रोनिक डेटोनेटर, जिलेटीन राड,विस्फोटक पाउडर 375 ग्राम, 4 किलो एएनएफओ विस्फोटक, 5 नग फ्लैसिकबल ब्लास्टिंग वायर 40 फीट तांबे का तार 2 नग बैटरी 01 नग ड्रम लगभग 02 किलो कील, काली टोपी, 02 किलो कांच के टुकड़े और 02 टार्च बरामद हुए। इतनी मात्रा में विस्फोटक और उपकरण किसी बड़े हमले की तैयारी का हिस्सा हो सकते थे।

गौरतलब है कि इसके पूर्व भी सुरक्षा बल के जवानो को भगतपुर कुंआगोदी मार्ग के भजीपार जंगल के बीच नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया डंप मिला था। जिसमें लाखों रूपये नगद राशि भी शामिल थी। यह आत्मसमर्पित नक्सली दीपक चंदू की निशानदेही पर बरामद किया था।

डॉ.अंबेडकर की पवित्र अस्थियों का हुआ नगर आगमन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीमा कोरेगांव गांव शौर्य दिवस महोत्सव के अवसर पर जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर रमाई आंबेडकर परिसर भरवेली में, परम पूज्य बोधिसत्व डॉ भीमराव आंबेडकर जी की पवित्र अस्थियों को दर्शन के लिए लाया गया।इस अवसर पर सुबहा से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 10 बजे से भव्य बाइक रैली का आयोजन कर नगर भ्रमण कराया गया ।तो वही नगर स्थित डॉ आंबेडकर चौक में बाबा साहब आंबेडकर जी को वंदन करने के उपरांत बाबा साहब की पवित्र अस्थियों की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो रमाई आंबेडकर परिसर भरवेली पहुँची, उसके उपरांत दोपहर 1बजे से वंदनीय भिक्षु संघ,भदंत यश जी श्रीलंका, भदंत अश्वजीत जी नागपुर,भदंत धम्मशिखर जी बालाघाट, और भदंत संपजानों जी अरुणाचल प्रदेश द्वारा परित्राण एवं धम्मदेशना शाम 6 बजे तक दी गई।जिसके उपरांत रात 8 बजे से सामूहिक भोजन एवं संगीतमय समाज प्रबोधन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसके उपरांत रात्रि में कव्वाली का आयोजन किया गया।जिंसमे उपस्थित कव्वालों ने डॉ भीमराव अंबेडकर, व भिमाकोरेगांव की वीरगाथाओं का वर्णन कर सामाजिक बन्दुओ का मनोरंजन किया।इस दौरान भरवेली, बालाघाट सहित अन्य आसपास गांवो के बुद्ध आंबेडकर अनुयायी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी श्यामदास चौरे को दी गई विदाई

अस्पताल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभाकक्ष में शुक्रवार को विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे, सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी श्यामदास चौरे सहित अन्य चिकित्सकों की

उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस विदाई समारोह के अवसर पर उपस्थित चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी (वार्डबाय) श्यामदास चौरे का तिलकवंदन कर शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उ'जवल भविष्य की कामना कर विदाई दी गई। आपकों बता दे कि भांडामुर्री कंजई निवासी श्यामदास चौरे का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटंगी में 7 जुलाई 1992 को प्रथम नियुक्ति हुई थीं जहां अपनी तीन वर्ष तक सेवाएं देने के बाद स्थानांतरण होकर 8 अगस्त 1995 को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ हुए थे। जिसके बाद से वे लगातार लालबर्रा में वार्डबाय (स्वास्थ्यकर्मी) के पद पर रहते हुए अपनी सेवाएं दी है और 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर गत 31 दिसंबर को सेवानिृत्त हुए है। इस तरह से श्री चौरे 24 दिन, 5 माह 33 वर्ष स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दी है। शुक्रवार को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर स्वास्थ्यकर्मी (वार्डबाय) श्यामदास चौरे को विदाई दी गई। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी श्री चौरे के उ'जवल भविष्य की कामना करते हुए उनके द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की है। वहीं सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी श्यामदास चौरे ने कहा कि इस विभाग में सेवाएं देते हुए बहुत कुछ सीखने को भी मिला है और सभी चिकित्सक के निर्देश पर मैंने अपना काम पूरा काम ईमानदारी से किया है। इस अवसर पर चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

उपचुनाव परिणाम: श्यामलाल मानेश्वर बने ग्राम पंचायत रमपुरी के नये सरपंच

अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संतलाल शेंडे को 11 मतों से दी मात, समर्थकों ने हर्ष व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में रिक्त पंच, सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों के पदों के लिए 31 दिसंबर को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ एवं 2 जनवरी को मतगणना कर परिणाम घोषित किया गया है जिसके साथ ही उपचुनाव की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रमपुरी में सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया। इस उपचुनाव के कड़े मुकाबले के बीच श्यामलाल मानेश्वर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संतलाल शेंडे को 11 मतों से पराजित कर विजय श्री हासिल की है। जिसमें श्यामलाल मानेश्वर को 514 एवं संतलाल शेंडे को 503 मत मिले है। वहीं उपचुनाव में श्यामलाल मानेश्वर के सरपंच बनने के बाद समर्थकों के द्वारा ग्राम में विजय जुलूस भी निकाला गया। इस विजय जुलूस में ग्रामीणजनों ने श्री मानेश्वर को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं प्रेषित की। वहीं नवनियुक्त सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने मतदाताओं से भेंट कर चुनाव में मिले सहयोग के लिए सभी का आभार जताया और कहा कि सभी को शासन की योजना का लाभ दिलवाने एवं पंचायत क्षेत्र का विकास किये जाने आश्वास्त किया है। आपकों बता दें

कि रमपुरी सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में कुल तीन उम्मीद्वारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया था और 2 जनवरी को जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा में प्रात: 8 बजे से मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच प्रारंभ हुई। निर्वाचन अधिकारियों और उम्मीद्वारों के अभिकर्ताओं की उपस्थिति में मतों की गिनती की गई। जैसे-जैसे राउंड पूरे हुए, मुकाबला बेहद दिलचस्प होता गया एवं अंतत: परिणामों की घोषणा के साथ ही श्यामलाल मानेश्वर को आधिकारिक रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया। मतगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार प्रथम श्यामलाल मानेश्वर विजेता (11 मतों से विजयी) एवं द्वितीय संतलाल शेंडे निकटतम प्रतिद्वंद्वी और बाबूलाल डेहरे तीसरे स्थान पर रहे।

समर्थकों में हर्ष का माहौल

श्यामलाल मानेश्वर की जीत की घोषणा होते ही जनपद कार्यालय के बाहर मौजूद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। नवनिर्वाचित सरपंच को जीत का प्रमाण पत्र रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार के द्वारा सौंपा गया। वहीं अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए नवनियुक्त सरपंच श्री मानेश्वर ने कहा कि यह ग्रामवासियों के विश्वास की जीत है और वे पंचायत के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करेंगे। वहीं प्रशासनिक स्तर पर मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस बल और राजस्व विभाग के अधिकारी तैनात रहे। निर्वाचन नियमों का पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ पूर्ण की गई।

पुरानी हार को जीत में बदला

वर्ष 2022-23 में संपन्न हुए त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में श्यामलाल मानेश्वर ने कड़ा संघर्ष किया था। उस समय वे निर्वाचित सरपंच कन्हैयालाल राहंगडाले के निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे थे। वहीं सरपंची के करीब 3 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के बाद कन्हैया राहंगडाले का शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर नियुक्त हो जाने के बाद उन्होने सरपंच पद से इस्तीफा दे दिये थे। जिसके बाद से रमपुरी पंचायत में सरपंच का पद रिक्त हो गया था। वहीं सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में जनता ने एक बार फिर श्री मानेश्वर पर भरोसा जताया है। वहीं 2 जनवरी को जनपद पंचायत कार्यालय में हुई मतगणना में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी संतलाल शेंडे को 11 मतों के अंतर से पटखनी दी है। इस तरह से श्री श्यामलाल मानेश्वर ने सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में पुरानी हार को जीत में बदल दिया है। जिसके बाद से उनके समर्थकों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

योजनाओं का लाभ दिलवाना एवं विकास करना पहली प्राथमिकता है- श्यामलाल

रमपुरी के नवनिर्वाचित सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने बताया मेरे द्वारा लगातार वर्ष 2000 से पंचायत चुनाव में प्रयास किये जा रहे थे और यह मेरा तीसरा चुनाव था। जिसमें मुझे जनता ने आशीर्वाद देकर सरपंच निर्वाचित किया है जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। इस उपचुनाव में मुझे 11 मतों से विजय श्री प्राप्त हुई है। श्री मानेश्वर ने बताया कि मेरा मुख्य उद्देश्य विकास कार्यों को गति देना, गांव के मूलभूत सुविधाओं के साथ ही स्वच्छता, बिजली, पानी सहित शासन की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाया जायेगा और पंचायत बाडी के साथ मिलकर ग्राम का चहुमुंखी विकास करना पहली प्राथमिकता है।

मतगणना के साथ संपन्न हुए उपचुनाव - खिलेन्द्र

सहायक रिटर्निंग अधिकारी खिलेंद्र सोनवंशी ने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायत उपचुनाव के तहत ग्राम पंचायत रमपुरी में सरपंच पद रिक्त था। जिसके लिए 31 दिसंबर को मतदान संपन्न हुआ, जिसकी मतगणना 2 जनवरी को जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा में की गई। साथ ही यह भी बताया कि मतगणना के लिए जिला निर्वाचन द्वारा टीम गठित की गई थी। जिनके द्वारा शुक्रवार को प्रात: 8 बजे से मतगणना की गई। श्री सोनवंशी ने बताया कि रमपुरी में दो बूथ पर चुनाव संपन्न हुए थे और सरपंच पद के लिए तीन उम्मीद्वार थे। जिसमें श्यामलाल मानेश्वर को 514 मत मिले है, संतलाल शेंडे को 503 मत एवं बाबूलाल डेहरे को 24 मत प्राप्त हुए है, इस तरह से श्यामलाल मानेश्वर 11 मतों से विजयी हुए। परिणाम घोषित होने के बाद श्री मानेश्वर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया

मोहगांव ध. के ग्रीन हाउस स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित ग्रीन हाउस इंग्लिस मीडियम स्कूल में गत दिवस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, छू लोक आसमान की संचालक साक्षी लोकेश लिल्हारे के मुख्य आतिथ्य एवं बीआरसी श्रीराम तुरकर की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीएसटी कमिश्नर श्री लिल्हारे के हस्ते स्कूल में नि:शुल्क कम्प्यूटर लेब का शुभारंभ किया गया एवं श्री लिल्हारे का केक काटकर जन्मदिन भी मनाया गया। जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें स्कूल के ब'चों ने गीत, भाषण, नाटक एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुती दिये। जिसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चें एवं बोर्ड व स्थानीय परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने बच्चों को कहानी के माध्यम से मोटिवेट किया और लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर सफलता प्राप्त करने की बात कही। स्कूल के प्राचार्य डॉ. सोमालाल बघेले ने उपस्थित अतिथियों का आभार प्रदर्शन कर स्कूल की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाते हुए बच्चों को अच्छी पढ़ाई करने प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती पुष्पलता बघेले, राधे नगपुरे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामीणजन एवं बच्चें उपस्थित रहे।

कालेज के दो पहलवान अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए चंडीगढ़ हुए रवाना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के दो छात्र अनुराग बारमाटे (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं शुभम बाहेश्वर (बी.ए. तृतीय वर्ष) का

अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय कुश्ती (पुरूष) प्रतियोगिता में चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी शुक्रवार को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय (कुश्ती) प्रतियोगिता खेलने के लिए चण्डीगढ़ के लिए रवाना हुए है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश भर के विश्वविद्यालयों के उत्कृष्ट पहलवान भाग लेगें। महाविद्यालय परिवार को विश्वास है, कि अनुराग एवं शुभम अपने प्रतिभा, मेहनत एवं अनुशासन के बल पर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार ने दोनों खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है। वहीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय (कुश्ती) प्रतियोगिता में दो छात्रों का चयन होने पर लालबर्रा महाविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गर्ववांवित हुआ है।

औल्याकन्हार में दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट आज से

पुरूष और महिला वर्ग में होगें रोमांचक मुकाबले, गौरव मेला बनेगा आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने और खेल संस्कृति को नई दिशा देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के खेल मैदान में औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के तत्वाधान में 3 जनवरी से दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। साथ ही टूर्नामेंट के साथ-साथ आयोजित होने वाला ग्राम गौरव मेला ग्रामीण संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन की रंगीन झलक पेश करेगा। वहीं आयोजित न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का आयोजन पुरूष एवं महिला वर्ग में किया जा रहा है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का 3 जनवरी को शुभारंभ किया जायेगा और 4 जनवरी को फाइनल खेल के साथ समापन किया जायेगा। वहीं इस टूर्नामेंट के साथ ही गौरव मेला का भी आयोजन किया गया है। आगे बताया कि आयोजित टूर्नामेंट में पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 15,000 रूपये एवं द्वितीय पुरस्कार 10,000

रूपये निर्धारित किया गया है। वहीं महिला वर्ग की विजेता टीम को 7000 रूपये तथा उपविजेता टीम को 5000 रूपये का पुरस्कार दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु बेस्ट लिफ्टर, बेस्ट अटैकर एवं बेस्ट ऑलराउंडर जैसे विशेष व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किये जायेगें। साथ ही प्रवेश शुल्क 151 रूपये रखा गया है। आगे बताया कि व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट के साथ आयोजित ग्राम गौरव मेला यह आयोजन का प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहेगा। वहीं मेले में ग्रामीण संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक जीवन की सुंदर झलक देखने को मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मेले का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन समिति, ग्राम पंचायत एवं क्षेत्रीय सहयोग से टूर्नामेंट और मेले की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। खेल मैदान, दर्शक दीर्घा, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। आयोजकों ने खेलप्रेमियों और ग्रामीणजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव को सफल बनाये। इस अवसर पर व्हॉलीवॉल टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं क्षेत्रीयजनों से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

कनकी, बिरसोला, गर्रा और टेंगनीकला पंचायत में महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने ली बैठक

बैठक में ग्रामीणों से संवाद कर कालेज चलो अभियान के बारे में दी जानकारियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चौरे के संयोजन में कॉलेज चलों अभियान चलाया जा रहा है। महाविद्यालय द्वारा इस अभियान के तहत क्षेत्र के शासकीय/अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में सम्पर्क के साथ ही ग्राम पंचायतों में बैठक कर समुदायों एवं ग्रामीणों के साथ भी सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 2 जनवरी को शासकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. त्रषिकेश पटेल, नितेश कुमार, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा के द्वारा ग्राम पंचायत गर्रा, कनकी, बिरसोला और टेंगनीकला में बैठक कर ग्रामीणों से संवाद कर कॉलेज चलो अभियान की जानकारी प्रदान कर जो विद्यार्थी कक्षा 12 वीं में है, वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण होते है तो उन्हे महाविद्यालय में प्रवेश दिलवाने प्रेरित किया गया। वहीं आयोजित चार पंचायत की बैठक में उपस्थितजनों को महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया। साथ ही कॅरियर काउंसलिग करते हुए विद्यार्थियों को कॅरियर के अवसरों की जानकारी, परीक्षा की तैयारियों, नैतिक शिक्षा, उच्च शिक्षा अध्ययन, रोजगार अवसरों एवं कौशल आधारित शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। केन्द्र तथा

राज्य सरकार एवं अन्य विभागों की छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन योजनाओं एवं नि:शुल्क सहायता योजनाओं एवं म.प्र. शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, महाविद्यालयीन सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। वहीं सामुदायिक बैठको का उद्देश्य है कि क्षेत्र में विद्यार्थियों का बारहवीं के बाद महाविद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश हो एवं कोई विद्यार्थी जानकारी के अभाव में प्रवेश से वंचित न रहे सके। कॉलेज चलो अभियान के इस कार्यक्रम में संबंधित ग्राम पंचायतों के सदस्यों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, स्वसहायता समूह के सदस्यों सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव में सरपंच पद पर विजयीश्री प्राप्त करने पर नवनिर्वाचित सरपंच
श्यामलाल मानेश्वर जी
को
अनंत शुभकामनाएं

नवनिर्वाचित सरपंच
श्यामलाल मानेश्वर
ग्राम पंचायत रमपुरी

विनीत ________

समस्त इष्टमित्रगण व शुभचिंतक
ग्राम पंचायत रमपुरी

आस-पास की खबरे

भागवत कथा हमें जीवन जीने की शैली सिखाती है- विवेक

ग्राम मदनपुर में भागवत कथा का समापन हुआ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर में श्री संगीतमय भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक विवेक पटेल ने वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचिक प्रियंका किशोरी का आर्शीवाद

प्राप्त किया । वहीं कथा वाचिका ने भगवान श्रीराम और शिव.माता पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए कहा की माता पार्वती ने राजा हिमालय के यहां जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ को मानती थीं इसलिए भोलेबाबा का विवाह पार्वती के साथ हुआ । कथा के दौरान श्रद्धांलुगण भी धार्मिक भजनो पर नृत्य करते रहें जिसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद सजीव झाँकिया भी सजाई गई थीं जो आकर्षण का केंद्र रही। विधायक विवेक पटेल ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेले का माहौल चल रहा है उसके बाद भी ग्राम मदनपुर में भागवत कथा के माध्यम से ज्ञान की गंगा बह रही है। ग्राम मदनपुर पूरा भक्तिमय हो गया है हमारे क्षेत्र में बारिश के समय कुछ गांव में बाढ़ भी आ जाती है ,जिससे किसानो की फसले खराब हो जाती है फिर भी किसान दुबारा मेहनत करके उस फसलो को उगता है और अपने परिवार का जीवन यापन करता है। फिर भी सरकार किसानों की मेहनत का दाम नहीं दे पाती है, ग्राम में भागवत करना और भागवत सुनना यह बहुत किस्मत की बात होती है जो जैसा कर्म करेगा उसे वैसा फल मिलेगा। इसलिए दूसरों के बारे में अच्छा सोचे, अच्छा करें, अच्छे इंसान बने,भागवत हमें जीवन जीने की शैली सिखाती है। हमारे क्षेत्र में बहुत ग्राम पंचायत में शराब बिकना बंद हो गई है नशा बेचने और नशा फैलाने वालों से हमेशा दूर रहे। यदि सृष्टि में अधर्मी अहंकारी कंस का जन्म हुआ है तो उसका अंत करने के लिए भगवान कृष्ण का अवतार हुआ है । अगर आप दिल और मन से शिव भगवान को आकर्षित करने लगेंगे तो निश्चित ही भगवान शिव आपकी मनोकामना जरूर पूरी करेंगे। बड़ी से बड़ी विपत्ती कष्ट भोलेनाथ दूर करेंगे शंब्दो से प्रेरणा देने वाला हर कोई मिल जायेगा। पर अपने व्यहारो और अपने आचरणों से प्रेरणा देने की कोशिश करनी चाहिए हम जो दुसरो को सिखाते है वह हमें भी ग्रहण करना चाहिए

आलेझरी कायदी ढूटी नहर किनारे मनोज नेवारे का शव मिला

जहरीली कच्ची शराब पीने से मौत होने की जताई जा रही आशंका

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत आलेझरी से कायदी ढूटी नहर की पार किनारे खेत नाली में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से पूरे ग्राम में सनसनी फैल गई। जिसकी शिनाख्त मनोज पिता सूरजलाल नेवारे उम्र 40 वर्ष ग्राम आलेझरी वार्ड नं. 12 निवासी के रूप में की गई। जिसमें मौके पर पुलिस के द्वारा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर मामले में मार्ग कम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। इसमें बताया जा रहा है कि मनोज के द्वारा 1 जनवरी को हाथ भट्टी क'ची महुआ शराब पी गई थी जिससे उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले में ग्रामीणों के द्वारा पुलिस विभाग और आबकारी विभाग पर आक्रोश व्यक्त कर रहे है कि प्रशासन के नाक के नीचे कच्ची शरबा का गोरखधंधा चल रहा है इसके पहले भी ग्रामीणों के द्वारा कच्ची शराब के खिलाफ में कई बार शिकायत करने के बाद भी कच्ची शराब पर अंकुश नही लगाया गया है और अभी तक कार्यवाही नही हुई है। ग्रामीणों के द्वारा विस्तृत जांच कर संबंधित शराब विक्रेता पर अपराध दर्ज करने की मांग की जा रही है।

1 जनवरी की सुबह से लापता था मनोज नेवारे

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज पिता सूरजलाल नेवारे उम्र 40 वर्ष आलेझरी वार्ड नं. 12 में निवास करता था। जो अपने मकान में अपनी पत्नी और 4 ब' चों के साथ रहकर खेती किसानी करके जीवन व्यापन करता था। जो प्रतिदिन की तरह 1 जनवरी की सुबह अपने घर में खेत जाने की बात कह कर निकाला था। जो देर रात तक घर नहीं पहुंचा इसके बाद परिजनों के द्वारा आसपास पतासाजी की गई परंतु कहीं भी उसका कोई पता नहीं चल पाया। तो वहीं उसके भाई विनोद के द्वारा भी ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों सहित रिश्तेदारी में पता किया जहां जानकारी नही लगने पर सुबह आ जाएगा कहकर सभी घर में सो गए। सुबह फिर विनोद अपने भाई को ढूंढने निकला तो देखा कि ढूटी घाट से कायदी होते हुए आलेझरी नहर आती है वहां ढूंढते हुए ग्रामीण के साथ आ रहा था। तभी देखा कि नहर की पार किनारे खेत नाली में उसका भाई बेशुध अवस्था में पड़ा हुआ है जिसे पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो गई थी। जिसकी सूचना उसके द्वारा ग्रामीणों सहित पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस के द्वारा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाया गया। जहां शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया तो वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

मृतक मेरा बड़ा भाई है जो शराब पीने का आदि था-विनोद

मृतक का छोटा भाई विनोद नेवारे ने बताया कि यह मेरे बड़े भाई है सुबह घर से खेत जाने के लिए निकले थे। यह रात तक आए नहीं तो सुबह मैं ढूंढने के लिए निकल गया तो यहां पर मिले। 1 जनवरी की दोपहर करीब 12 बजे घर से निकले थे रात में रास्ते में कोई दोस्त भाई मिल गया होगा तो उसके साथ गए यह सोचकर आज पड़ोस में ढूंढा बाकी कुछ किया नहीं। सुबह इधर.उधर घूमने के बाद में नहर पर आया तो देखा की साइकिल खड़ी थी जो मैं पहचान गया और आकर देखा तो बाजू खेत नाली में यह पड़े थे। इसके बाद मैं गांव में जाकर यह जानकारी लोगों को दी शराब पीने के बाद ही यह हुआ होगा इनका किसी से झगड़ा या विवाद नहीं है। उनकी तीन बेटी एक बेटा और पत्नी है जिनके साथ रहते थे और एक ही घर में मैं भी अलग अपने माता पिता के साथ रहता हूं।

पुलिस और आबकारी विभाग के संरक्षण में बिकती है ग्राम में क'ची शराब-जितेंद्र

जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मनोज नेवारे किसान है जो खेत में काम करने गया हुआ था। यहां आस पास में महुआ की क'ची शराब बिकती है उसमें यूरिया खाद मिलाया जाता है रासायनिक खाद से यह शराब बनाई जाती है। वह शराब पीने से ही उसकी मौत हुई है इसकी सूचना हमारे द्वारा कई बार पुलिस और आबकारी विभाग को दी गई है किंतु शराब इनके संरक्षण में बिकती है। शासन प्रशासन को समझना चाहियें की कच्ची शराब के सेवन से इसके पहले भी कई लोगो की मौत हो चुकी है। श्री राजपूत ने बताया कि प्रशासन के नाक के नीचे जहरीली शराब बिक रही है तो इन्होंने तो पूछना चाहिए कि किसी व्यक्ति के घर शराब पिया था और शराब बेचने वालों पर हत्या का प्रकरण दर्ज होना चाहिए। यह अवैध जहरीली शराब का प्रकरण है कल यहां पर कुछ लोगों ने इसे शराब पीकर बैठा हुआ देखे थे जो देर रात तक घर नहीं आया तो सुबह यहां मिला। पुलिस शराब विक्रेताओं से पूछताछ कर हत्या का प्रकरण दर्ज करें यही हमारी मांग है।

इनका कहना हैं

नहर किनारे शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां मनोज नेवारे मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। जिसमें परिजनों ने बताया कि वह खेत जाने के लिए घर से एक दिन पहले निकला था वही शराब पीने का भी आदि था। हालांकि अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

पवन यादव
प्रभारी थाना प्रभारी वारासिवनी

भाजपा रामपायली मंडल की आवश्यक बैठक मोहगांव में संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शुक्रवार को भाजपा रामपायली मंडल के अंतर्गत ग्राम मोहगांव में शक्ति केन्द क्रंमाक्र तीन की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल, एसआईआर मंडल प्रभारी अखिलेश चौरे ,बीएलए वन प्रबल जायसवाल, मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ने कार्यकर्ताओं को मतदाता सुची विशेष गहन पुनरीक्षण दुसरे चरण के अंतर्गत जिला संगठन से मिले निर्देश अनुरूप कार्य करने के लिये उत्साहित किया। बैठक में प्रदीप जायसवाल ने शक्ति केन्द्र प्रभारी व बूथ अध्यक्षो, बीएलए टू, बूथ महामंत्रीयों को निर्देश देते हुये कहा की नयी मतदाता सूची का अवलोकन कर नये मतदाताओं के नाम को जोडने के दायित्व को बेहद गंभीरता से निभाकर अपने दायित्वो की पूर्ति करें। मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ने कहा की उनके मंडल के सभी पदाधिकारी दूसरे चरण में भी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन जवाबदेही के साथ कर रहे है। सभी की सोच अपने अपने बूथो को मजबूत कर भाजपा को मजबूत कर आने वाले प्रत्येक चूनाव में विजयश्री दिलवाना है। हम अगर अपने अपने बूथ ही जीत लेंगे तो किसी भी चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में नजर आयेंगे। इस दौरान फागुलाल मरठे सरपंच, मिथलेश दमाहे, रविन्द्र हनवत सोनझरा सरंपच, परमानंद येरपूडे, पीतम शरणागत, राधेश्याम कावरे, धनेश्वर दमाहे, छाया शरणागत, वंदना बारेकर, बलिराम बाहे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्राम चंगेरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चंगेरा की जनता ने बहुत आशीर्वाद दिया चुनाव जीतने के बाद चंगेरा की जनता ने मुझे जो भी

काम बताया मैने उस काम को पूरा करने प्रयास किया । अब नववर्ष में मुझे आप लोगों के सहयोग से और काम करने की दुगुनी ताकत मिलेगी। मैं प्रयास कर रहा हुं हर गांव को शहर से जोड़ा जाए कही भी क'ची सड़क ना रहे। बारिश में किसी को भी परेशानी ना हो,जर्जर सड़कों को सुधारने का काम चल रहा है । वहीं कुछ नवीन सड़को को बनवाने का प्रस्ताव मेरे द्वारा शासन को भेजा है और बहुत जल्द काम भी शुरू हो जाएगा। यह उद्बोधन विधायक विवेक पटेल ने ग्राम चंगेरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से कही। इस दौरान डोंगरमाली ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत,सरपंच गौस अली खान, राजकुमार चौधरी, लिखीराम जमरे,रजनीश गराडे,मनीष धुवारें, ज्ञानीराम लाड़े,राजेश वरकड़े, मनोज जमरे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

दीपज्योति कलश यात्रा का हुआ वारासिवनी नगरागमन

यात्रा ने विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र का किया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में 2 जनवरी को गायत्री परिवार के तत्वाधान में दीप ज्योति कलश यात्रा का आगमन हुआ। यह यात्रा के द्वारा वारासिवनी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर का भ्रमण कर सिकंद्रा में महाद्वीप यज्ञ संपन्न किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गायत्री परिवार के संस्थापक गुरुदेव के द्वारा दीप जो प्रज्वलित किया गया था वही माता के जन्म के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस प्रकार करीब चार विषय के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से दीप 'योति कलश यात्रा विश्व भ्रमण के लिए निकाली गई है। इस माध्यम से विश्व में गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष का संदेश दिया जा रहा है। इसी के तहत एक दीप ज्योति कलश यात्रा विभिन्न जिलों और ग्रामों का भ्रमण करते हुए बालाघाट पहुंची थी। जो 1 जनवरी को वारासिवनी पहुंची जहां विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर 2 जनवरी की शाम करीब 5 बजे नगर में पहुंची। जिसके द्वारा नगर के दीनदयाल चौक ,जय स्तंभ चौक ,बस स्टैंड ,नेहरू चौक ,आंबेडकर चौक, गोलीबारी चौक सहित विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण किया गया। तत्पश्चात यात्रा ग्राम पंचायत सिकंद्रा में पहुंची जहां महाद्वीप यज्ञ आयोजित किया गया । जो विधि विधान अनुसार पूर्ण कर रात्रि विश्राम किया गया। यह यात्रा के द्वारा आगामी दो दिनों तक वारासिवनी के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र का भी भ्रमण किया जाएगा। जिसे हर ग्राम में ले जाने का लक्ष्य गायत्री परिवार के द्वारा रखा गया है। जी एस बिसेन ने बताया कि वारासिवनी में दीप ज्योति कलश यात्रा का आगमन हुआ है जो दीप गुरुदेव द्वारा प्रज्वलित किया गया था । वह 2026 में शताब्दी वर्ष पूर्ण कर रहा है तो वहीं माता का जन्म भी 100 वर्ष पहले हुआ था इस प्रकार चार विषय है जो शताब्दी वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। जिसको लेकर यह शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है और इसके लिए दीप ज्योति कलश यात्रा भारत ही नहीं पूरे विश्व में निकाली जा रही है। यह अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से निकली थी बालाघाट से यह डोंगरिया में हमें प्राप्त हुई। इसके बाद एकोड़ी ,भांडी ,पिपरिया, रेंगाटोला ,जागपुर सहित दर्जनों ग्राम का भ्रमण करते हुए आज नगर पहुंचे हैं। जहां पूरे शहर का भ्रमण कर शाम 7 बजे सिकंद्रा में महाद्वीप यज्ञ कर विश्राम किया जाएगा और कल पुनः बुदबूदा ,बोदलकसा ,कौलीवाडा का भ्रमण कर रात्रि विश्राम होगा। वहीं 4 जनवरी को पद यात्रा में यह यात्रा शामिल होकर रामपायली में दोपहर 2 बजे तक रहेगी। उसके बाद दूसरे क्षेत्र के लिए निकल जाएगी।

झालीवाड़ा में उमेश्वरी देशमुख व कचेखनी में रंजीत चौहान सरपंच निर्वाचित

पंचायत निर्वाचन सरपंच मतगणना संपन्न विजेता प्रत्याशी को दिया प्रमाण पत्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा एवं कचेखनी के सरपंच चुनाव का परिणाम 2 जनवरी को मतगणना कर घोषित किया गया। यह मतगणना तहसील कार्यालय वारासिवनी के सभा कक्ष वही जनपद पंचायत खैरलांजी में की गई। जहां सुबह 8 बजे विधिवत कार्यवाही कर स्ट्रांग रूम से मत पेटी निकालकर मतगणना प्रारंभ की गई। जिसमें ग्राम पंचायत झालीवाड़ा से प्रत्याशी उमेश्वरी देशमुख एवं कचेखनी से प्रत्याशी रंजीत उर्फ परमानंद चौहान को विजयश्री हासिल की जिन्हें मौके पर उपस्थित अधिकारियों के द्वारा प्रमाण पत्र देकर पंचायत निर्वाचन में विजयी घोषित किया गया।

46 मतों से उमेश्वरी देशमुख ने की जीत हासिल

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत 60 ग्राम पंचायत में केवल झालीवाड़ा ग्राम पंचायत में सरपंच पद रिक्त था। जहां पंचायत निर्वाचन की अधिसूचना जारी की गई थी जिसमें सरपंच पद के लिए पूर्व सरपंच श्रीमती अनुसया अशोक बाबा शरणागत एवं श्रीमती उमेश्वरी देशमुख के द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर निर्वाचन में भाग लिया था। जहां 29 दिसंबर को निर्वाचन आयोग के द्वारा चार मतदान केंद्र स्थापित कर मतदान करवाया गया। जहां 2833 मतदाताओं में 2160 मतदाताओं ने मतदान किया था। इसकी मतगणना 2 जनवरी को तहसील कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई। जहां तहसीलदार रिटर्निंग अधिकारी वंदना कुशराम ,बीपीओ सहायक रिटर्निंग अधिकारी इरफान अहमद खान, सेक्टर ऑफिसर तीरथ प्रसाद अक्षरिया सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में मतगणना प्रारंभ की गई। जिसमें श्रीमती अनुसया अशोक बाबा शरणागत को 1045 मत प्राप्त हुए तो वहीं श्रीमती उमेश्वरी देशमुख को 1091 मत प्राप्त हुए वहीं नोट पर 24 मत गिरे। जहां उपस्थित अधिकारियों के द्वारा बहुमत के आधार पर श्रीमती उमेश्वरी देशमुख को 46 मतों से विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र दिया गया।

रंजीत चौहान ने 724 मत किया प्राप्त

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कचेखनी के सरपंच की मौत होने के बाद सरपंच पद रिक्त था। जहां निर्वाचन अधिसूचना जारी होने पर सरपंच पद के लिए तीन आवेदक रमेश

घरडे ,रंजीत चौहान ,ताराचंद सुखदेवे के द्वारा नाम निर्देशन पत्र भर गया। जहां मतदान के दिन कुल मतदाता 2129 में से 1666 मतदाताओं के द्वारा ग्राम के तीन मतदान केंद्रो में उपस्थित होकर अपना मतदान किया गया। इसके बाद 2 जनवरी को जनपद पंचायत खैरलांजी में मतगणना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां तहसीलदार रिटर्निंग अधिकारी छवि पंथ ,सहायक रिटर्निंग अधिकारी बीपीओ अनिल मेश्राम सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में मतगणना प्रारंभ की गई। जिसमें रमेश फूलचंद घरडे ने 575 मत प्राप्त हुए ,वही रंजीत उर्फ परमानंद पिता गोविंद चौहान को 724 मत प्राप्त हुए ,ताराचंद सुखदेवे ने 356 मत प्राप्त हुए वहीं नोटा पर 11 मत गिरे। जहां उपस्थित अधिकारियों के द्वारा रंजीत उर्फ परमानंद पिता गोविंद चौहान को बहुमत के आधार पर 149 मतों से विजय घोषित कर प्रमाण पत्र दिया गया।

मतगणना से ग्राम तक जमकर उड़ा गुलाल

वारासिवनी के तहसील कार्यालय एवं खैरलाँजी के जनपद पंचायत भवन में मतगणना आयोजित थी। जहां सुबह 7 बजे से झालीवाड़ा और कचेखनी के प्रत्याशी और मतदाता उपस्थित होकर बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान सभी प्रत्याशियों के चेहरे पर खुशी और माथे पर चिंता की लकीरें दोनों आसानी से देखी जा रही थी। इसी बीच 8 बजे मतगणना चालू हुई और करीब 9 बजे तक परिणाम घोषित हो गए। जहां कार्यालय के बाहर परिणाम घोषित होते ही हवा में गुलाल उड़ने लगा तो वही एक दूसरे के चेहरे पर माला जाने लगा। इसी बीच अधिकारियों के द्वारा निर्वाचित प्रत्याशी को प्रमाण पत्र दिया गया। तत्पश्चात् प्रत्याशी ग्रामीणों के साथ अपने ग्राम पहुंचे जहां डीजे के माध्यम से रैली निकालकर जमकर हवा में गुलाल उड़ाया गया एक दूसरे को लगाया

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

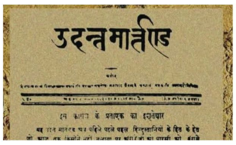

...और उनका पानी मर गया!!

वह अपने आप में विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था। सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है। यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का ? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सभी स्तर पर सजगता और जिम्मेदारी की जरूरत है।

विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता। सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है। मगर इस दावे की हकीकत अक्सर सामने आती रहती है, जब किसी इलाके में भूजल सूख जाने तो कहीं पीने के पानी के लिए लोगों के जद्दोजहद करने की खबरें आती हैं। जहां पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था है भी, अगर वहां यह सेहत पर जोखिम से लेकर जानलेवा होने तक के खतरे से बची नहीं है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। यह समझना मुश्किल है कि कमियों पर ध्यान देने और पेयजल के पाइप लाइन के सुरक्षित होने की निगरानी नियमित जवाबदेही में शामिल क्यों नहीं होती, ताकि ऐसी त्रासदी से बचा जा सके।... यानि उनका पानी मर चुका है!!

करवट ले रही पड़ोस की सियासत

यूनुस के आशीर्वाद से पैदा हुई तथाकथित छात्रों की पार्टी और जमात-ए-इस्लामी में नजदीकी स्पष्ट है। कभी जमात के साथ मिलकर सरकार बनाने वाली दिवंगत खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान, जिन्हें संभावित प्रधानमंत्री माना जा रहा है, ने जमात से दूरी बनाई है। क्या इन समीकरणों के बीच भारत के लिए अवसर छिपा है?

उम्मीद है कि नया साल बांग्लादेश पर छाए काले बादलों को हटा देगा, जिससे राजनीतिक स्थिरता आएगी और सामाजिक अशांति खत्म होगी, क्योंकि 12 फरवरी को चुनाव होने वाले हैं, जिसमें अब सिर्फ 42 दिन बचे हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने उथल-पुथल के बीच अपने संकल्प को दोहराया है और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान की 17 साल बाद वापसी को आसान बनाया है। तारिक ने अपनी अम्मा, बेगम खालिदा जिया, जो दो बार मुल्क की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं, को हाल ही में खोया है। बांग्लादेशी लोग भावुक होते हैं। अब यह देखना बाकी है कि क्या इससे चुनाव में उनकी पार्टी को %सहानुभूति वोट% मिलेगा।

अभी बीएनपी का मुकाबला जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले इस्लामी पार्टियों के एक ढीले-ढाले गठबंधन से है, जो कभी उसका सहयोगी था और बेगम जिया (2001-2006) के साथ सत्ता में भागीदार था। 1971 के आजादी आंदोलन के दौरान पाकिस्तान के साथ सहयोग के लिए वर्षों तक प्रतिबंधित रहने के बाद, जमात तेजी से आगे बढ़ रही है, और उसने अभी तक उस सहयोग के लिए कोई पछतावा नहीं दिखाया है। वह एक विचारधारा के अग्रदूत के रूप में मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश की राजनीति में अपनी जगह बनाना चाह रही है। रूढ़िवादी होने के बावजूद लोगों ने गहरी सांस्कृतिक मूल्यों को भी पाला है, जो संयम सिखाते हैं।

जमात को बांग्लादेश सिटीजन्स पार्टी के साथ गठबंधन से मजबूती मिली है, जिसे यूनुस के आशीर्वाद से शुरू किया गया था। यह गठबंधन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन छात्र नेताओं के राजनीतिक चरित्र को उजागर करता है, जिन्होंने शेख हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। हैरानी नहीं है कि कई महिला नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है, जबकि कुछ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकती हैं।

हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग, जो अब भी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है, को यूनुस सरकार ने चुनाव लड़ने से रोक दिया है, और उन संस्थानों और अपेक्षाकृत धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक सोच को खत्म करने में साथ दिया है, जिसका प्रतिनिधित्व अवामी लीग करती है। इसी वजह से धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले हुए हैं।

क्या चुनाव विश्वसनीय होंगे, इस पर कई देशों की नजर है। हालांकि, पश्चिमी मीडिया पहले से ही हसीना शासन के खिलाफ था, इसलिए यह नतीजा बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन इससे भी जरूरी बात यह है कि इसे बांग्लादेश के बड़ी वैश्विक भू-राजनीति में शामिल होने के रूप में देखा जाना चाहिए। निश्चित रूप से, इस कम चर्चित और गुप्त प्रक्रिया में भारत की सुरक्षा चिंताओं के लिए कोई जगह नहीं है, खासकर उसके पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के पास इस्लामवादियों की वापसी को लेकर। हसीना ने इसे रोकने में मदद की थी, इसीलिए भारत ने उनका समर्थन किया था।

अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर के

ढाका दौरे और दोनों तरफ से रिश्तों में तनाव कम करने की कोशिशों के बावजूद, फरवरी के चुनावों में भारत की बड़ी भूमिका होने की उम्मीद है, क्योंकि एक बड़ा देश और छोटा पड़ोसी वाला समीकरण तो है ही। ऐसा हमेशा से होता आया है, लेकिन हसीना की मौजूदगी की वजह से यह और भी ज्यादा तीखा हो सकता है, जिन्हें कई अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है और अपने ही देश में मौत की सजा सुनाई गई है। उनके बयान ढाका की भावनाओं को भड़काते हैं, लेकिन लगता नहीं कि भारत उन्हें वापस भेजेगा।

भारत की दुविधा यह है कि वह बांग्लादेश को नजरअंदाज नहीं कर सकता, जिसने यूनुस के नेतृत्व में कई शत्रुतापूर्ण कदम उठाए हैं, पाकिस्तान से रिश्ते फिर से बनाए हैं, हथियार खरीदें हैं, विदेशी ताकतों की मौजूदगी को बढ़ावा दिया है और तीखी कूटनीतिक प्रतिक्रियाएं दी हैं। मौजूदा माहौल में, बांग्लादेश या दुनिया के किसी भी देश ने यह ध्यान नहीं दिया है कि सरकार को लोगों का समर्थन नहीं है।

तारिक रहमान, जिन्हें भविष्य का संभावित प्रधानमंत्री माना जा रहा है, ने अब तक कोई विवादित बात नहीं की है। उन्होंने कूटनीति और भू-राजनीति पर बोलने से परहेज किया है, लेकिन अगर चुनाव के बाद वह सत्ता में आते हैं, तो उन्हें इस पर बोलना ही पड़ेगा। उन्हें शासन का कोई अनुभव नहीं है। वह वैसे बांग्लादेशी राजनेता नहीं हैं, जो ऊंची आवाज में भाषण देते हैं, बल्कि वह शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। ढाका में सरकार के राजनीतिक रंग के हिसाब से तारिक के बारे में राय बदल गई है। अपनी मां के सलाहकार के तौर पर उन पर %सत्ता के पीछे की असली ताकत% होने का आरोप लगा था। इस बारे में मालूम नहीं है कि क्या उन्होंने 2001-2006 के दौरान इस्लामी ताकतों के बढ़ने में कोई भूमिका निभाई थी, जिनका उस समय काफी दबदबा था। कुछ खबरों के मुताबिक, जिया सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि इसे बढ़ावा दिया जब तक कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी नहीं दी। अवामी लीग के साथ दुश्मनी के कारण, जिया के समय में राजनीतिक हिंसा भी बहुत ज्यादा थी।

इसे ठीक से समझने के लिए, भले ही यह भारतीय नजरिये से हो, जिया परिवार और बीएनपी के राजनीतिक चरित्र को समझना जरूरी है। इसके संस्थापक, पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान हैं, जिन्होंने 1977 से 1981 तक शासन किया। फिर एक सैन्य तख्तापलट में उनकी हत्या हो गई। वह भारत पर भरोसा नहीं करते थे और दूरी बनाए रखने की पूरी कोशिश करते थे। यह परस्पर था। दिल्ली को शक था कि हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की हत्या में उनका हाथ था। बेगम जिया ने भी भारत के प्रति वही रवैया जारी रखा, जैसे संयुक्त राष्ट्र में गंगा जल विवाद का मुद्दा उठाना। नई दिल्ली के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं थे। इसलिए यह भविष्य ही बताएगा कि एक अलग दौर में, बदले भूराजनीतिक माहौल में, और एक पीढ़ीगत बदलाव के समय, तारिक का रवैया अलग होगा या नहीं।

भावनाओं को अलग रखकर देखें, तो बांग्लादेश के पास परस्पर फायदे वाले संबंध बनाने के लिए आर्थिक और लॉजिस्टिक संबंधी मजबूरियां हो सकती हैं। अपनी मौजूदा समस्याओं के बावजूद, भारत और बांग्लादेश ऊर्जा के क्षेत्र में एक गहरी रणनीतिक साझेदारी बनाए हुए हैं, जिसमें सीमा पार बिजली ट्रांसमिशन, संयुक्त ऊर्जा संयंत्र और तेल/गैस बुनियादी संरचनाएं शामिल हैं। यह बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह उसकी कुल बिजली जरूरत का लगभग 15-17 फीसदी पूरा करता है।

-महेंद्र वेद, वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक

-लियो टॉल्स्टॉय

कार्य की प्रकृति के अनुसार, जो काम पहले करना चाहिए, यदि उसे बाद के लिए छोड़ देते हैं या आवश्यक हिस्से को नहीं करते, तो निश्चित ही काम गंभीरतापूर्वक नहीं किया जा रहा, बल्कि बहाना बनाया जा रहा है।

काम को टालना भी बहाना बनाना ही है

यदि एक आदमी काम करने का बहाना नहीं कर रहा है, बल्कि हाथ में लिए हुए काम को पूरा करने के लिए प्रयत्नशील है, तो उसके प्रयत्नों का कार्य के स्वरूप के अनुसार अनिवार्यतः एक खास सिलसिला होगा। वहीं, कार्य के स्वरूप के अनुसार, जो काम पहले करना चाहिए, यदि वह उसको बाद के लिए छोड़ देता है अथवा उसके आवश्यक हिस्से को सर्वथा छोड़ देता है, तो निश्चित रूप से वह गंभीरतापूर्वक काम नहीं कर रहा, बल्कि काम का बहाना कर रहा है। चाहे काम शारीरिक हो या अन्य प्रकार का, यह नियम समान रूप से लागू होता है। जब तक कोई पहले आटा न गूंथे, चूल्हे की राख हटाकर उसमें आग न सुलगाए, तब तक यह कैसे कहा जा सकता है कि वह सचमुच रोटी पकाना चाहता है, इसी प्रकार आवश्यक गुण प्राप्त करने के लिए जब तक कोई एक सिलसिले से कुछ खास नियमों का पालन नहीं करता, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि वह सचमुच सजीवन बिताना चाहता है। जहां तक उत्तम जीवन जीने का संबंध है, यह नियम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कारण शारीरिक काम के संबंध में, जैसे-रोटी बनाने के बारे में परिणाम के द्वारा यह आसानी से मालूम किया जा सकता है कि आदमी सचमुच काम में जुटा हुआ है, या केवल बहाना बना रहा है। किंतु सजीवन की इस प्रकार की कोई कसौटी नहीं है।

अगर लोग बिना आटा गूंथे या चूल्हा सुलगाए रोटी पकाने का ढोंग करें, जैसा कि सिनेमा में होता है, तो परिणाम से अर्थात रोटी के अभाव से यह प्रकट हो जाता है कि वे केवल बहाना कर रहे हैं। वहीं, जब इन्सान सजीवन बिताने का बहाना करता है, तो हमारे पास यह मालूम करने का प्रत्यक्ष चिह्न नहीं होता कि वह सचमुच प्रयत्न कर रहा है या फिर बहाना। किसी व्यक्ति के कार्यों के प्रति आदर की भावना होना और उसके समकालीन व्यक्तियों द्वारा उन कार्यों की उपयोगिता व अच्छाई को स्वीकार किया जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि वस्तुतः उसका जीवन अच्छा है। इसलिए सजीवन के बाह्य दिखावे और असलियत में भेद करने के लिए एक खास नियमित सिलसिले से गुणों की प्राप्ति द्वारा जो संकेत मिलता है, वह खास तौर पर बहुमूल्य होता है। यह संकेत इसलिए बहुमूल्य नहीं होता कि इसके द्वारा हम अच्छाई की दिशा में दूसरे लोगों की कोशिशों की गंभीरता का पता लगा सकते हैं, बल्कि उसके द्वारा हम अपनी सच्चाई को ही कसौटी पर परख सकते हैं। इसलिए सजीवन की ओर प्रगति करने के लिए मनुष्य को क्रमपूर्वक सद्गुणों को प्राप्त करना चाहिए। फलस्वरूप मानव जाति के गुरुओं ने इस प्रकार के सद्गुणों का हमेशा निश्चित क्रम निर्धारित किया है। इसके साथ ही, सजीवन जीने के लिए आत्मसंयम जरूरी है। आत्मसंयम के बिना न तो उत्तम जीवन कभी संभव हुआ है और न हो सकता है। आत्मसंयम से पृथक उत्तम जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

सूत्र - जीवन को सही दिशा दें

जीवन को सही दिशा देने के लिए आत्मसंयम जरूरी है। आत्मसंयम का अर्थ है कि वासनाओं को सीमित और सरल बनाना। हम अपने वास्तविक उद्देश्यों को छिपाने, झूठे और बनावटी मंतव्यों को प्रकट करने में अभ्यस्त हो गए हैं, इसी का परिणाम है कि हम जो खुशी ढूंढ रहे होते हैं, वह भी एक तरह से बनावटी ही होती है। इसलिए आत्मसंयम से जीवन को सही दिशा दें।

देशकाल

अभिनन्दन और विदाई : वक्त का हिसाब

अभिनंदन और विदाई ये सब जीवन यात्रा के अभिन्न अंग है। जनवरी से दिसंबर के महीने के बीच जो भी घटित होता है, चाहे वह सामाजिक हो, आर्थिक हो, घर परिवार, देश-विदेश से लेकर सृजन साहित्य तक, वह सब समय के साथ अपनी अवधि के भीतर घटित होकर अपने पद चिह्न मन-मस्तिष्क पर छोड़ जाता है। अमूमन हर बीता वर्ष इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होता है। हर बार के आकलन में हम गौर करते हैं कि वैश्विक पटल पर कई घटनाक्रम हुए, जो सब कुछ समय के साथ अपना निर्धारित स्थान इस वर्ष में दर्ज करवा कर इस वर्ष में स्थायी हो गए। खेल, साहित्य, शिक्षा और तकनीक में कई उपलब्धियों ने हमें समृद्ध किया और हम सबका गौरव बढ़ाया। व्यक्तिगत संदर्भों में कई मित्र जुड़े, कई बिछड़ गए। यह जीवन का हिस्सा रहा। समय का अभाव कहें या परिस्थितियां, सबके साथ हम चलते रहे। हम सब अपने भीतर झांक सकते हैं कि इस सबके बीच कई बार द्वंद्व रहा, उलझनें रहीं तथा समस्याएं और समाधान साथ-साथ चलते रहे।

समय की धारा में हम सब बहते चले जाते हैं, क्योंकि समय बलवान होता है। समय को हम चाह कर भी पकड़ नहीं पाते। बल्कि यों कहें कि नहीं पकड़ सकते। समय अदृश्य है, पर चलता रहता है अनवरत। यों भी, यह किसी के रोके कभी रुका है क्या? रोकने की कोशिश करने वाले लोग रुक गए, लेकिन समय चलता रहा। हम समय के अभाव का रोना रोते रहते है और समय अपनी निर्धारित सीमा में अपनी चाल चलता रहता है। गांव, शहर, गलियां, व्यक्ति आदि जाने क्या-क्या अपने नवीन संदर्भों के साथ जुड़ते और छूटते चले जाते हैं। हम चुपचाप समय के साथ अपने दिन व्यतीत करते जाते हैं। समय की धारा में हर्ष, विषाद, सम्मान, पुरस्कार, अभिनंदन, सफलताएं, असफलताएं...

और भी न जाने क्या हमारे जीवन का हिस्सा बन कर कभी हमें आनंद के सागर में डुबो देते हैं और कभी निराशा हमारा दामन पकड़ कर पीछे खींचती है। मगर हमारा आत्मविश्वास हमें समय के साथ कदमताल मिलाता आगे ले जाता है।

यही आत्मविश्वास मन के भीतर ऊर्जा, उत्साह, उमंग का संचार करता है। एक नई सुबह रोज बांह पसारे सुंदर मुस्कान के साथ हमारा स्वागत करती है। हम पिछला सब कुछ भूल कर फिर से नए दिन के सूरज के साथ अपने कार्यों में तल्लीनता से संलग्न हो जाते हैं। यही हमें जीवंत बनाए रखता है। बीते वर्ष के दिसंबर ने अब हमसे विदाई ले ली है। जैसे जैसे हम चिंतन करते हैं इस तरह की विदाई के बारे में,

समय की धारा में हम सब बहते चले जाते हैं, क्योंकि समय बलवान होता है। समय को हम चाह कर भी पकड़ नहीं पाते। समय अदृश्य है, पर चलता रहता है अनवरत । रोकने की कोशिश करने वाले रुक गए। हम समय के अभाव का रोना रोते हैं और समय अपनी निर्धारित सीमा में अपनी चाल चलता रहता है।

अचानक हम सबके मुंह से निकलता है कि पिछले दिसंबर के बाद भी नया साल आया था और अब फिर यह पूरा हो गया। नया वर्ष अपनी नवीन रूपरेखा, नवीन गतिविधियों उपलब्धियों के साथ दस्तक दे चुका है। पता ही नहीं चला कि बीता वर्ष भी कैसे चुपके से बीत गया। बहुत कुछ नया जुड़ा, बहुत कुछ पुराना पीछे छूट गया। कई सुखद क्षणों में आनंददायी पलों को जिया और कभी मन अनेक बार विपरीत परिस्थितियों में व्याकुल हुआ... आंखें नम हुईं। क्या यही सब फिर से इस वर्ष हमारे जीवन में नहीं दुहराएगा?

दरअसल, ये सब जीवन के अहम हिस्से हैं। इनके सहारे ही जीवन समय के साथ गतिमान रहता है। जीवन चलने का नाम है। महाकवि जयशंकर प्रसाद ने कामायनी में लिखा है- %दुख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात, एक परदा नीला झीन छिपाए है जिसमें सुख गात।% वक्त के साथ हम सब पिछले बीत चुके महीनों का हिसाब-किताब लगाते हैं। किसी की झोली में खुशियों के दीप जगमगाते हैं, तो किसी के हिस्से में आया दर्द उसे भीतर तक हिला देता है। कभी उम्मीद खिल जाती है, तो कभी भय का साया मंडराने लगता है कि क्या दर्द का सिलसिला कायम रहेगा। फिर भी समय तो समय है, जैसा भी हो बीत ही जाता है। समय सब कुछ भर देता है।

सुख-दुख जीवन के दो पहलू हैं, जिनके साथ हम सबको अपनी-अपनी भूमिकाएं निभानी पड़ती है। समय किसी के रोकने से नहीं रुकता, जैसे देखते-देखते पिछला वर्ष बीत गया और अब नए वर्ष का सफर शुरू हो चुका है। कितना कुछ पीछे छूट जाता है। हम सब स्मरण करते हैं कि कल की ही तो बात है कि हमने इस वर्ष के स्वागत के लिए पलक-पांवड़े बिछाए थे। अब वह भी चला गया। हम फिर नव ऊर्जा के साथ तैयार हो जाते हैं नववर्ष के स्वागत अभिनंदन के लिए और बीते वर्ष को विदाई देने। यही सृष्टि का नियम भी है। नूतनता सदैव वंदनीय अभिनंदनीय होती है। जीवन के विविध क्षेत्रों में जहां हमारी उपस्थिति है, वह सब बीते वर्ष के बही खाते में दर्ज हो जाता है। इसके बाद तो कैलेंडर के पन्ने और तिथियां बदल जाती हैं। कभी-कभी ऐसा अहसास होता है कि कितनी तेजी से समय भाग रहा है। एक वर्ष जीवन का और बीत चला अपने पीछे कितने स्मृति चिह्न छोड़ता हुआ। कितना कुछ रह-रहकर याद आता है लोगों के साथ बिताया गया समय। वे खिलखिलाते चेहरे, वे शहर, वे जगहें, जहां हम घूमने या किसी विशेष कारण से गए, वे यात्राएं, यात्राओं के सहयात्री, यात्राओं के अविस्मरणीय पल..! कुछ भी भूल नहीं पाते, भले ही पुराना साल बीत गया हो। समय की अपनी अवधि और सीमाएं- इन सबके बीच संघर्षशील व्यक्ति गतिमान रहता है।

-अनिता वर्मा

उम्मीद

कितना अलग होगा यह नया साल

2026 वह साल हो सकता है, जहां तकनीक से थके लोग सुकून ढूंढें, इन्फ्लुएंसर कंटेंट बनाने के दबाव से मुक्त होना चाहें और एआई अपनी कृत्रिमता को छोड़ने की सोचने लगे।

एक ऐसी दुनिया में, जो हर मोड़ पर सरप्राइज देने को तैयार हो, असल सवाल यह है कि 2026 हमारे लिए क्या ला रहा है? अब इस बात को लेकर सहमति बढ़ रही है कि स्मार्टफोन हमारी जिंदगी को जटिल और थकाऊ बना रहे हैं, इसलिए आश्चर्य नहीं होगा अगर कम तकनीक वाले उपकरणों की श्रेणी बढ़े। दरअसल, इन विकल्पों की ओर लोगों का उत्साह बढ़ने की वजह उपभोक्तावाद से मिला झटका है, जिसके तहत पहले हमें महंगे मोबाइल फोन बेचे गए और अब उनसे छुटकारा पाने वाले उत्पाद बाजार में आ गए हैं। लेकिन, यह आसान नहीं होगा। कम उन्नत फोन लगातार आने वाले नोटिफिकेशनों से छुटकारा भले दिला दें, लेकिन उबर जैसी कंपनियों में काम कर रहे गिग कर्मचारी क्या ऐसे मोबाइल स्वीकारेंगे, जिनसे वे काम ही न कर सकें। दूसरी बात ये फोन समाज में वर्ग और रुतबे वाली सोच को भी गहरा कर सकते हैं।

2026 में हम इस मंत्र को चरम पर पहुंचते देख सकते हैं कि मार्केटिंग ही सब कुछ है। फिल्मों की मार्केटिंग को हम एक नए स्तर पर पहुंचते देखेंगे। फिल्म के अभिनेता खुद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन जाएंगे, उनके अपने चैनल होंगे। इसकी शुरुआत हो भी चुकी है। एआई को उसके रचयिता की छवियां उत्पन्न करते देख चुके हैं। अब इसके आगे का दौर आएगा। हालांकि, एआई की छवियों में कुछ त्रुटियां रहेंगी, लेकिन उन्हें पकड़ पाना मुश्किल होता जाएगा। एआई की कला जरूरत से ज्यादा पॉलिश की हुई लगती है। जब लोग ऐसी छवियों से थक जाएंगे, तब वे फिर से उस कला व लेखन की तरफ लौटेंगे, जो असलियत दिखाते हैं और जहां खामियां छिपाई नहीं जातीं, बल्कि उनमें ही सुंदरता और खुशी खोजी जाती है। मानवीय कला में कुछ लापरवाही का पुट होता है, वह दरअसल उसका सौंदर्य होता है।

2026 में हम देखेंगे कि क्या एआई अपनी शैली में इसे जगह दे पाता है?

लोगों के व्यवहार में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों की संख्या बढ़ सकती है, जो 40 की उम्र में रिटायरमेंट ले लें या अपनी बचत को अनावश्यक चीजों पर खर्च कर दें, क्योंकि जिंदगी के अनुभव ने उन्हें सिखाया है कि यह दोबारा नहीं मिलेगी। जिंदगी की अनिश्चितता को देखते हुए 2026 में जुए और पूर्वानुमान बाजारों में दिलचस्पी और बढ़े। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव के दिन प्रेडिक्शन मार्केट कल्शी ने टाइम्स स्क्वायर में एक बिलबोर्ड लगाया, जिसमें जोहरान ममदानी की जीत की भविष्यवाणी पहले ही कर दी गई थी। इस पर 12 करोड़ डॉलर से ज्यादा की बाजी लगी थी। ये प्लेटफॉर्म जुए या कमोडिटी ट्रेडिंग जैसे नए रास्ते खोल रहे हैं। ऐसे में, आगे मनोरंजन को भी खेल की तरह बनाया जाए, जहां लोग शो में आगे क्या होगा, इस पर दांव लगाते देखे जा सकते हैं। 2020 के दशक की शुरुआत में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनकर अपनी जिंदगी रिकॉर्ड करना लोकप्रिय था, लेकिन अब एक नई प्रवृत्ति उभर रही है-एक्सफ्लूएंसर।

-संपादकीय,द न्यूयॉर्क टाइम्स

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। ताजा माँग के चलते शुक्रवार को अनाज मंडी में चना व उड़द बाजार सुर्खी पर रहे। मूंग बना रहा। खाद्य तेलों में मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन में पूछपरख रही। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा देखा गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से 50 रू. क्विंटल का सुधार आया। वहीं, उड़द में बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में कामकाज अच्छा रहा। बाजार सुर्खी बनाये रहे। उधर, किराना जिंसों में व्यापार अच्छी मात्रा में रहा। सौंफ, इलायची, खोपरे गोले में माँग रही। शक्कर में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3970-4030, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2950, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1205-1210, सोया रिफाइंड 1262-1265, कपास्या 1205-1210, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4700-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5200-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6700-6900, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। किंतु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 238500, चाँदी (99) 238000, टंच 237000, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 138100,

रूपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे टूटकर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को रुपया 89.98 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रुपये में सीमित उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक की वह रणनीति है, जिसके तहत वह 90 के स्तर को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। इसके चलते बाजार में अत्यधिक कमजोरी या मजबूती देखने को नहीं मिल रही है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 573.41 अंक करीब 0.67 ऊपर आकर 85,762.01 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक (निफ्टी) 26,340 के नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा। बाजार में तेजी सरकारी और एनर्जी शेयरों के कारण आई। निफ्टी पीएसई , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल फीसदी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तेजी के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी एफएमसीजी ही गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 615.45 अंक की तेजी के साथ 61,365.90 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 127.15 अंक की बढ़त के साथ 17,832.05

पर था। बीएसई पर 2,772 शेयर लाभ के साथ ही ही ऊपर आये जबकि 1,449 शेयर टूटे हैं जबकि 150 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिखा। सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एसबीआई, मारुति सुजुकी, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एमएंडएम, फसी बैंक, एशियन पेंट्स, टीसीएस, इन्फोसिस, सन फार्मा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। शुरुआती कारोबार के बाद भी बाजार में खरीदारी का रुझान बना रहा। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 336.25 अंक की बढ़त के साथ 85,524.85 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी-50 ने 26,155 के स्तर पर मजबूत शुरुआत के बाद 104.50 अंक चढ़कर 26,251 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को नए साल की शुरुआत मिले-जुले रुख के साथ हुई। लेकिन बाद में बाजार तेजी में आ गए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह इंडेक्स 0.21 फीसदी चढ़ा और इस दौरान 4,239.88 का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर छुआ।

एचडीए

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का तीसरा दौर जनवरी में शुरू

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का तीसरा दौर जनवरी के मध्य से शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार इस चरण में कुछ बदलाव किए गए हैं, जिससे यह आवेदकों के लिए और अधिक आकर्षक होगा। विशेष रूप से सेवा क्षेत्रों में इंटर्नशिप की अवधि कम करने की योजना है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना की शुरुआत पिछले साल 3 अक्टूबर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी, जिसका वार्षिक लक्ष्य 1,25,000 इंटर्नशिप अवसर देना था। पहले दौर में 28,141 आवेदकों ने इंटर्नशिप स्वीकार की थी, जबकि दूसरे दौर में यह संख्या घटकर 24,638 रही। पहले दौर में 34 प्रतिशत ऑफर स्वीकार किए गए थे, जो दूसरे दौर में 29 प्रतिशत रह गए। हालांकि प्रतिशत में गिरावट आई, लेकिन कुल इंटर्नशिप अवसरों की संख्या में वृद्धि हुई। दूसरे दौर में जुबिलेंट फूडवर्क्स ने 13,658 अवसर दिए, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 7,880 और एचडीएफसी बैंक ने 6,800 अवसर प्रदान किए। लगभग 70 नई कंपनियाँ इस चरण में शामिल हुईं। सरकार ने इस योजना की घोषणा 2024-25 के पूर्ण बजट में की थी, और अब तीसरे चरण के माध्यम से युवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है।

नए साल की रात क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डरों की बारिश

नई दिल्ली एजेंसी। देशभर में नए साल 2026 का स्वागत पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। जैसे ही आधी रात की उलटी गिनती शुरू हुई, वैसे ही क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डरों की बाढ़ आ गई। 31 दिसंबर की रात इन प्लेटफॉर्म के लिए साल की सबसे व्यस्त रातों में से एक रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर 2025 के आखिरी घंटे यानी रात 11 से 12 बजे के बीच पार्टी से जुड़े सामान, स्नैक्स और पेय पदार्थों की मांग में जबरदस्त उछाल देखा गया। सबसे अधिक मांग अंगूरों की रही, जिनके ऑर्डर में 15 गुना वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद केक (7 गुना), बारबेक्यू आइटम (6 गुना) और पेय पदार्थ (3.5 गुना) शामिल रहे। स्विगी के एक अ ?धिकारी के अनुसार, केवल सुबह के समय अंगूरों के लिए 2.35 लाख सर्च दर्ज की गईं। स्विगी पर केक, पिज्जा और खासतौर पर बिरयानी की भारी मांग रही। शाम 7ः30 बजे से पहले ही बिरयानी के 2.18 लाख से अधिक ऑर्डर दर्ज किए गए। रात 8 बजे के आसपास ऑर्डर प्रति मिनट की संख्या 1,300 से अधिक पहुंच गई। डेजर्ट में रस मलाई, गाजर का हलवा और गुलाब जामुन सबसे ज्यादा पसंद किए गए। ऑर्डरों का यह उछाल केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। लोनावला, करीमनगर, सहारनपुर, दावणगेरे और पटियाला जैसे शहरों में भी मजबूत मांग देखने को मिली। पटना, सूरत, जयपुर, पुणे और इंदौर जैसे शहरों में फूड डिलिवरी ऑर्डर तेजी से बढ़े। स्विगी डाइन आउट पर भी बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, खासकर अहमदाबाद, लखनऊ और जयपुर में। गिग वर्कर्स की हड़ताल के दावों के बावजूद, जोमैटो, ब्लिंकइट और अन्य प्लेटफॉर्म्स ने रिकॉर्ड डिलिवरी की और कारोबार सामान्य से बेहतर बना रहा।

मेष- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान सम्मान में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष का किसी व्यक्ति से यदि रिश्तों में कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। भाई-बहनों का पारिवारिक बिजनेस में आपका पूरा साथ देंगे, जिससे आपका बिजनेस पहले से बेहतर रहेगा, लेकिन आपको किसी बात को लेकर अपनी मनमर्जी चलाने से बचना होगा, नहीं तो उन्हें आपकी बात बुरी लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से राहत दिलाने वाला रहेगा। काम के सिलसिले में आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा, इसलिए आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें। कोई नया काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा। बिजनेस के कामों में आप कोई जल्दबाजी दिखाएंगे, जिससे गड़बड़ी हो सकती है। आपने यदि किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतारने की कोशिश करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा अच्छा रहने वाला है। आपको अकस्मात लाभ मिलने से खुशी होगी। दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे, लेकिन फिर भी आपके काम आसानी से पूरे होंगे। आपको किसी इवेंट के लिए कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। वाहनों का प्रयोग आप सावधान रहकर करें। कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने से आपको खुशी होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर बेवजह न उलझें, नहीं तो इससे आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं। बिजनेस में आप किसी को पार्टनर बना सकते हैं। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। आपको अपने आलस्य को दूर भगाना होगा। किसी नए घर की खरीदारी के लिए आप बातचीत कर सकते हैं। आपकी जीवनसाथी से चल रही खटपट भी दूर होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप यदि किसी से कोई मदद मांगेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगी। आप आज नौकरी में परेशान रहेंगे, लेकिन आप किसी दूसरी जगह अप्लाई कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आप किसी से धन उधार लेने से बचें। परिवार के सदस्य के करियर को लेकर यदि कोई निर्णय लेना पड़े, तो आप बहुत ही सोच विचारकर लें। माताजी को आप किसी धार्मिक यात्रा पर लेकर जा सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में यदि किसी बात को लेकर खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपका कोई गुप्त राज परिवार के सदस्यों के सामने आ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ावों के कारण समस्या भरपूर रहेगी। घर में किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार के सभी सदस्य व्यस्त नजर आएंगे, लेकिन आप खर्चों को लेकर थोड़ा ध्यान दें, नहीं तो उनके बढ़ने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी आपको किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा। किसी कानूनी मामले में आपको जीत मिलेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपने यदि शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट किया था, तो वह भी आपके लिए अच्छा लाभ लेकर आएगा। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई-लिखाई की योजना बना रहे हैं, तो उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अपने साथी के मनवाने व्यवहार को लेकर परेशान रहेंगे। आपको किसी से भी कोई बात बहुत ही सोच समझकर कहनी होगी। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई में ढील दे सकते हैं, क्योंकि वह बाकी कामों पर ध्यान लगाएंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपको राजनीति में थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण किसी समस्या को दावत दे सकते हैं। यदि आपने किसी मकान, दुकान या प्लाट आदि की खरीदारी करने का सोचा है, तो आपकी वह बात आगे बढ़ सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको अपने परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा सोच समझकर करना होगा। यदि आपको कोई आंखों से संबंधित समस्या हो, तो आप उसमें किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, जिससे आपको खुशी होगी। कोई काम यदि धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपके कामों से खुश रहेंगे, जिससे आपको उनसे शाबाशी सुनने को मिलेगी।

शब्दजाल - 8129

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

सफलता,सरकार,सजा,सचेत,सजग, सरफरोश,सल्तनत,सड़क,सत्ताधीश, सताना

शब्दजाल - 8128 का हल

र	क	ल	ध्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्वि
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7073

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नताशा की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉब्लम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7072

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.32 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कुंभ	09.18 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.51 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.02 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.00 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.13 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.41 बजे से
		तुला	00.52 बजे से
		वृश्चिक	03.07 ब.से
		धनु	05.23 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का तीसरा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 15.33 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 17.28 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 09.05 बजे तदनन्तर इन्द्र 05.16 बजे को प्रातः समाप्त। **करण** बव 15.33 बजे तदनन्तर बालव 01.59 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 50' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872578 **जूलियन दिन** 2461043.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 13 **विशेष** शाकम्भरी पूर्णिमा, अरुद्र दर्शन, पौष पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नेपोलियन की उदारता

नेपोलियन बोनापार्ट के आदेश से फ्रांसीसी तट पर अंग्रेजों के जहाज पकड़ लिए गए। जहाज पर सभी लोगों को बंदीबना लिया गया। उनमें एक 17 वर्ष का लड़का लेनार्ड भी था। उसे भी जेल में डाल दिया गया। कुछ दिनों बाद उसे समाचार मिला कि उसकी मां बहुत बीमार है। बचने की आशा नहीं थी। मां की आखिरी इच्छा लेनार्ड को देखने की थी। वह उसी रात मां को याद करता हुआ जेल से भाग निकला, लेकिन थोड़ी ही दूर जा पाया था कि पकड़ा गया। अगले दिन उसने दोबारा भागने का प्रयास किया, पर फिर से पकड़ लिया गया। इस बार उस पर बहुत सख्ती की गई, पांवों में बेड़ियां डाल दी गईं और नेपोलियन को शिकायत की गई। लेनार्ड को नेपोलियन के सामने पेश किया गया। नेपोलियन ने लड़के से पूछा, 'ऐसी कौन सी वजह है कि तुम बार-बार यहां से भागने का दुस्साहस करते हो?' लेनार्ड ने रोते हुए कहा, 'मेरी मां मर रही है, मरने से पहले मुझे देखना चाहती है।' नेपोलियन ने जेलर को बुलाकर कहा, 'इस लड़के के घर जाने का इंतजाम करवाओ।' जेलर चौंक गया। नेपोलियन ने कहा, 'हैरान होने की बात नहीं है। इसके चेहरे से साफलग रहा है कि इसे मां की ममता अपनी ओर खींच रही है। नेपोलियन इतना कठोर नहीं कि मां की ममता की कद्र न कर सके। इसे जाने दो।' नेपोलियन की उदारता देखकर वह लड़का उसके आगे नतमस्तक हो गया। नेपोलियन खुद मां के स्नेह के लिए हमेशा बेचैन रहा। यह उसी का परिणाम था।

सूडोकु नवताल- 7382

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7381 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8597

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -8596 का हल

■	दा	न	व	■	अ	ब	रो	ध
मा	न	■	ल	गा	म	■	ज	ड़
न	■	रा	य	■	र	वा	■	क
स	ला	ह	का	र	■	द	ह	न
■	य	■	र	■	प	■	ल	■
म	न	का	■	आ	तं	क	वा	द
द	■	म	य	■	ग	म	■	स्त
हो	श	■	शो	र	बा	■	ना	क
श	ह	जा	दा	■	जी	व	न	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शासकीय धान चोरी करते एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़कर किया पुलिस के हवाले, एक फरार

सेवा सहकारी समिति मोहझरी की घटना, पूर्व में भी धान की चोरी करते सीसीटीवी में कैद हुए चोर

पद्मेंश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। वहीं इन धान खरीदी केन्द्रों में ऐसे भी लोग सक्रिय है जो कि किसानों के द्वारा बेची गई तथा शासन के द्वारा खरीदी धान की बोरियों की चोरी कर बेचा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला लांजी क्षेत्र अन्तर्गत सेवा सहकारी धान खरीदी केन्द्र मोहझरी का सामने आया है जहां धान चोरी करने वाले को रंगे हाथो पकडकर लांजी पुलिस के हवाले किया गया है। इस संबध में खरीदी केन्द्र प्रभारी मोरेश्वर आठोड़े ने जानकारी में बताया कि हम लोग पुलिस थाना लांजी में धान की बोरी चोरी होने के संबध में शिकायत लेकर पंहुचे है। 2 जनवरी को चोरो के द्वारा दो कट्टी धान की बोरी चोरी कि जा रही थी, केन्द्र प्रभारी के द्वारा किसानों की सहायता से दो चोरो को पकड़ा गया जिनके नाम गौरव नखाते और पवन भागडकर बताये गये है इनमे से गौरव नखाते को धान की बोरी चोरी करते हुये पकड़ कर डायल 112 में सूचना देकर इन्हे पुलिस के हवाले किया गया है। केन्द्र प्रभारी ने बताया कि इसके पहले भी केन्द्र से धान की बोरियॉ चोरी हुई है। जिसमें 23 दिसंबर को 8 कट्टी धान, 25 दिसंबर को 5 कट्टी शाम के समय चोरी की गई है लगभग 6 क्विंटल धान चोरी की गई है। केन्द्र प्रभारी ने यह भी जानकारी दी कि पिछली बार भी धान खरीदी के समय धान की बोरियॉ चोरी की गई थी।

हम चाहते है कि पुलिस इन चोरो और इनके पूरे गिरोह को पकड़ कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए ताकि दोबारा यह इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम ना दे सके।

सीसीटीव्ही कैमरो में भी दिखाई दिये चोर

केन्द्र प्रभारी मोरेश्वर आठोड़े ने चोरी की घटना के संबध में बताया कि 2 जनवरी को जहां दो लोगो को चोरी करते हुये देखा गया जिसमे गौरव नखाते को रंगे हाथो पकड?र लांजी पुलिस के हवाले किया गया वहीं एक चोर पवन भागडकर के भागने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा और भी चोर है जिन्हे सीसीटीव्ही कैमरो में धान चोरी करते देखा गया है जिसकी भी जानकारी केन्द्र प्रभारी और किसानों ने लांजी पुलिस को दी गई है। जिस संबध में पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है।

शासकीय महाविद्यालय लामता के क्रिकेट खिलाडी विश्वविद्यालय स्तर में चयन

पद्मेश न्यूज। लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता की पुरुष क्रिकेट टीम शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिए जिसमें लामता टीम के खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किये। जिसमें संभाग स्तर क्रिकेट टीम हेतु लामता महाविद्यालय से तीन खिलाड़ी विशाल पंचेश्वर, पुलकित गवाले, शिवम बंशकार का बालाघाट टीम में चयन हुआ, जो परसवाड़ा में ही आयोजित संभाग स्तरीय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिए। इस प्रतियोगिता में सिवनी, पांढुर्ना, छिंदवाड़ा, बालाघाट जिले की टीमों ने भाग लिए एवं इस प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य एवं विश्वविद्यालय स्तर टीम का गठन किया गया। जिसमें शासकीय महाविद्यालय लामता के तेज गेंदबाज और ऑल राउंडर विशाल पंचेश्वर का चयन राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय टीम में हुआ है, जो रीवा में 2 जनवरी 2026 से आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेंगे तथा इसके बाद विश्वविद्यालय स्तर में भाग लेंगे।

इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य, जन भागीदारी अध्यक्ष श्री विनोद बोधरा जी, डॉ. डुलेश्वरी टेमरे, डॉ. चंद्रशेखर कटरे, श्री सुंदर बिसेन, श्रीमती वंदन उरकुड़े, महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ ने बधाई दिए। इस उपलब्धि पर क्रीड़ा अधिकारी श्री प्रवेश यादव का विशेष योगदान रहा।

कुम्हली में विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया गौ माता प्रतिमा का अनावरण

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। खैरलांजी जनपद के ग्राम कुम्हली में दुर्गा मंदिर एवं हनुमान मंदिर चौक पर गौ माता प्रतिमा अनावरण का धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। ग्रामवासियों की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए और आयोजन को सफल बनाया। इस दौरान विधायक पारधी ने गौ माता प्रतिमा का विधिवत पूजन अर्चन कर क्षेत्र की सुख शांति और समृद्धि की कामना की तथा ग्रामवासियों के साथ श्रद्धा भाव से सहभागिता निभाई। प्रतिमा अनावरण के पश्चात भजन कार्यक्रम एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता और अनुशासन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ जिससे आयोजन की गरिमा और भी बढ़ी। गौ माता प्रतिमा समर्पण का सौभाग्य प्रदान करने हेतु विधायक गौरव सिंह पारधी ने समस्त ग्रामीणजनों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती मंजुषा कैलाश कुंजाम, पूर्व सरपंच अभिमन्यु सेलोकर, मंगलेश माहुले ,घनश्याम सेलोकर,विलाश बावनकर,वामनराव सोनवाने,गनेश माहुले, सदन मदंरेले,परसराम सेलोकर, तुलाराम सेलोकर,कनिराम बावनकर, अभिषेक भगत, युवराज बघेले, अभिषेक सेलोकर, रोशनलाल लिल्हारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नववर्ष पर नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन, 450 लोगों की हुई जांच, 8 ने किया रक्तदान

पद्मेंश न्यूज। लांजी। नववर्ष के शुभ अवसर पर जनसेवा की भावना को साकार करते हुए संत निषादराज बाल-वृद्ध समाज सेवा संस्था के तत्वावधान में ग्राम कुल्पा में 01 जनवरी 2026 को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

यह शिविर कुल्पा बस स्टैंड पर प्रात: 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक चला। शिविर में आयुर्वेदिक, एलोपैथिक, होम्योपैथिक तथा फिजियोथेरेपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। चिकित्सकों की टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र परीक्षण के साथ-साथ अस्थमा, वातरोग, दाद-खाज-खुजली, लकवा, मिर्गी, सिरदर्द, टी.बी., बालों का झड़ना, शारीरिक कमजोरी, लीवर संबंधी रोगों सहित अन्य सामान्य एवं गंभीर बीमारियों की जांच की तथा आवश्यक दवाइयां व परामर्श दिए। शिविर में लगभग 450 ग्रामीणों एवं आसपास के लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। वहीं, समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर 8 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में सेवाएं देने वाले प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. डिलेश नागपुरे, डॉ. दीपक हरिनखेड़े, डॉ. हितेश नागपुरे, डॉ. शैलेश नागपुरे, डॉ. कृष्णा कटरे तथा चन्द्रदीप रामटेके शामिल रहे, जिन्होंने पूरे समर्पण के साथ मरीजों की सेवा की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष सुभाष लिल्हारे, सचिव डॉ. शैलेश नागपुरे, सह-सचिव रामेश्वर बिल्थरे, उपाध्यक्ष हुमेश ब्राम्हणकर तथा संस्था के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई।

धड़ल्ले से बिक रही एमआरपी से ज्यादा दामों पर शराब, प्रशासन मौन

आखिर.....कार्यवाही करने से क्यों पीछे हट रहा है आबकारी विभाग ?

पद्मेंश न्यूज। लांजी। तहसील मुख्यालय लांजी सहित आसपास के ग्रामों में संचालित शराब दुकानों पर आबकारी नीति का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। ठेकेदार न केवल बिना रेट लिस्ट लगाए शराब बेच रहे हैं, बल्कि प्रिंट रेट से 10 रुपए से लेकर 30 रुपए अधिक वसूल कर उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली भी कर रहे हैं। ग्राहकों और सेल्समैन के बीच आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है, लेकिन आबकारी विभाग केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित है। विभाग की निष्क्रियता और अधिकारियों की मिलीभगत के चलते यह अवैध खेल दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जबकि एमआरपी से ज्यादा मूल्य पर शराब बेचने को लेकर लगातार मीडिया द्वारा खबरों का प्रकाशन किया जा रहा है बावजूद इसके आबकारी विभाग आंखे मूंदे बैठा है। जिससे प्रतीत होता है की शराब के अधिक मूल्य को लेकर विभिन्न समाचार पत्रों की खबरे सिर्फ कागजों तक हीं सीमित रहती है। आबकारी विभाग एवं प्रशासन इन पर कोई संज्ञान नहीं लेता जिसका जीता जागता प्रमाण लांजी क्षेत्र की विभिन्न शराब दुकानों में देखने को मिल रहा है। शराब दुकान में प्रिंट रेट से अधिक वसूली, रेट लिस्ट का अभाव और अवैध पैकारी। ये तीनों ही बातें आबकारी नीति का सीधा उल्लंघन हैं। बावजूद इसके जिले में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। अब सवाल ये उठता है कि जब नियम साफ हैं, तो फिर जिले के अधिकारी आंखें क्यों मूंदे हुए हैं ?

ठेकेदार की ताकत के आगे बौना साबित हो रहा प्रशासन

लांजी क्षेत्र में शराब के बढ़े हुए दाम और रेट लिस्ट के अभाव को लेकर पार्षद से लेकर आमजन ने कई बार विरोध भी दर्ज कराया, लेकिन पैसे और रसूख के आगे इनकी आवाजें दबा दी जाती हैं। लांजी क्षेत्र के सालेटेकरी रोड, आमगांव रोड, रेंज ऑफिस, साडरा, टेडवा, टेमनी, भानेगांव जैसे इलाकों में खुलेआम शराब की ओवररेटिंग हो रही है, और यह सब कुछ जिम्मेदारों की मौन स्वीकृति से संभव नही है। लांजी नगर मुख्यालय में तो आमगांव रोड़ एवं सालेटेकरी रोड स्थित शराब दुकान के पास शाम ढलते ही शराबियों की भीड़ लग जाती है। सड़कों पर वाहन खड़े हो जाते हैं, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन का रवैया पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। शराब ठेकेदारों का स्थानीय स्तर पर इतना प्रभाव है कि कोई भी अधिकारी कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं करता।

अवैध पैकारी का बोलबाला, गांव-गांव बिक रही शराब

लाइसेंसी ठेकेदारों के कार्यकर्ता ग्रामीण अंचलों में धड़ल्ले से अवैध शराब की पैकारी कर रहे हैं। लांजी नगर में बस स्टैंड हो या ग्राम भमोड़ी में रोड पर संचालित अवैध भट्टी या फिर गांव की गलियां, हर ओर शराब की अवैध विक्री का जाल फैला हुआ है। ठेकेदारों द्वारा बनाई गई इन पैकारियों को आबकारी अमले और स्थानीय प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। सूत्रों की मानें तो यह सब कुछ फिक्स सिस्टम के तहत हो रहा है। जिससे न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि क्षेत्र में अराजकता और अपराध भी बढ़ रहे हैं।

कोरमपूर्ति तक सीमित जिम्मेदार, शराब माफिया की बढ़ रही जड़ें

सूत्रों के मुताबिक शराब की अवैध बिक्री और पैकारी को ठेकेदार खुद संचालित कर रहे हैं। आबकारी विभाग और पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से यह कारोबार फल-फूल रहा है। शिकायतों के बाद भी केवल कोरम पूरा करने के लिए हल्की-फुल्की कार्रवाई की जाती है, ताकि दिखाया जा सके कि विभाग सजग है। दरअसल, ऐसी कार्रवाई ठेकेदार की मर्जी से होती है और अधिक विरोध करने वालों को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। यही वजह है कि क्षेत्र में लोग अब आवाज उठाने से भी डरने लगे हैं।

आईटीआई बालाघाट के तीन प्रशिक्षणार्थियों का नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट संस्था के तीन प्रशिक्षणार्थियों का प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (हृष्टरु) में वेल्डर टेक्नीशियन पद हेतु चयन हुआ है। यह चयन दिनांक 30 जून 2025 को आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा के उपरांत ऑल इंडिया रैंक एवं उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर किया गया।

वेल्डर व्यवसाय के जिन प्रशिक्षणार्थियों ने यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, उनमें रोहित (प्रथम मेरिट - सामान्य वर्ग), सुनील टेकाम (प्रथम मेरिट- अनुसूचित जनजाति वर्ग) एवं साहिल मेश्राम (तृतीय मेरिट- सामान्य वर्ग) शामिल हैं। इस उपलब्धि पर संस्था की प्राचार्य श्रीमती सपना चौधरी, प्रशिक्षण अधिकारी संदीप कुमार गनवीर तथा संतोष कुमार रामटेके ने चयनित प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता आईटीआई बालाघाट में प्रदान किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण, अनुशासित अध्ययन वातावरण एवं समर्पित मार्गदर्शन का प्रतिफल है। संस्था द्वारा युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें देश की प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों में अवसर दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों की यह सफलता न केवल आईटीआई बालाघाट की उपलब्धि है, बल्कि जिले के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

रिटायर होने भोपाल आते हैं एमपी-सीजी के पीसीसीआईटी

एक साल में चार अफसरों की पदस्थापना, अभी भी प्रभार के सहारे चल रही व्यवस्था

भोपाल। देश को 33 हजार करोड़ से अधिक का राजस्व देने वाले एमपी छत्तीसगढ़ के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स (पीसीसीआईटी) को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने रिटायरमेंट के लिए बना दिया है। एक साल में यहां चार अधिकारी पदस्थ हो चुके हैं और अभी भी जिस अधिकारी को यहां की पीसीसीआईटी बनाया गया है वे जयपुर में पदस्थ हैं और भोपाल में अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

आयकर विभाग के एमपी-सीजी सर्किल के सबसे बड़े अधिकारी पीसीसीआईटी की यहां लंबे समय से स्थायी पदस्थापना नहीं हो पा रही है। इसका असर मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के कामकाज पर भी पड़ रहा है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्किल के भोपाल स्थित मुख्यालय में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (पीसीसीआईटी) के पद पर एक साल के दौरान चार अधिकारी तैनात किए गए, जो महज तीन से चार माह का कार्यकाल पूरा कर रिटायर हुए हैं। लंबा कार्यकाल न

होने के कारण इनमें से कोई भी अधिकारी न तो राजस्व बढ़ाने को लेकर कोई बड़ी तैयारी कर सका और न ही रिकवरी बढ़ाने के प्रयासों को अमली जामा पहनाने की प्लानिंग करा सका। बुधवार को एमपी-सीजी सर्किल के पीसीसीआईटी ललित कृष्ण दहिया भी रिटायर हो गए। वे सितंबर माह में मुंबई से प्रमोट होकर भोपाल आए थे और तीन माह बाद ही 31 दिसम्बर को रिटायर हो गए। अब वित्त मंत्रालय ने एमपी-सीजी सर्किल में प्रभारी पीसीसीआईटी की नियुक्ति की है। इसकी जिम्मेदारी राजस्थान सर्किल के पीसीसीआईटी सुमीत कुमार को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपी गई है।

ऐसे चलती रही 2025 में एमपीसीजी में पदस्थापना व्यवस्था

एमपी सीजी सर्किल में पदस्थ पीसीसीआईटी पुरषोत्तम त्रिपुरी एक जनवरी 2025 को पीसीसीआईटी बनाए गए थे। वे तीन माह का छोटा कार्यकाल पूरा कर 31 मार्च को रिटायर हो गए। इसके बाद 1 अप्रैल से नवरतन सोनी को पदस्थ किया गया। वे जुलाई में रिटायर हो गए। इसके बाद केंद्र सरकार ने 1 जुलाई से 31 अगस्त तक इस पद का अतिरिक्त प्रभार यूपी की तत्कालीन पीसीसीआईटी अपर्णा करण को सौंप दिया, जो एकाध बार ही भोपाल आईं। फिर ललित कृष्ण दहिया ने 1 सितंबर से पीसीसीआईटी पद की जिम्मेदारी संभाली और वे भी चार माह के कार्यकाल के बाद रिटायर हो गए। अब एमपी सीजी सर्किल में आयकर विभाग का सबसे बड़ा पद फिर से अतिरिक्त प्रभार में चला गया है। उम्मीद है कि अगले माह तक भोपाल में पीसीसीआईटी के नए नाम का ऐलान कर दिया जाएगा।

रिकवरी और कलेक्शन पर असर

विभाग में स्थायी अधिकारी न होने का असर उसके कामकाज पर होता है। आयकर विभाग का मूल काम टैक्स कलेक्शन और रिकवरी का है। इन हालातों में जो भी अफसर यहां आता है उसे स्थानीय कार्यप्रणाली को समझने और प्लानिंग बनाने में ही एक माह का समय बीत जाता है। इसके बाद जब तक रेवेन्यू के साथ रिकवरी बढ़ाने के प्रयास शुरू होते हैं, तब तक अफसर रिटायर हो जाता है। रेवेन्यू कलेक्शन और रिकवरी में इजाफे की सारी कोशिशें वापस ठंडे बस्ते में चली जाती हैं।

धार्मिक मेले के मददेनजर 12 ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

माघ मेला-2026 और चौथ माता मेले के दौरान रुकेगी ट्रेनें

भोपाल । श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने अतिरिक्त रेल सुविधाएं देने का निर्णय लिया है। माघ मेला-2026 और चौथ माता मेले के दौरान रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज रामबाग और झूसी स्टेशन पर भोपाल मंडल होकर गुजरने वाली 12 ट्रेनों को 2 मिनट का अतिरिक्त ठहराव देने की घोषणा की है। यह सुविधा जनवरी और फरवरी 2026 में निर्धारित तिथियों पर लागू रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, माघ मेला के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थयात्री प्रयागराज पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए यात्रियों की भीड़ को सुगम बनाने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इन ट्रेनों में जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, दानापुर-उधना, दरभंगा-पुणे, पुणे-दरभंगा, दरभंगा-अहमदाबाद, अहमदाबाद-दरभंगा, उधना-बनारस, बनारस-उधना, पुणे-गोरखपुर और गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस शामिल हैं। सभी ट्रेनों को अलग-अलग तिथियों में प्रयागराज रामबाग और झूसी स्टेशन पर 2 मिनट का अतिरिक्त ठहराव मिलेगा। वहीं दूसरी ओर, चौथ माता के मेले को लेकर भी रेलवे ने यात्रियों को राहत दी है। 05 जनवरी से 08 जनवरी 2026 के बीच भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली दो ट्रेनों को चौथ का बरवाड़ा स्टेशन पर 2 मिनट का अस्थायी ठहराव दिया गया है। चौथ का बरवाड़ा पर अस्थायी ठहराव वाली ट्रेनें में गाड़ी संख्या 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर (08 जनवरी 2026) गाड़ी संख्या 20846 बीकानेर-बिलासपुर (06 जनवरी 2026) को ट्रेनें शामिल है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि इस अस्थायी ठहराव से चौथ माता के मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिलों में करोड़ों का घोटाला

- कागजों पर बन रहे हैं कूप रिचार्ज पिट

भोपाल। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा भूजल स्तर बढ़ने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान योजना शुरू की है। यह योजना जिला पंचायत के माध्यम से मध्य प्रदेश के कई जिलों में संचालित है इस योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जो एक-एक करके अब सामने आ रहा है।

छतरपुर और खंडवा जिले के भ्रष्टाचार की परतें खुलकर सामने आई हैं। छतरपुर जिले की पंचायत में कुल 3979 डगवेल स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 1352 डगवेल पूरे हो चुके हैं। इसमें 4.96 करोड रुपए का भुगतान किया गया है।

कागजों पर फर्जी फोटो के आधार पर इनका भुगतान कर दिया गया है। जहां पर यह डगवेल खोदे गए थे। वहां उनका कोई अस्तित्व नजर नहीं आ रहा है।वहां का जल स्तर भी नहीं बढा है।

योजना के अंतर्गत जल स्तर 10 मीटर के नीचे हो, इसके लिए योजना तैयार की गई थी। दिसंबर से जनवरी माह में जिन स्थानों पर पानी रहता था। वहां पर मनरेगा और कपिलधारा के कुओं को शामिल किया गया था। जिन स्थानों पर यह सुविधा नहीं थी। वहां पर रिचार्ज पिट बनाने के लिए एक डगवेल के लिए 25000 रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इसमें से 15000 रूपये मजदूरी के लिए तथा 9000 सामग्री के लिए निर्धारित किए गए थे। कई पंचायत ने मानकों को दरकिनार करते हुए कागजों पर बड़ी संख्या में डगवेल बनाने का काम किया है। अब जांच कराने की बात कही जा रही है।

अपराधियों के सुरक्षित ठिकाने ईरानी डेरे पर चलेगा बुलडोजर

- राजस्थान-महाराष्ट्र पुलिस पहुंची भोपाल

भोपाल। देशभर में वारदातों को अंजाम देने के बाद ईरानी गैंग के बदमाशों के छिपने के लिए सुरक्षित माने जाने वाले ईरानी डेरे को लेकर भोपाल पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की तैयारी कर ली है। जिन 34 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, उसमें से एक बदमाश तालिब को पुलिस ने रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। बाकी अपराधी जेल में बंद हैं। ईरानी बदमाशों के बड़ी संख्या में पकड़े जाने की सूचना के बाद महाराष्ट्र और राजस्थान पुलिस की विशेष टीमें भोपाल पहुंच चुकी हैं। यह ईरानी गैंग भोपाल और आसपास के जिलों के साथ दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, हैदराबाद और बेंगलुरू जैसे बड़े शहरों के साथ एक दर्जन राज्यों में अपराध कर चुके हैं। सभी शहरों में वारदातों को अंजाम देने के बाद गिरोह के सदस्य भोपाल के करोंद स्थित अमन कॉलोनी (ईरानी डेरे) में

छिपते हैं।

कारण यह है कि इस बस्ती की बनावट ऐसी है कि पुलिस अगर अंदर पहुंच जाए तो वह चारों तरफ से घिर जाती है। इसलिए इस बस्ती पर भोपाल के साथ दूसरे राज्यों की पुलिस जब भी अपराधियों को पकडने, वारंट तामीली करने आती हैं, पिट जाती हैं। भोपाल पुलिस और प्रशासन ने राजधानी भोपाल के कुख्यात ईरानी डेरे में वर्षों से फल-फूल रहे अपराध के अवैध साम्राज्य को समाप्त करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शासन-प्रशासन ने इस पूरे क्षेत्र को अपराधियों का गढ़ मानते हुए यहां बने अवैध निर्माणों को चिन्हित कर लिया है और उन पर बुलडोजर चलाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। प्रशासन की कार्रवाई केवल अवैध निर्माण गिराने तक सीमित नहीं है। मास्टरमाइंड राजू और उसके सहयोगियों की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क करने की वैधानिक प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। अधिकारियों का तर्क है कि इस अपराध गिरोह को तोडने के लिए अमन कॉलोनी में पुलिस की पहुंच को आसान बनाना होगा। इसके लिए उस कॉलोनी के अवैध निर्माणों को तोडना होगा।

गैंग के सरदार सहित आधा दर्जन कुख्यात बदमाशों की तलाश

भोपाल सहित कई राज्यों की पुलिस को भोपाल के ईरानी डेरे के सरदार और कुख्यात बदमाश राजू ईरानी सहित काला ईरानी, अली, मुस्तफा, अब्बासी, हैदर उर्फ मामू, मस्तान और महारानी जैसे बदमाशों की तलाश है। महारानी महिला है जो महिलाओं के गिरोह को संभालती है और ड्रग्स तस्करी की कमान संभालती है। आपसी समन्वय से अपराधों का सुलझाने के लिए महाराष्ट्र के अमरावती, राजस्थान के श्रीगंगानगर, झालावाड़ और मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की पुलिस भोपाल में डेरा डाले हुए है।

स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भाजपा सरकार पूरी तरह असंवेदनशील -कमलनाथ

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डाक्टरों की कमी को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा की केन्द्र सरकार पर हमला बोला है।

नाथ ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा है कि देश की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भाजपा सरकार पूरी तरह असंवेदनशील है। प्राथमिक और जिला लेवल के अस्पतालों की बात छोड़ भी दें तो भी देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ही डॉक्टरों की ज़बरदस्त कमी है।

मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए नाथ् ने लिखा है कि देश के 11 एम्स अस्पतालों में 4,099 स्वीकृत फैकल्टी पदों में से 1,600 पद ख़ाली पड़े हैं। इसका अर्थ हुआ कि एम्स में जितने डॉक्टर होने चाहिए उसमें से 39 डॉक्टर कम हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि गंभीर बीमारियों के लिए देश का आम नागरिक अलग-अलग ए स अस्पतालों में उपचार के लिए जाता है। गंभीर बीमारियों का उपचार इतना महँगा है कि आम आदमी निजी अस्पतालों में जाकर इलाज नहीं करा सकता।

बड़े पैमाने पर पदों के ख़ाली होने के साथ ही बहुत से एम्स में जाँच की मशीनों और ज़रूरी दवाओं की भी पूरी उपलब्धता नहीं है।

उन्होंने माँग की है कि देश की जनता के हित में एम्स जैसे महत्वपूर्ण अस्पतालों में तत्काल सभी पदों पर भर्तियां की जाएं और मरीज़ों के बेहतर उपचार के लिए जितनी मशीनों और दवाओं की आवश्यकता है, उन्हें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराया जाए।

नर्मदापुरम में सागौन की अवैध कटाई पर बड़ी कार्रवाई...दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों से वसूली की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले के जंगलों में विशेष प्रजाति के गोल्डन ताकू टीक (सुनहरा सागौन) की बड़े पैमाने पर अवैध कटाई के मामले में वन विभाग ने सख्त एकशन लिया हैं। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों से कुल 2.82 करोड़ की वसूली होगी। इस मामले में नर्मदापुरम के डीएफओ और आईएफएस अधिकारी मयंक गुर्जर को चार्जशीट जारी की गई है। साथ ही वन अमले की मिलीभगत को लेकर विभागीय जांच शुरू करने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जा रहा है।

वन विभाग संरक्षण शाखा के प्रभारी पीसीसीएफ बिभाष ठाकुर के अनुसार, यह बीते दो दशकों में जंगलों में अवैध कटाई का सबसे बड़ा मामला है। वन बल प्रमुख विजय कुमार अंबाड़े ने नर्मदापुरम के सीसीएफ अशोक कुमार को भी नोटिस जारी कर गंभीर अनुशासनहीनता और आदेशों की अवहेलना पर जवाब तलब किया है। आरोप है कि उन्होंने डीएफओ को बचाने का प्रयास किया। विधानसभा के शीत सत्र में पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने सवाल लगाया था। जिसके जवाब में सरकार ने माना कि नर्मदापुरम जिले में मार्च 2024 से अक्टूबर 2024 के बीच वन क्षेत्रों में 6,275 हरे-भरे बड़े पेड़ों की कटाई हुई है। कटाई वाले क्षेत्रों में पदस्थ बीटगार्डों पर कार्रवाई कर दी गई, लेकिन डिप्टी रेंजर, रेंजर, एसडीओ, डीएफओ और सीसीएफ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। नर्मदापुरम जिले से लगातार पेड़ कटाई की शिकायतें वन मुख्यालय और राज्य शासन को मिल रही थीं। डीएफओ को निर्देश दिए जाने के बावजूद स्थानीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद पीसीसीएफ बिभाष ठाकुर ने भोपाल से उड़नदस्ता भेजकर मामले की जांच कराई। जांच में पूरे नर्मदापुरम जिले में मार्च 2024 से अक्टूबर 2025 तक की अवधि में काटे गए 6,275 पेड़ों के ठूंठ पाए गए। इनमें सबसे कीमती 1,200 से अधिक पेड़ गोल्डन ताकू टीक (सुनहरा सागौन) के पेड़ इटारसी की छीपाखापा बीट में काटे गए हैं। इटारसी की रेलवे और हाईवे कनेक्टिविटी के कारण यहां से अवैध लकड़ी देशभर में सप्लाई की जा रही थी। वन विभाग के अनुसार, पिछले दो वर्षों में अवैध कटाई के 2,507 केस दर्ज किए गए हैं।

पानी और सीवेज लाइनें एक ही चैंबर से गुजरने के आरोप, किया प्रदर्शन

महिला कांग्रेस ने दिया मंत्री निवास के बाहर धरना

भोपाल। प्रदेश के इंदौर शहर के बाद अब राजधानी के करोंद सहित कई इलाकों में पानी और सीवेज लाइनें एक ही चैंबर से गुजरने के आरोप महिला कांग्रेस द्वारा लगाते हुए धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। नगर निगम पर कांग्रेस ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो भोपाल भी इंदौर जैसी स्थिति की ओर बढ़ सकता है। करोंद इलाके में सामने आई तस्वीरों में एक ही चैंबर से पानी और सीवेज की लाइनें गुजरती दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने मौके पर पहुंचकर इसे गंभीर लापरवाही बताया और आशंका जताई कि इससे पीने के पानी में गंदगी मिल सकती है। कांग्रेस का दावा है कि इस इलाके सहित शहर के कई हिस्सों में लोग लंबे समय से बदबूदार और मटमैला पानी पीने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि नरेला और करोंद क्षेत्र में पहले सीवेज चैंबर बनाए गए और बाद में उन्हीं से पानी की लाइन निकाल दी गई। इस पर पहले भी आपत्ति दर्ज कराई गई, लेकिन नगर निगम ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो निगम आयुक्त कार्यालय का घेराव किया जाएगा। नगर निगम

कॉल सेंटर और सीएम हेल्पलाइन पर हर महीने औसतन 10 से ज्यादा गंदे पानी की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। ईदगाह हिल्स, करोंद, 12 नंबर क्षेत्र, रोशनपुरा और नीलबड़ की कॉलोनियों के रहवासियों ने भी नलों से बदबूदार और मटमैले पानी की शिकायत की है। कई मल्टियों में पानी के वाल्व सीवेज में डूबे रहने की बात भी सामने आई है। इंदौर की घटना के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आया है। महापौर मालती राय के निर्देश पर इंजीनियरों की टीमें संदिग्ध लाइनों की जांच कर रही हैं। पहले ही दिन ओवरहेड टैंकों और घरों से 300 से अधिक पानी के सैंपल लिए गए, यह प्रक्रिया आगे भी जारी है। दूसरी ओर, इंदौर मामले पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। भोपाल में महिला कांग्रेस ने मंत्री के सरकारी निवास के बाहर प्रदर्शन किया। हाथों में घंटियां लेकर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और मंत्री की फोटो पर जूते-चप्पल बरसाए। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कंसाना ने कहा कि ऐसे गंभीर मामले में गैर-जिम्मेदाराना बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

15 लोगों की मौत के लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार जिम्मेदार - जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के कारोबारी शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने फिर मोहन सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि प्रदेश की मोहन सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है। जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है, अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए, तब स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। वहीं मोहन सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी बात न सुने जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। इतना ही नहीं अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने कहा कि महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस नेता पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरजीपीवी में गड़बडि़यों के साए के बाद नए कुलपति की तलाश

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में लंबे समय से चल रहे विवादों और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद अब नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। राजभवन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार कुलपति पद के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 10 फरवरी 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। दरअसल, आरजीपीवी हाल के वर्षों में लगातार विवादों में रहा है। विश्वविद्यालय के प्रशासन, वित्तीय लेनदेन और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इन्हीं आरोपों के बीच हाल ही में कुलपति ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद से विश्वविद्यालय का प्रशासन अस्थायी व्यवस्था के सहारे संचालित हो रहा है।

दरअसल, कुलपति के खिलाफ विश्वविद्यालय की आंतरिक कार्यप्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और प्रशासनिक फैसलों को लेकर गंभीर आपत्तियां सामने आई थीं। छात्र संगठनों ने इन मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया था। बढ़ते दबाव और विवाद की स्थिति को देखते हुए कुलपति ने पद छोडना उचित समझा। इसके बाद उच्च स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि नए कुलपति की नियुक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत की जाए।

सरकार और राजभवन दोनों ही बेहद सतर्क

गौरतलब है कि आरजीपीवी प्रदेश का सबसे बड़ा तकनीकी विश्वविद्यालय है, जिससे सैकड़ों इंजीनियरिंग और तकनीकी संस्थान जुड़े हुए हैं। ऐसे में कुलपति की नियुक्ति को लेकर सरकार और राजभवन दोनों ही बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि नए कुलपति के सामने विश्वविद्यालय की छवि सुधारने, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने की बड़ी चुनौती होगी।

चार वर्ष का होगा कुलपति का कार्यकाल

राजभवन की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि कुलपति की नियुक्ति राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 के तहत गठित चयन समिति की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा की जाएगी। नियुक्त कुलपति का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष का होगा।अधिसूचना के मुताबिक कुलपति विश्वविद्यालय का सर्वोच्च शैक्षणिक और प्रशासनिक अधिकारी होगा। ऐसे में अभ्यर्थी से उच्च कोटि की शैक्षणिक योग्यता, मजबूत प्रशासनिक अनुभव, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्थागत प्रतिबद्धता की अपेक्षा की गई है। साथ ही, अभ्यर्थी का प्रौद्योगिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित और ख्यातिप्राप्त होना अनिवार्य बताया गया है।

आवेदन प्रक्रिया दो चरणों में होगी पूरी

आवेदन के साथ उम्मीदवार को अपने शैक्षणिक, प्रशासनिक और शोध करियर का विस्तृत विवरण देना होगा। इसके अलावा यह घोषणा भी अनिवार्य होगी कि अभ्यर्थी के विरुद्ध लोकायुक्त, आर्थिक अपराध शाखा या किसी अन्य एजेंसी में किसी प्रकार की जांच या आपराधिक मामला लंबित नहीं है। वर्तमान में सेवा में कार्यरत अभ्यर्थियों को अपने नियुक्तिकर्ता से यह प्रमाण पत्र भी देना होगा कि उनके खिलाफ कोई विभागीय जांच लंबित नहीं है। आवेदन प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरे चरण में ऑनलाइन आवेदन की प्रति, जीवनवृत्त और सभी आवश्यक दस्तावेज पंजीकृत या स्पीड पोस्ट के माध्यम से राजभवन भेजने होंगे।

15 फसलें बनेंगी मध्य प्रदेश की पहचान

भोपाल। अपने खुशबू और शानदार स्वाद के लिए रीवा का सुंदरजा आम मध्य प्रदेश की पहचान बन चुका है। इसी तरह रतलाम में पैदा होने वाला रियावन लहसुन अपनी अनोखी विशेषता और बंपन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। यह दोनों ही फसलों को जीआई टैग मिल चुका है। अब राज्य सरकार 15 अलग-अलग उद्यानिकी उत्पादों को जीआई टैक दिलाने की कोशिश में जुट गया है। जीआई टैग मिलने से मध्य प्रदेश की इन फसलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इसका सीधा फायदा स्थानीय किसानों को होगा।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा कहते हैं कि प्रदेश की उद्यानिकी फसलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रदेश की अलग-अलग खास फसलों को जीआई टैग दिलाने की कार्रवाई की जा रही है। इसका कितना अच्छा फायदा मिलता है। यह प्रदेश के सुंदरजा आम और रियावन लहसुन से समझा जा सकता है। सुंदरजा आम का रीवा में 450 हेक्टेयर रकबे में खेती हो रही है। जबकि रियावन लहसुन की खेती 2 हजार हेक्टेयर पर खेती हो रही है। दोनों ही फसलों को 2024 को जीआई टैग मिला है। इसके बाद राज्य शासन 15 अलग-अलग फसलों को टीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया में जुट गई है।

अब इन फसलों को मिलेगा टीआई टैग

मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में खरगौन इलाके की लाल मिर्च की अपनी अलग पहचान है। इस मिर्च का इस क्षेत्र में जबरदस्त उत्पादन होता है। लाल मिर्च खरगौन की पहचान बन गई है। इसी तरह जबलपुर की मटर विदेशी तक अपने स्वाद से लोगों को लुभा रही है। इन दोनों ही फसलों को जल्द ही जीआई टैग मिलने जा रहा है। वहीं बुरहानपुर के केला, सिवनी के सीताफल को भी जीआई टैग मिलेगा। नरसिंहपुर के बरमान का बैंगन, बैतूल के गाजरिया आम को भी जीआई टैग दिलाया जाएगा। इंदौर के मालवी आलू प्रसिद्ध है। यहां पैदा होने वाले आलू का उपयोग चिप्स बनाने में हो रहा है। इसे भी जीआई टैग दिलाया जाएगा। रतलाम की बालम ककड़ी अपने अलग स्वाद के लिए जानी जाती है। इसे भी जीआई टैग दिलाया जाएगा। जबलपुर के सिंघाड़ा, इंदौर के जीरावन को भी जीआई टैग दिलाया जाएगा। धार के खुरसानी इमली, नरसिंहपुर के गुड़, इंदौर के मालवी गराडू को भी जीआई टैग दिलाया जाएगा। देवास के मावा बाटी और सतना के खुरचन को भी जीआई टैग दिलाने की तैयारी की जा रही है।

सिडनी टेस्ट होगा आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला

ख्वाजा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास, घरेलू क्रिकेट- BBL खेलते रहेंगे

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। 39 साल के ख्वाजा ने बताया कि एशेज सीरीज का आखिरी टेस्ट, जो सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (SCG) में खेला जाएगा, उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। ख्वाजा अब तक 87 टेस्ट मैचों में 6206 रन बना चुके हैं, जिसमें 16 शतक शामिल हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्नी रेचल, बच्चों और परिवार के साथ मौजूद ख्वाजा ने कहा कि वह काफी समय से इस फैसले पर विचार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इस सीरीज में आते वक्त मुझे महसूस हो गया था कि यह मेरी आखिरी सीरीज हो सकती है।

पत्नी से लंबी बातचीत के बाद लगा कि अब सही समय आ गया है। मैं खुश हूं कि SCG जैसे मैदान पर, अपनी शर्तों पर संन्यास ले पा रहा हूं। ख्वाजा ने बताया कि टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड चाहते थे कि वह आगे भी खेलें। यहां तक कि 2027 में भारत दौरे को लेकर भी चर्चा हुई थी, लेकिन उन्होंने अपने फैसले पर कायम रहने का निर्णय लिया।

ख्वाजा का इंटरनेशनल करियर

उस्मान ख्वाजा ने साल 2010-11 के एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रिकी पोंटिंग की चोट की वजह से उन्हें टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला था। पाकिस्तान में जन्में और ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले उस्मान ख्वाजा पहले खिलाड़ी है। वो महज 14 साल की उम्र में अपने परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया के शहर न्यू साउथ वेल्स आ गए थे। सिडनी टेस्ट उनके करियर का 88वां मुकाबला होगा। वहीं, अभी तक 87 टेस्ट में उन्होंने 43.39 की औसत से कुल 6,206 रन बनाए हैं। इसमें 16 शतक और 28 फिफ्टी शामिल हैं। ख्वाजा की सबसे बड़ी पारी 232 रनों की रही। इसके अलावा 40 वनडे मैचों में उन्होंने कुल 1,554 और 9 टी20 इंटरनेशनल मैच में 241 रन बनाए हैं। 2011 से 2015 के बीच ख्वाजा सिर्फ आठ टेस्ट ही खेल पाए। एक समय उनका टेस्ट औसत गिरकर 25 के आसपास पहुंच गया, लेकिन 2015-16 घरेलू सीजन में चार शतक लगाकर उन्होंने दमदार वापसी की।

चयन से बाहर होना रहा टर्निंग पॉइंट

ख्वाजा ने स्वीकार किया कि एशेज की शुरूआत उनके लिए आसान नहीं रही। एडिलेड टेस्ट में शुरूआती एकादश में जगह न मिलना उनके लिए बड़ा संकेत था। उन्होंने कहा, जब मुझे एडिलेड में नहीं चुना गया, तभी समझ आ गया कि आगे बढ़ने का वक्त आ गया है। हालांकि स्टीव स्मिथ की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें मौका मिला और उन्होंने 82 और 40 रन की पारियां खेलीं। ख्वाजा ने साफ किया कि वह जबरन टीम में बने रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे। उन्होंने कोच से कहा था कि अगर टीम चाहे तो वह तुरंत संन्यास ले सकते हैं। उनका कहना था कि लोगों द्वारा उन्हें स्वार्थी कहे जाने से वह परेशान थे, जबकि टीम मैनेजमेंट खुद उन्हें आगे खेलते देखना चाहता था।

ख्वाजा क्रिकेट से पूरी तरह दूर नहीं होंगे: CA

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के उएड टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि उस्मान ख्वाजा ने मैदान के अंदर और बाहर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और उनका योगदान लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी ख्वाजा क्रिकेट से पूरी तरह दूर नहीं होंगे। वह ब्रिसबेन हीट के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे और क्वींसलैंड के लिए शेफील्ड शील्ड में भी उपलब्ध रहने की उम्मीद है।

अपमान के कारण पाकिस्तान टीम का कोच पद छोड़ा - गिलेस्पी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेसन गिलेस्पी ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच पद उन्होंने लगातार हो रही बेइज्जती के कारण छोड़ा था। गिलेस्पी को साल 2024 में पाकिस्तान टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था पर केवल आठ माह में ही उन्हें अपना पद छोड़ दिया। पद से इस्तीफे के बाद गिलेस्पी ने कहा कि पाक क्रिकेट बोर्ड में काफी घोटाले हैं और उसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी मनमानी करते हैं। गिलेप्सी ने कहा कि कोच रहते उन्हें कई बार अपमान सहना पड़ा। उन्होंने कहा, मेरे कार्यकाल के दौरान कोच गैरी कर्स्टन ने टीम चयन को लेकर एक आइडिया दिया था। पाक क्रिकेट टीम के सभी अधिकारी उस बैठक में

शामिल हुए पर नकवी ने उसमें ऑनलाइन भाग लिया। लाहौर में रहते हुए भी वह बैठक के लिए नहीं पहुंची जबकि हम अपने देश से पहुंचे थे। ये अजीब बात थी।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज के अनुसर कोच के रहते उनका कार्यकाल शुरुआत से ही कठिन रहा था। बांग्लादेश के खिलाफ टीम की हार के बाद भी परेशानी बढ़ी। गिलेस्पी ने कहा, मैं पाकिस्तान टेस्ट टीम का कोच था। पीसीबी ने हमारे सीनियर असिस्टेंट कोच को बिना मुझसे कोई बात किए हटा दिया। मुख्य कोच के तौर पर मुझसे इस मामले में बात तक नहीं की गयी। उन्होंने कहा, 'ऐसी कई और बातें थीं जिनसे मुझे लगा की बेइज्जती हो रही है। टीम में एक अलग की तरह की मनमानी थी। प्रबंधनक कोच को महत्व नहीं दे रहा था। ऐसे में मेरा वहां रहना ठीक नहीं लगा, जिसके कारण मैंने इस्तीफा दे दिया। गौरतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम में हमेशा ही विवाद रहे हैं और एक कोच बोब वूल्मर की इसी कारण मौत भी हो गयी थी।

मार्श और हार्डी की शानदार साझेदारी से स्कॉर्चर्स ने हरिकेंस को हराया

होबार्ट । मिशेल मार्श और आरोन हार्डी के बची हुई 164 रनों की रिकार्ड साझेदारी की सहायता से पर्थ स्कॉर्चर्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया। मिशेल और आरोन के बची हुई 164 साझेदारी से स्कॉर्चर्स ने 3 विकेट पर 229 रन बनाये। इसके बाद हरिकेंस की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 189 रन ही बना पायी।

इस मैच में हरिकेंस ने टॉस जीतकर स्कॉर्चर्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉर्चर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके शुरुआती बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये। फिन एलन केवल 16 रन बना पाये। इसके अलावा कूपर कॉनोली भी 4 रन ही बना पाये। । स्कॉर्चर्स ने 2 विकेट 60 रनों के अंदर ही खो दियो पर इसके बाद मैथ्यू वेड ने 18 रन पर खेल रहे मार्श का कैच गिरा दिया जिसये मैच पलट गया। । यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए। इस बल्लेबाज ने इसके बाद

58 गेंदों में102 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं हार्डी ने 43 गेंदों में नाबाद 94 रन बनाये। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी का नया रिकार्ड बनाया।

अश्विन ने सीएसके को दी सलाह, आईपीएल में सरफराज को अंतिम ग्यारह में शामिल करें

चेन्नई। अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सलाह दी है कि वह आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाज सरफराज खान को अंतिम ग्यारह में शामिल करे। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार का शानदार प्रदर्शन सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में किया है। उसको देखते हुए उसे अंतिम ग्यारह में नहीं रखना भूल होगी। अश्विन ने कहा कि सीएसके को बेहतर स्कोर बनाने सरफराज को हर मैच में जगह देने का प्रयास करना चाहिये। अश्विन का मानना है कि सरफराज जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह चयन समिति के सामने मजबूती से अपना पक्ष रख रहे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ सरफराज ने केचल 75 गेंदों में ही 157 रनों की आक्रामक पारी खेलकर दिखा दिया कि वह सीमित ओवरों के लिए भी उपयोगी हैं। अश्विन के अनुसार सीएसके को सरफराज के अच्छे फार्म का पूरा लाभ उठाना चाहिये।

सरफराज इन दिनों अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजर रहे हैं। गोवा के खिलाफ अपनी पारी में उन्होंने 9 चौके और 14 छक्के जड़े और केवल 56 गेंदों में ही अपना शतक बना दिया था। वहीं इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी उन्होंने 7 मैचों में 203.08 की स्ट्राइक रेट और 65.80 की औसत से 329 रन बनाए थे।

अश्विन ने सोशल मीडिया में सरफराज की तकनीक की विशेष रूप से प्रशंसा की है। अश्विन के अनुसार, सरफराज की सबसे बड़ी ताकत बीच के ओवरों में स्पिन गेंदबाजी पर हावी होना है। वह स्वीप और स्लॉग स्वीप का इतनी चतुराई से इस्तेमाल करते हैं कि स्पिनर अपनी लाइन-लेंथ भूल जाते हैं। अश्विन के अनुसार सरफराज का यह कौशल उन्हें टी20 क्रिकेट के मध्यक्रम के लिए एक आदर्श बल्लेबाज बनाता है।

बिहार के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा- साइना

पटना। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल आजकल बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान साइना ने कहा कि राज्य में काफी खेल प्रतिभाएं हैं पर उन्हें निखारने की जरुरत है। ओलंपिक पदक विजेता साइना ने कहा कि की बेहतर प्रशिक्षण से यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगे। साइना ने कहा कि राज्य में जरुरी संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। साइना ने यहां पाटलिपुत्र खेल परिसर में कहा कि बिहार के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बिहार में खेलों के विकास, विशेषकर बैडमिंटन की संभावनाओं पर भी अपने बातें रखीं। साइना ने कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए पहले ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। साइना ने कहा, "मैंने अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप पटना में ही जीती थी इसलिए बिहार से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव है卐 साइना ने कहा कि वह बिहार के खिलाड़ियों के विकास के लिए वह हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक खेल नीति, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन से आने वाले समय में राज्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला - बीसीसीआई

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) में शामिल किये जाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसे सरकार से बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीबीसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 रुपये में खरीदा था।उसके बाद से कई लोगों ने केकेआर के इस फैसले को गलत बताया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं की खबरों के बाद कई लोगों का मानना है कि आईपीएल से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जाना चाहिये।

आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिजुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की है और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। मुस्तफिजुर ने सला 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

प्रशंसकों को पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

मुम्बई। भारतीय पुरुष ओर महिला क्रिकेट टीमों को इस बार कई अहम मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी की दोनो ही टीमें इनमें जीत दर्ज करेंगी। भारतीय क्रिकेट के लिए बीता साल टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं रहा था। वहीं इस साल प्रशंसकों को टीम से इस लंबे प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा प्रशंसकों को उम्मीद रहेंगी कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में जीत दर्ज कर खिताब बरकरार रखे। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की में खेला जाएगा। पुरुष क्रिकेट में अब तक कोई भी टीम टी20 विश्वककप का खिताब बरकारार नहीं कर पाई है। अब देखना होग कि इस बार टीम इसे बरकरार रख पाती है या नहीं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नजरें भी एकदिवसीय विश्वकप के बाद टी20 विश्वकप जीतने पर रहेंगी।

12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाला महिता टी20 विश्व कप 2026 जीतकर भारतीय टीम खेल में अपना दबदबा बनाना चाहेगी।

वहीं भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका और नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में छठे स्थान पर है।

श्रीलंकाई बोर्ड ने अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए घोषित की टीम

कप्तानी दिंसारा, उपकप्तानी गमागे को मिली

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने इस साल 15 जनवरी से शुरू होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी विमथ दिंसारा को सौंपी गयी है जबकि कविजा गमागे उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे । टीम में विरान चामुदिथा, गमागे और चमिका हींटिगला को ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है। विश्वकप में श्रीलंकाई टीम को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और जापान के साथ रखा गया है। श्रीलंकाई टीम अपना पहला मुकाबला 17 जनवरी को जापान से खेलेगी। विश्वकप जिम्बाब्वे और नामीबिया में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें 16 टीमें भाग लेंगी। तंजानिया की टीम इसमें पहली बार खेलेगी। टूर्नामेंट का प्रारुप पिछले टूर्नामेंट जैसा ही होगा, जिसमें पहले चरण में 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में रखा गया है। आईसीसी के अनुसार 23 दिनों में कुल 41 मैच खेले जाएंगे।

अंडर-19 विश्व कप के लिए श्रीलंका टीम

विमथ दिनसारा (कप्तान), कविजा गामागे, दिमंथा महाविथाना, वीरन चामुदिथा, डुलनिथ सिगेरा, चमिका हेंतिगाला, एडम हिल्मी, चमारिंडु नेथसारा, सेठमिका सेनेविरत्ने, कुगथास मथुलन, रासिथ निमसारा, विग्नेश्वरन आकाश, जीवनंता श्रीराम, सेनुजा वेकुनागोडा, मालिन्था सिल्वा।

इस साल डब्लयूपीएल खिताब जीत सकती है दिल्ली कैपिटल्स - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि इस बार नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में दिल्ली कैपिटल्स टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) 2026 खिताब जीत सकती है। चोपड़ा के अनुसार जहां तक रनों की बात है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना इस बार लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनेंगी हालांकि उन्हें दिल्ली कैपिटल्स की सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा से कड़ी टक्कर मिलेगी। गौरतलब है कि दिल्ली कैपिटल्स टीम डब्लयूपीएल में तीन बार उपविजेता रही है और इस बार जेमिमा की कप्तानी में उसके पास खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। जेमिमा उर्जा से भरी हुई युवा खिलाड़ी हैं जो टीम को जीत के लिए प्रेरित कर सकती हैं। चोपड़ा ने कहा, मुझे लगता है कि इस बार दिल्ली कैपिटल्स जीतेगी। उन्होंने बहुत अच्छी टीम बनाई है और वे तीनों बार फाइनल में पहुंचे हैं। उन्हें एक बार जीतने का अवसर मिलना चाहिये।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां तक सबसे अधिक रनों की बात है स्मृति के अलावा, उनकी सलामी जोड़ीदार पार्टनर शेफाली वर्मा भी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दावेदार रहेंगी। उन्होंने कहा, इसके बाद भी मुझे लगता है कि लीग में सबसे ज्यादा रन मंधाना ही बनाएंगीहैं। मंधाना ऑरेंज कैप जीतने की दौड़ में सबसे आगे रहेंगी। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की शैफाली भी उनके अलावा दौड़ में रहेगी। चोपड़ा ने साथ ही कहा कि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और श्री चरानी दोनों ही लीग में अवॉर्ड जीत सकती हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दीप्ति प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड तीसरी बार जीत सकती हैं। वहीं मुझे लगता है कि श्री चरानी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सत्र का अवॉर्ड जीत सकती हैं।

मार्टिन की तबियत पहले से बेहतर हुई - गिलक्रिस्ट

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टन की तबियत में हल्का सुधार देखा गया है। मार्टन को पिछले दिनों गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया था उसके बाद से ही वह इंड्यूस्ड कोमा में हैं। जांच में वह गंभीर बिमारी मैनिनजाइटिस से पीड़ित पाये गये थे। अस्पताल में भर्ती कराए जाने के एक दिन बाद उनकी हालत में कुछ सुधार नजर आ रहा है। गिलक्रिस्ट के अनुसार जांच में उनकी तबियत में कुछ सकारात्मक संकेत दिख रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा, वह अब भी अस्पताल में हैं हालांकि मेडिकल जांच में उनकी तबियत में पिछले 24 घंटे में कुछ सुधार के संकेत दिखे हैं ।उम्मीद की जाती है कि वह शीघ्र ही इस बिमारी से उबर जाएंगे।

गिलक्रिस्ट ने कहा, हमारे पूर्व साथी खिलाड़ी डेमियन मार्टिन उनके परिवार की तरफ से सभी प्रशंसकों को प्यार और दुआओं के लिए शुक्रिया। इस चुनौतीपूर्ण समय में सभी से उसे समर्थन मिल रहा है। मार्टिन जिस इंड्यूस्ड कोमा में है वह कोमा से अलग होता है। इसमें डॉक्टर दवाओं के जरिए मरीज को गहरी बेहोशी की स्थिति में पहुंचाते हैं। ऐसा मस्तिष्क को गंभीर चोट, सूजन या अन्य जानलेवा स्थितियों से बचाने और ठीक होने का समय देने के लिए किया जाता है, ताकि मस्तिष्क पर दबाव कम हो और ठीक हो सके। यह एक नियंत्रित प्रक्रिया है, जो प्राकृतिक कोमा से अलग है। यह मरीज को गंभीर दर्द या असहजता से बचानेके लिए भी किया जाता है।

इंग्लैंड ने अंतिम एशेज टेस्ट के लिए घोषित की टीम, बशीर और पॉट्स शामिल

सिडनी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीसी) ने 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट मैदान में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 12 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ईसीबी ने दो बदलाव करते हुए ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

ऑफ स्पिनर बशीर ने अपने करियर में 19 टेस्ट मैच खेले हैं और 39.00 की औसत से 68 विकेट लिए हैं। यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने एशेज सीरीज में किसी विशेषज्ञ स्पिनर को शामिल किया है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही केवल स्पिन गेंदबाज के तौर पर शामिल थे। वहीं पॉट्स ने अब तक 10 मैच खेले हैं, जिसमें 29.44 की औसत से 36 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार चार-चार विकेट शामिल हैं। वहीं दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को चोटिल होने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है-

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), जोश टोंग।

मारिन एक बार फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को दूसरी बार भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया है। मारिन के मार्गदर्शन में ही भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन साल 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम के कोच थे। वहीं अर्जेंटीना के विला मटियास विला को विश्लेषणात्मक कोच बनाया गया है।

पूर्व मिडफील्ड विला ने साल 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में भाग लिया था। वह करीब 20 साल से कोचिंग करते आ रहे हैं। इसके अलावा वेन लोम्बार्ड को खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में रखा गया है जबकि वैज्ञानिक सलाहकार रोडेट इला और सियारा इला अपने पद पर बने रहेंगे।

वहीं मारिन ने का कि उन्हें भारतीय टीम के साथ आने से खुशी हुई है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और रवैये के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में अहम र्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में सहाता कर सकूं।

गौरतलब है कि मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंची थी। अब मारिन की पहली परीक्षा आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में होगी। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम निरंतर सफलता हासिल करेगी।

वोट चोरी के राहुल गांधी के दावों पर कर्नाटक की जनता ने दिखाया आईना

91 प्रतिशत लोगों ने माना देश में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष

ज्यादात्तर लोगों ने ईवीएम मशीन पर दिखाया भरोसा : बीजेपी का पलटवार राहुल गांधी लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा

बेंगलुरु। कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में राहुल गांधी के वोट चोरी कैंपेन को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की ओर से कराए सर्वेक्षण में 91 प्रतिशत लोगों ने माना कि देश और राज्य में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष किए जा रहे हैं। सर्वे के नतीजे से बीजेपी कांग्रेस पर हमलावार है। बीजेपी नेता आर. अशोक ने लिखा कि यह सर्वे कांग्रेस और उनके नेताओं के मुंह पर तमाचा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी को एलओपी यानी लीडर ऑफ प्रोपगेंडा बताया है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी सहित कांग्रेस ने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कई प्रेसवार्ता की। सितंबर 2025 में उन्होंने कर्नाटक में वोट चोरी का कथित पोल खोलकर प्रेसवार्ता की। तब राहुल गांधी ने कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट के आंकड़े सबके सामने रखे थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने विपक्षी समर्थकों के नाम मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर हटाए थे। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने मामले में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को चिट्ठी लिखी थी। राज्य सरकार ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर एसआईटी भी गठित की। इसके अलावा कर्नाटक का कलबुर्गी भी कांग्रेस के आरोपों के केंद्र में रहा।

इसके बाद कर्नाटक सरकार की एक एजेंसी ने चुनाव की निष्पक्षता और वोट चोरी के प्रति लोगों के मत जानने के लिए सर्वे कराया। लोकसभा चुनाव 2024 नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का अंतिम सर्वेक्षण का मूल्यांकन शीर्षक से सर्वे की रिपोर्ट सामने आ गई है। इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के 102 विधानसभा क्षेत्रों में 5,100 लोगों से बात की गई। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि 91.31 प्रतिशत लोगों का मानना है कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं। कलबुर्गी के 84.67 प्रतिशत लोगों

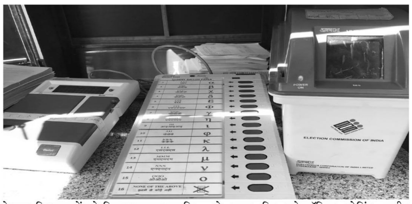

ने कहा कि चुनावों को निष्पक्ष बताया जबकि 10.19 प्रतिशत लोगों ने इस पूरी तरह निष्पक्ष बताया। बेलगावी डिविजन में 69.62 लोगों ने निष्पक्षता पर भरोसा जताया और 19.24 प्रतिशत ने पूरी तरह निष्पक्ष कहा। मैसूरु डिवीजन में भी लोगों ने चुनावी व्यवस्था पर मजबूत भरोसा दिखाया। मैसुरू में 72.08 प्रतिशत लोगों ने निष्पक्षता पर सहमति जाहिर की और 15.08 प्रतिशत ने इस पूरी तरह निष्पक्ष माना।

सर्वे में कर्नाटक के ज्यादातर लोगों ने माना कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) भी सही नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट बीजेपी के लिए कांग्रेस पर निशाना साधने का एक बड़ा हथियार बन गई है। बीजेपी का कहना है कि यह सर्वे कांग्रेस और राहुल गांधी के दावों की पोल खोलती है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता अशोक ने लिखा कि जहां नागरिक चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा दिखा रहे हैं, वहीं कांग्रेस शक पैदा कर रही है। वोटर परिपक्वता दिखा रहे हैं, तब कांग्रेस असुरक्षा। यह ड्रामा लोकतंत्र की चिंता से नहीं, बल्कि नतीजों के डर से पैदा हुआ है। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि यह सिद्धांत की राजनीति नहीं, बल्कि सुविधा की राजनीति है। कोई भी बनावटी कहानी इस सच्चाई को नहीं छिपा सकती।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी रिपोर्ट के हवाले से राहुल गांधी की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का वोट चोरी का झूठ और चुनाव आयोग पर लगाया गया आरोप उनकी अपनी ही कर्नाटक सरकार के सर्वे से गलत साबित हुआ है। राहुल गांधी लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा हैं। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार चुनाव के बाद भी इसतरह के आरोप लगाए थे, लेकिन उनके अपने नेता तारिक अनवर और शकील अहमद खान ने कहा था कि यह वोट चोरी नहीं, बल्कि टिकट चोरी थी। उनके सहयोगी उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले ने भी राहुल गांधी के इन दावों को खारिज किया था।

सुप्रीम कोर्ट समेत देश भर की अदालतों में पेंडिंग 5.41 करोड़ मामले बने चुनौती

-इनमें 3.65 करोड़ मामले क्रिमिनल और बाकी सिविल मैटर के हैं

नई दिल्ली। देश में जुडिशरी के सामने अभी भी सबसे बड़ी चुनौती करोड़ों की पेंडेंसी को लेकर है। देश भर की निचली अदालतों, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर भारी पेंडेंसी है। 28 दिसंबर 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश भर की निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर 5 करोड़ 41 लाख केस पेंडिंग हैं। देशभर की निचली अदालतों में 4.76 करोड़ केस पेंडिंग है। इनमें 3.65 करोड़ मामले क्रिमिनल हैं और बाकी सिविल मैटर के हैं।

निचली अदालतों में यूपी में कुल 1.13 करोड़ मामले पेंडिंग है। वहीं दिल्ली की निचली अदालतों में 15.85 लाख मामले पेंडिंग हैं। तो सुप्रीम कोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक अभी 91,892 मामले पेंडिंग है। राज्यों के हाईकोर्ट में 63.67 लाख मामले पेंडिंग हैं। इन पेंडेंसी में 19.01 लाख मामले क्रिमिनल है जबकि 44.65 लाख मामले सिविल मैटर हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने नवंबर में शपथ से ठीक पहले कहा था कि उनकी प्राथमिकता होगी कि पेंडेंसी पर काबू पाया जाएं। उन्होंने कहा था, हम सबसे पहले यह देखेंगे कि कैसे कम किया जाए और इसके लिए जो संसाधन है उसका इस्तेमाल बेहतर तरीके से किया जाएगा।

बता दें पिछले साल 11 जुलाई को लॉ मिनिस्ट्री ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को दिशा निर्देश जारी किए थे ताकि वैसे मामले जहां सरकार पक्षकार है उनका जल्द निपटारा सुनिश्चित हो सके। विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि यह एसओपी अनावश्यक मुकदमों को रोकने और आपसी विभागीय समन्वय को बेहतर बनाने में मदद करेगी। रिटायर डिस्ट्रिक्ट जज और कानूनी जानकार बताती है कि भारत में न्यायिक मामलों का लंबित बोझा अब केवल आंकड़ों की समस्या नहीं रहा है, बल्कि यह एक संवैधानिक संकट का रूप ले चुका है, जो न्याय तक सार्थक पहुंच को प्रभावित करता है। इस संदर्भ में, सुप्रीम कोर्ट की जोनल बैच की स्थापना पर विचार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की परिकल्पना मुख्यत: एक संवैधानिक न्यायालय और अतिम व्याख्या की अदालत के रूप में की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के सामने पेंडिंग मामलों का एक बड़ा हिस्सा विशेष अनुमति याचिकाओं का है, जो सेवा मामलों, जमीन विवादों और सामान्य दीवानी और आपराधिक अपीलों से संबंधित है, जिन्हें हाईकोर्ट स्तर पर ही अंतिम रूप ले लेना चाहिए। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में चार स्थायी जोनल बेच की स्थापना और नई दिल्ली में स्थायी रूप से बैठने वाली एक संविधान पीठ के साथ, न्याय तक पहुंच का विकेंद्रीकरण करेगी, वादकारियों के सामने आने वाली भौगोलिक और आर्थिक बाधाओं को काफी हद तक कम करेगी। वहीं देश भर की अदालतों में जो पेंडेंसी है उसे कम करने के लिए जजों की वैकेंसी भरी जाए साथ ही इविंग कोर्ट को प्रोमोट किया जाए। समरी ट्रायल हो और टाइमबाउंड ट्रायल पूरा किया जाना तय किया जाए।

ये है अदालतों में पेंडिंग मामले

91.89 हजार सुप्रीम कोर्ट में
63.67 लाख हाई कोर्ट्स में
4.76 करोड़ निचली अदालतों में
15.85 लाख दिल्ली हाईकोर्ट में
01 वेकेंसी सुप्रीम कोर्ट में
297 वेकेंसी हाई कोर्ट्स में
4855 वेकेंसी निचली अदालतों में

उत्तराखंड में गली-मोहल्ले का नाम डालते ही मतदाता का सामने आ जाएगा नाम

-राज्य मुख्य निर्वाचन वेबसाइट में नाम ढूंढने की प्रक्रिया को और बना रहा सरल

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय वेबसाइट में मतदाता का नाम ढूंढने की प्रक्रिया को और ज्यादा सरल बना रहा है। इसके लिए अब केवल मतदाता अपने गली, मोहल्ले और क्षेत्र का नाम डालकर भी अपना नाम ढूंढ सकता है। प्रदेश में इस समय विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले प्री-एसआइआर का कार्य चल रहा है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर वर्तमान मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं का 2003 की मतदाता सूची से मिलान कर रहे हैं। इसके अंतर्गत अभी 38 साल से ज्यादा आयु वालों की वोटर मैपिंग की जा रही है। इसका फायदा यह होगा कि जब प्रदेश में एसआइआर शुरू होगा तब मतदाताओं को सत्यापन में कोई परेशानी नहीं होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समय यह देखने में आ रहा है कि कई मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम ढूंढने में काफी परेशानी आ रही है। विशेष रूप से उन मतदाताओं को जो जिला अथवा क्षेत्र बदल चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा महिलाओं की संख्या है। जो शादी के बाद अन्य जिलों व विधानसभा क्षेत्रों में आकर बस गई हैं। 2003 में इनका नाम अपने मायके अथवा उस स्थान पर दर्ज था, जहां ये उस समय रहती थीं। यूं तो राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सहूलियत के लिए 2003 की मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड की वेबसाइट पर डाला हुआ है। कोई भी मतदाता इस साइट को खोलकर अपने विधानसभा क्षेत्र में जाकर अपने और अपने पिता के नाम से अपना मतदाता क्रमांक और बूथ संख्या आदि खोज सकता है।

यह प्रक्रिया थोड़ी लंबी है। इसमें पहले मतदाता का नाम व पिता का नाम डालकर विधानसभा क्षेत्र और मतदाता क्रमांक मिलता है। इसके बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्र के पन्ने पर जाकर अपना नाम खोजना होता है। अब इस प्रक्रिया को और सरल किया जा रहा है। अब मतदाता इस साइट पर जाकर अपने व पिता के नाम के साथ ही यदि गली, मोहल्ले व क्षेत्र का नाम डालता है तो उसे उसका नाम मिल जाएगा। यह भी प्रयास किया जा रहा है कि मतदाता कोई यदि उसका नाम पुष्ट हो जाता है तो फिर उस पर क्लिक करने से ही वह उस पन्ने पर पहुंच जाएगा जहां उसका क्रमांक व बूथ दर्ज है। सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सरलीकरण की यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जल्द ही इसे लागू किया जाएगा।

राज्यों के जीएसटी संग्रह लगातार गिरावट

- छत्तीसगढ़ और लद्दाख में सबसे ज्यादा गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राज्यों का जीएसटी संग्रह सितंबर माह से घटना शुरू हो गया है। जीएसटी संग्रह राज्यों का घटने से राज्यों की आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे खराब होती चली जा रही है। सितंबर माह से जीएसटी के राजस्व संग्रह में राज्यों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब राज्यों को जीएसटी से मिलने वाला शुल्क माइनस में जाने लगा है। पिछले 3 महीने में छत्तीसगढ़ राज्य में अक्टूबर माह में दो फ़ीसदी नवंबर में 12 फ़ीसदी तथा दिसंबर माह में 28 फीसदी, तथा लद्दाख में नवंबर माह में 11 फ़ीसदी तथा दिसंबर माह में 25 फ़ीसदी की कमी देखने को मिली है।

सितंबर 2025 में जीएसटी की दरों में सुधार किए जाने के बाद से राज्यों का जीएसटी राजस्व लगातार घट रहा है।

आंध्र प्रदेश में अक्टूबर माह में 9 फ़ीसदी, नवंबर माह में 5 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं तेलंगाना में सितंबर माह में 5 फीसदी की गिरावट आई है। छत्तीसगढ़ राज्य में अक्टूबर में 2 फीसदी नवंबर माह में 12 फ़ीसदी तथा दिसंबर माह में 28 फ़ीसदी की कमी आई है। राजस्थान में अक्टूबर माह में 3 फ़ीसदी, नवंबर माह में 4 फ़ीसदी, मध्य प्रदेश में अक्टूबर माह में 5

फीसदी,नवंबर माह में 17 फ़ीसदी तथा दिसंबर माह में दो फ़ीसदी की कमी आई है। झारखंड में अक्टूबर माह में 15 फीसदी तथा दिसंबर माह में 17 फ़ीसदी लद्दाख में नवंबर माह में 11 फ़ीसदी तथा दिसंबर माह में 25 फीसदी की कमी आई है।

राज्यों के जीएसटी राजस्व में लगातार गिरावट आ रही है। जीएसटी सुधार में 375 वस्तुओं पर टैक्स घटाया गया है। जिसके कारण राज्यों का राजस्व कम हो रहा है।

केंद्र सरकार ने पान मसाला तंबाकू एवं अन्य उत्पादों पर सेस और एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई है। इसका राजस्व राज्यों को नहीं मिल रहा है। केंद्र सरकार ने आयात पर जो जीएसटी शुल्क बढ़ाया है। उसका भी हिस्सा राज्यों को नहीं मिलता है। जिसके कारण राज्यों की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। आने वाले महीनो में इसका बड़ा असर राज्यों के राजस्व में देखने को मिलेगा। केंद्र सरकार ने मनरेगा योजना में 40 फ़ीसदी की हिस्सेदारी अब राज्यों की कर दी है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक राज्य के ऊपर आर्थिक भार और भी बढ़ने वाला है। राजस्व में लगातार कमी होने के कारण राज्य सरकारों को कर्ज लेकर अपना खर्च चलाना पड़ रहा है।

हैदराबाद की गंगा-जमुनी तहजीब की ऐतिहासिक खुर्शीद जाह देवड़ी का लौटेगा गौरव

हैदराबाद। हैदराबाद की गंगा-जमुनी तहजीब और बेमिसाल वास्तुकला के इतिहास में खुर्शीद जाह देवड़ी एक ऐसा नाम है, जो समय की धूल के नीचे दबे होने के बावजूद अपनी भव्यता की गवाही देता है। विश्व प्रसिद्ध चारमीनार की चहल-पहल से मात्र एक किलोमीटर दूर हुसैनी आलम में स्थित यह महल, पैगाह रईसों की विरासत का एक अनमोल रत्न है। दशकों तक उपेक्षा का शिकार रही यह ऐतिहासिक इमारत अब जीर्णोद्धार के दौर से गुजर रही है और जल्द ही अपने पुराने गौरव को प्राप्त करने के लिए तैयार है।

इस आलीशान देवड़ी का निर्माण 1893 में पैगाह रईस नवाब खुर्शीद जाह बहादुर (शम्स-उल-उमरा चतुर्थ) के पूर्वजों द्वारा कराया गया था। हैदराबाद के निजामों के बाद पैगाह परिवार रियासत का सबसे शक्तिशाली, रसूखदार और अमीर घराना माना जाता था। नवाब खुर्शीद जाह बहादुर स्वयं एक कला प्रेमी और

दूरदर्शी व्यक्तित्व के स्वामी थे, और उन्हीं के नाम पर इस महल का नाम खुर्शीद जाह देवड़ी पड़ा। यह महल कभी उस दौर की विलासिता, शाही महफिलों और पैगाहों के राजनीतिक प्रभाव का मुख्य केंद्र हुआ करता था।

वास्तुकला की दृष्टि से यह महल यूरोपीय और पूर्वी शैलियों का एक अद्भुत संगम है। इसकी संरचना में रोमन और ब्रिटिश स्थापत्य कला का प्रभाव स्पष्ट रूप से झलकता है। ऊंचे राजसी स्तंभ, विशाल मेहराब और लकड़ी पर की गई बारीक नक्काशी इसे उस दौर के अन्य महलों से अलग और विशिष्ट बनाती है। पुराने समय में इस महल के कक्ष हाथ से बुने हुए महंगे ईरानी कालीनों और यूरोप से विशेष रूप से मंगवाए गए क्रिस्टल झूमरों से जगमगाते रहते थे। यह पैगाह रईसों के वैश्विक दृष्टिकोण और उनकी वैभवशाली जीवनशैली का जीवंत उदाहरण है। वर्तमान में भले ही इस देवड़ी का कुछ हिस्सा समय की मार और रखरखाव के अभाव में जर्जर हो गया है, लेकिन इसकी दीवारें आज भी उस दौर की वैभवशाली कहानियाँ सुनाती हैं। यह इमारत केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि हैदराबाद के उस सुनहरे दौर का प्रतीक है जहाँ संस्कृति, कला और राजनीति का मिलन होता था। सुखद पहलू यह है कि प्रशासन और विरासत प्रेमियों के प्रयासों से अब इसकी मरम्मत और सौंदर्यीकरण का काम तेजी से चल रहा है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ ही दिनों में इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। चारमीनार के समीप होने के कारण इस स्थल का पर्यटन महत्व और अधिक बढ़ जाएगा, जिससे सैलानियों को हैदराबाद के इतिहास के एक और छिपे हुए अध्याय को करीब से देखने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली में मर्डर : लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय शाकिर और 22 वर्षीय इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के सामने अब दो अलग-अलग दावे हैं। एक तरफ गिरफ्तार आरोपियों का आपसी रंजिश वाला कबूलनामा। दूसरी तरफ गैंग का दावा कि यह सुपारी किलिंग है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग के संपर्क में थे या गैंग सिर्फ खौफ फैलाने के लिए जिम्मेदारी ले रहा है। 30 और 31 दिसंबर की दरम्यानी रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवक को लाया गया है।

ईरान में हिंसक प्रदर्शन, 7 की मौत

तेहरान । ईरान में महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार छठे दिन भी जारी है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। ये प्रदर्शन ईरान के पवित्र शहर कोम तक फैल गए हैं। जो शिया धर्मगुरुओं का एक प्रमुख गढ़ है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने राजशाही के समर्थन में नारे लगाए। इससे पहले 31 दिसंबर को भी एक शख्स की प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी में मौत हो गई थी। इसमें अब तक 6 आम लोगों और 1 सिक्योरिटी फोर्स की मौत हो चुकी है।

प्रदर्शन के चलते 31 दिसंबर को भी एक 21 साल के पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी और लगभग 13 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। ईरान में प्रदर्शन की शुरुआत 28 दिसंबर को हुई थी।

एनएचएआई : 1 फरवरी 2026 के बाद जारी होने वाले नए फास्टैग वाली कारों के लिए केवाईवी बंद

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 1 फरवरी 2026 से सभी नए जारी किए गए फास्टैग वाली कारों (कार/जीप/वैन श्रेणी फास्टैग) के लिए 'नो योर व्हीकल (केवाईवी)' की प्रक्रिया को बंद करने का फैसला किया है। सक्रिय किए जाने से पहले सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी जारीकर्ता बैंकों को सौंपकर, एनएचएआई का लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले लोगों को परेशानी से मुक्त अनुभव प्रदान करना है। यह सुधार सड़क का उपयोग करने वाले उन लाखों आम लोगों को बड़ी राहत देगा, जिन्हें वाहनों के मान्य दस्तावेज होने के बावजूद फास्टैग के सक्रिय होने के बाद जारी होने के उपरांत केवाईवी संबंधी जरूरतों के कारण असुविधा और देरी का सामना करना पड़ रहा था। कारों के लिए पहले से जारी मौजूदा फास्टैग के लिए, अब केवाईवी रूटीन जरूरत के तौर पर अनिवार्य नहीं होगा। केवाईवी केवल वैसे खास मामलों में जरूरी होगा जहां ढीले फास्टैग, गलत जारी होने, या गलत इस्तेमाल से जुड़ी समस्याएं जैसी शिकायतें मिलती हैं। किसी भी शिकायत के न होने पर, मौजूदा कार फास्टैग के लिए किसी केवाईवी की जरूरत नहीं होगी।

फास्टैग को सक्रिय करने की अनुमति केवल वाहन डेटाबेस से वाहन के विवरण के सत्यापन के बाद ही दी जाएगी। सक्रिय होने के बाद सत्यापन की अनुमति देने वाला पहले का प्रावधान बंद कर दिया गया है। जहां वाहन का विवरण वाहन पर उपलब्ध नहीं है, वहां जारीकर्ता बैंकों को पूरी जवाबदेही के साथ सक्रिय किए जाने से पहले पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) का उपयोग करके विवरण को सत्यापित करना होगा। ऑनलाइन चैनलों के माध्यम से बेचे जाने वाले फास्टैग भी बैंकों द्वारा पूर्ण सत्यापन के बाद ही सक्रिय किए जायेंगे। इन उपायों से सभी गाड़ियों का सत्यापन पहले ही पूरा हो जाना सुनिश्चित होगा, जिससे फास्टैग के सक्रिय होने के बाद ग्राहकों से बार-बार फॉलो-अप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बल्लारी में बैनर लगाने को लेकर खूनी संघर्ष, एक की मौत; जनार्दन रेड्डी और श्रीरामुलु समेत 11 पर एफआईआर

बल्लारी। कर्नाटक के बल्लारी जिले में शुक्रवार को वाल्मीकि समुदाय की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो गुटों के बीच हुई इस झड़प में एक व्यक्ति की जान चली गई, जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में बड़े जमावड़े पर रोक लगा दी है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। इस मामले में पुलिस ने विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री व भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलीखान और सोमशेखर रेड्डी सहित कुल 11 लोगों के खिलाफ वाल्मीकि बैनर फाड़ने और हिंसा भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, विवाद उस समय शुरू हुआ जब कांग्रेस कार्यकर्ता विधायक भारथ रेड्डी के समर्थन में कार्यक्रम के बैनर लगाने पहुंचे थे। आरोप है कि ये बैनर केआरपीपी विधायक जनार्दन रेड्डी के आवास के सामने लगाए जा रहे थे, जिस पर रेड्डी के समर्थकों ने कड़ी आपत्ति जताई। देखते ही देखते बहसबाजी हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों ओर से भारी पथराव होने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटनास्थल पर अफरा-तफरी के बीच गोलियों की आवाज भी सुनाई दी। बताया जा रहा है कि भारथ रेड्डी के सहयोगी सतीश रेड्डी के साथ आए एक सुरक्षाकर्मी ने कथित तौर पर हवा में दो राउंड फायरिंग की। इसी हिंसा के दौरान राजशेखर नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसे कांग्रेस का समर्थक बताया जा रहा है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक भारथ रेड्डी ने कहा कि बैनर सार्वजनिक सड़क पर लगाए जा रहे थे और यह कार्यक्रम किसी एक दल का नहीं बल्कि पूरे समुदाय का था। उन्होंने इसे शांति भंग करने की राजनीतिक साजिश करार दिया। दूसरी ओर, जनार्दन रेड्डी ने दावा किया कि उनके वहां पहुंचते ही फायरिंग शुरू कर दी गई, जो उन्हें जान से मारने की एक सोची-समझी साजिश थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के साथ आए निजी हथियारबंद लोग अपराधी प्रवृत्ति के थे। हिंसा की खबर मिलते ही पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस प्रशासन ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजशेखर की मौत की असल वजह और फायरिंग की परिस्थितियों की गहन जांच की जा रही है। इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है और प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। फिलहाल शहर में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और दोषियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

रोजगार मेले के नाम पर धोखा: बालाघाट के 15 युवक तमिलनाडू में फंसे, कड़ाके की ठंड में खुले में बैठने पर मजबूर हैं

रोजगार मेले में बेंगलोर की कंपनी में चयन हुआ और पहुंचा दिये गये तमिलनाडू केरल राज्य सीमा पर दूसरी कंपनी में!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोशल मीडिया पर इन दिनों दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें कुछ युवक स्वयं को बालाघाट जिले का निवासी बताते हुए रोजगार मेले के माध्यम से बाहर भेजे जाने को लेकर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। युवकों का कहना है कि उन्हें रोजगार दिलाने के नाम पर बेंगलोर भेजने की बात कही गई थी, लेकिन वास्तविकता में उन्हें तमिलनाडु पहुंचा दिया गया। वायरल वीडियो में युवक दावा कर रहे हैं कि रोजगार मेले के दौरान उन्हें जिस कंपनी और स्थान की जानकारी दी गई थी, वह मौके पर बदल दी गई, जिससे वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इस तरह की प्रक्रिया युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और रोजगार उपलब्ध कराने के नाम पर उन्हें अनिश्चित हालात में डाल दिया गया। युवकों ने यह भी कहा कि जब कंपनियां और संबंधित विभाग रोजगार के नाम पर जिले से बाहर युवाओं को भेजते हैं, तो तय नियमों और मापदंडों का पालन किया जाना चाहिए। स्थान और शर्तों में बदलाव के कारण युवाओं को बाद में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि इस संबंध में अभी तक संबंधित विभाग या कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2 जनवरी की सुबह से सोशल मीडिया पर दो वीडियो तेजी से वायरल हो गए, जिनमें कुछ युवक रोजगार मेले के नाम पर बाहर भेजे जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में युवक खुद को बालाघाट जिले से रोजगार दिलाने के उद्देश्य से बाहर भेजा गया बताते हुए पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पहले वीडियो में एक युवक ने बताया कि बीते दिनों रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मेला आयोजित किया गया था, जिसके तहत उन्हें बेंगलोर भेजने की जानकारी दी गई थी। युवक का आरोप है कि जब वे वहां पहुंचे तो हकीकत कुछ और ही निकली। वीडियो में युवक यह दिखाते हुए नजर आ रहा है कि बेंगलोर के नाम पर उन्हें किसी अन्य स्थान पर पहुंचा दिया गया, जो चारों ओर से जंगलों से घिरा हुआ है। युवक का दावा है कि यह स्थान तमिलनाडु राज्य का है, जहां एक मकान में उन्हें ले जाया गया। वीडियो के अनुसार, युवकों की संख्या करीब 15 है। आधी रात को जारी किए गए वीडियो में बताया गया कि उनका सारा सामान मकान के बाहर पड़ा है और कड़ाके की ठंड में वे खुले में बैठने को मजबूर हैं। युवक ने मकान के अंदर कमरों की स्थिति भी दिखाई, जिसे देख स्थिति चिंताजनक प्रतीत हो रही है। युवकों ने इस तरह की व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि रोजगार के नाम पर उनके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। दूसरे वायरल वीडियो में एक अन्य युवक ने बताया कि रोजगार मेले के तहत बालाघाट से बेंगलोर लाया गया था, लेकिन यहां पहुंचने के बाद उसके साथ बड़ा स्कैम हुआ। युवक का कहना है कि वह पिछले तीन दिनों से वहां फंसे हुआ है और अपने खर्च पर ही खाना-पीना और रहने की व्यवस्था कर रहे है। अब उसके पास पैसे भी समाप्त हो चुके हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। युवक ने यह भी आरोप लगाया कि जिस कंपनी और जिन शर्तों का वादा किया गया था, वे मौके पर पूरी नहीं हुईं। हैरानी की बात यह है कि अब तक कंपनी की ओर से कोई प्रतिनिधि उनसे मिलने नहीं पहुंचा। वीडियो के माध्यम से युवक ने संबंधित विभाग से मांग की है कि भविष्य में रोजगार मेले आयोजित करते समय युवाओं को भ्रमित कर बाहर न भेजा जाए और जिस कंपनी में नौकरी दिलाने का दावा किया जाता है, उसी कंपनी में उन्हें भेजा जाए। इन वीडियो के सामने आने के बाद रोजगार मेले की प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

कंपनी और स्थान बदलने का युवकों ने लगाया आरोप

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में तीन अलग-अलग युवकों ने वीडियो संदेश के माध्यम से रोजगार मेले की प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवकों का कहना है कि रोजगार मेले के दौरान उन्हें टीवीएस कंपनी में काम दिलाने और कंपनी का स्थान बेंगलोर बताया गया था। युवकों के अनुसार, इन्हीं नियमों और शर्तों पर भरोसा कर वे रोजगार के लिए जिले से बाहर रवाना हुए। जब वे निर्धारित स्थान पर पहुंचे तो स्थिति पूरी तरह अलग निकली। आरोप है कि उन्हें टीवीएस कंपनी के बजाय, मिंडा कंपनी भेज दिया गया, बेंगलोर की जगह तमिलनाडु के एक ऐसे क्षेत्र में पहुंचा दिया गया, जो केरल राज्य की सीमा से लगा हुआ बताया जा रहा है। वीडियो में युवकों ने कहा कि कंपनी और कार्यस्थल दोनों में अचानक किया गया बदलाव उनके लिए भारी परेशानी का कारण बन गया। उनका आरोप है कि रोजगार दिलाने के नाम पर उनके साथ जो व्यवहार किया गया, उससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो गए हैं। युवकों ने मांग की है कि भविष्य में रोजगार मेलों के माध्यम से बाहर भेजे जाने वाले युवाओं के साथ पारदर्शिता बरती जाए और जिस कंपनी, स्थान तथा शर्तों पर सहमति दी जाती है, उसी के अनुरूप उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

इस मामले पर संज्ञान लेकर जांच करनी चाहिए - विशाल बिसेन

रोजगार मेले को लेकर सामने आए वायरल वीडियो के बाद पवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने इस पूरे मामले को लेकर एक वीडियो जारी कर कहा कि कुछ युवकों ने उनसे संपर्क कर अपनी समस्या साझा की है। उन्होंने बताया कि युवकों द्वारा जारी किए गए वीडियो भी उन्होंने देखे हैं। यदि युवकों द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यात्मक हैं, तो यह मामला गंभीर है और इस पर संबंधित विभाग को तत्काल संज्ञान लेकर जांच करनी चाहिए।

उन्होंने युवाओं से अपील करी की वे यह भी स्पष्ट करें कि उन्हें किस विभाग के अधिकारियों के माध्यम से रोजगार के लिए बाहर भेजा गया था , उन जिम्मेदारों की पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में युवकों की परेशानी के साथ-साथ उनकी सुरक्षा भी चिंता का विषय है। ऐसे में जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी बनती है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिला अध्यक्ष ने मांग करी की युवकों को सुरक्षित तरीके से बालाघाट वापस लाया जाए नही तो जिस कंपनी में रोजगार देने का वादा किया गया था, वहां उन्हें नियमानुसार विधिवत रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

रामबती उईके-उकवा, रंजीत चौहान-कचेखनी, उमेश्वरी देशमुख-झालीवाड़ा, सरिता ताराम-पल्हेरा, श्यामलाल मानेश्वर-रमपुरी में सरपंच बने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में 5 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं एक पंच के निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न हो गई है। 5 सरपंच एवं 1 पंच के रिक्ति पदों की पूर्ति के लिए 29 दिसंबर को मतदान कराया गया था। भरवेली में पंच पद के मतों की गणना मतदान समाप्ति के तत्काल बाद की गई थी। सरपंच के निर्वाचन के लिए डाले गये मतों की गणना 02 जनवरी को जनपद पंचायत मुख्यालय पर की गई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे ने बताया कि सरपंच पद के निर्वाचन के लिए विकासखंड वारासिवनी की ग्राम पंचायत झालीवाडा, विकासखंड परसवाडा की ग्राम पंचायत उकवा, विकासखंड खैरलांजी की ग्राम पंचायत कचेखनी, विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं विकासखंड बिरसा की ग्राम पंचायत पल्हेरा में 29 दिसंबर को ईव्हीएम से मतदान कराया गया है। मतों की गणना 02 जनवरी 2026 को जनपद पंचायत मुख्यालय पर की गई है। मतगणना के उपरांत सरपंच पद के लिए विकासखंड वारासिवनी की ग्राम पंचायत झालीवाडा में 1091 मत प्राप्त करने वाली प्रत्याशी उमेश्वरी देशमुख, विकासखंड परसवाडा की ग्राम पंचायत उकवा में 1411 मत प्राप्त करने वाली प्रत्याशी रामबती उईके, विकासखंड खैरलांजी की ग्राम पंचायत कचेखनी में 724 मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी रंजीत चौहान, विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत रमपुरी में 514 मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी श्यामलाल मानेश्वर एवं विकासखंड बिरसा की ग्राम पंचायत पल्हेरा में 382 मत प्राप्त करने वाली प्रत्याशी सरिता ताराम को सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नवनिर्वाचित सरपंचों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये हैं।

लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारी को 15 दिनों के भीतर कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एन डी पुरी ने लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारी सहायक ग्रेड-3 श्रीमती सोनाली राजपूत (तोमर) को 15 दिनों के भीतर कार्यालय में अपनी उपस्थित होने के निर्देश दिये है। इस समयावधि में उनके उपस्थित नही होने पर उनके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेगी।

कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं बालाघाट में पदस्थ सहायक वर्ग-3 श्रीमती सोनाली राजपूत लंबे समय से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं। इस संबंध में संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी, भोपाल द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित कर आरोप पत्र जारी किया गया था, किंतु निर्धारित समय-सीमा में इसका जवाब नही दिया गया है। विभाग द्वारा श्रीमती राजपूत को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए निर्देश दिए गए हैं कि 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति कार्यालय में दर्ज कराएं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

एसडीएम बैहर के औचक निरीक्षण में सिविल अस्पताल की लापरवाही उजागर

खंड चिकित्सा अधिकारी को पुनः नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर श्री अर्पित गुप्ता द्वारा 01 जनवरी 2026 को सिविल अस्पताल बैहर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही और अव्यवस्था सामने आई, जिस पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। निरीक्षण के समय अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक ड्यूटी पर उपस्थित नहीं पाए गए। पूछताछ में बताया गया कि चिकित्सक लंच पर गए थे, जबकि निर्धारित अवकाश समय समाप्त हो चुका था। इसके अलावा अस्पताल परिसर में व्यापक गंदगी पाई गई और स्वच्छता व्यवस्था अत्यंत असंतोषजनक स्थिति में मिली। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि अस्पताल के शौचालय पिछले 24 घंटे से अधिक समय से चोक थे, जिनकी समय पर मरम्मत नहीं कराई गई थी। कई स्थानों पर नल खराब पाए गए, जिससे लगातार जल का अपव्यय हो रहा था। साथ ही अग्निशमन यंत्रों की वैधता अवधि समाप्त पाई गई, जो मरीजों की सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर लापरवाही मानी गई।

गौरतलब है कि पूर्व में भी इसी प्रकार की अनियमितताओं को लेकर खंड चिकित्सा अधिकारी, बैहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका था और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। उक्त तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी, बैहर को पुनः कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत न किए जाने की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट